बिहार सरकार

बिहार समाचार

अप्रैल 2026

सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह

तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार

बिहार समाचार

वर्ष: 75 | अंक: 04 | अप्रैल, 2026

संरक्षक
विजय कुमार चौधरी
माननीय मंत्री
सू.ज.स.वि., बिहार

प्रधान सम्पादक
अनुपम कुमार
सचिव
सू.ज.स.वि., बिहार

प्रकाशक
अनिल कुमार
निदेशक
सू.ज.स.वि., बिहार

सम्पादक
रवि भूषण सहाय
संयुक्त निदेशक
सू.ज.स.वि., बिहार

सम्पादन सहयोग
अंकिता श्री
सहायक निदेशक
सू.ज.स.वि., बिहार

विनीत कुमार सिन्हा
सहायक निदेशक
सू.ज.स.वि., बिहार

सम्पादकीय सम्पर्क
सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार
सूचना भवन, नेहरू पथ, पटना 800015
फोन: 0612-2224278, 2237835
ईमेल: prdpatna@prdbihar.gov.in
वेबसाइट: https://state.bihar.gov.in/prdbihar

सुर्खियाँ

बिहार दिवस

8 प्रधानमंत्री ने दी बधाई, मुख्यमंत्री बोले ऊंचाई छुएगा बिहार

इस साल बिहार दिवस "उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार" थीम पर समारोह आयोजित हुआ। गांधी मैदान में शिक्षा, स्वास्थ्य, सूचना-जनसंपर्क, कृषि, उद्योग, गन्ना, पर्यटन, नगर विकास एवं आवास विभाग समेत विभिन्न विभागों के स्टॉल व प्रदर्शनी लगी।

बिहार दिवस

14 स्टॉल्स पर सुरक्षा का पाठ, लोक कलाओं की बारीकियां

बिहार दिवस समारोह में विभिन्न विभागों के पवेलियन आकर्षण के केंद्र बने रहे।

बिहार दिवस

18 युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान कर विकसित बनेगा बिहार

उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार के संकल्प के साथ 114 वां बिहार दिवस समारोह संपन्न हुआ।

सशक्त महिला

22 नीतीश कुमार के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण की अनवरत यात्रा

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के दृढ़ इरादे और दूरदर्शिता का नतीजा है कि महिला सशक्तीकरण की यात्रा आरक्षण से शुरू हुई जिसने बिहार की राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक संरचना को बदल कर रख दिया।

सशक्त महिला

26 छह अनुसूचित जाति की युवतियों के हाथ में पिंक बस की चाबी

जब 2005 में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार सत्ता में आए तब महिला सशक्तीकरण को अपनी सरकार का मूल मंत्र बनाया। पिंक बस सेवा का विस्तार इसका ताजा उदाहरण है।

सशक्त महिला

28 बिहार की बेटियां, शिक्षा के आकाश में उड़ान

स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में बेटियां उड़ान भर रही हैं। मैट्रिक और इंटरमीडिएट की पढ़ाई में लड़कों को पीछे छोड़ चुकी बेटियों का दबदबा अब सरकारी विद्यालयों में शिक्षण कार्य में भी बढ़ गया है।

सशक्त महिला

30 नीतीश सरकार में महिला नेतृत्व

बिहार की महिलाएं आज चौपालों और पंचायत सरकार भवनों से लेकर राष्ट्रीय मंच तक अपनी आवाज बुलंद कर रही हैं।

सशक्त महिला

33 नीतीश सरकार में खेल-खिलाड़ियों का स्वर्णिम अध्याय

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अनु कुमारी की ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व प्रकट करते हुए पटना स्थित आवास पर विशेष रूप से सम्मानित किया।

सतत विकास

37 सतत विकास लक्ष्यों 2030 (SDGs) की प्राप्ति में अग्रणी राज्य बनेगा बिहार

बिहार आगामी वर्षों में सतत विकास लक्ष्य 2030 (SDGs) की प्राप्ति में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित होगा।

समृद्धि यात्रा

40 2030 तक सबसे विकसित राज्य बनेगा बिहारः मुख्यमंत्री

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा पूरी हो गई है। महात्मा गांधी के सत्याग्रह की भूमि पश्चिम चंपारण से 16 जनवरी को शुरू हुई यात्रा का समापन 26 मार्च को पटना में हुआ।

जिला प्रोफाइल

52 अररियाः सीमांचल की जीवंत पहचान

अररिया जिला अपनी भौगोलिक स्थिति, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है।

खाना-खजान

56 "मालपुआ" खाते ही "एक और" की मांग

मालपुआ की उत्पत्ति का इतिहास उतना ही प्राचीन है जितना भारतीय संस्कृति। वैदिक काल में इसे 'अपुपा' या 'पुआ' के नाम से जाना जाता था।

इलेक्ट्रीसिटी समिट

64 बिहार की ऊर्जा नीतियों की वैश्विक स्तर पर हो रही चर्चा

भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में बिहार की वैश्विक ऊर्जा विमर्श में मजबूत उपस्थिति सिर्फ एक तकनीकी-प्रदर्शन का विषय नहीं, बल्कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शुरू हुई बिहार की ऊर्जा क्रांति का परिणाम है।

खेती में AI

58 AI की मदद से अब गन्ने की स्मार्ट खेती

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने गन्ना उद्योग क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाए हैं।

हेरिटेज टनल

60 पटना में टूरिज्म और कल्चरल हेरिटेज को मिलेगी नई पहचान

मुख्यमंत्री की परिकल्पना ने बिहार को नई पहचान दी है। बिहार म्यूजियम, पटना म्यूजियम का विस्तार, विधान सभा डिजिटल म्यूजियम इन परियोजनाओं को दूरदर्शी मुख्यमंत्री की सोच ने सकारा है।

फैक्ट शीट

54 बिहार संग्रहालय

बिहार संग्रहालय, पटना राज्य की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने वाला विश्वस्तरीय संग्रहालय है।

संरक्षक की कलम से

प्रिय पाठकगण,

आप सभी को 114वें बिहार दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में आज बिहार महिला सशक्तिकरण का पर्याय बन चुका है एवं विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। राज्य सरकार के त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं और नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण तथा सरकारी नौकरियों में महिलाओं की 35 प्रतिशत आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों ने महिलाओं को केवल भागीदारी ही सुनिश्चित नहीं की, बल्कि उन्हें नेतृत्व की भूमिका भी प्रदान की है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सशक्त भूमिका सुनिश्चित हुई है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के ध्येय से राज्य में जीविका स्वयं सहायता समूह की शुरुआत आज राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में किये सार्थक पहल के रूप में स्थापित हुई है। इसके माध्यम से राज्य की करोड़ों महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं। ये महिलाएं आज "लखपति दीदी" बनकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज की आर्थिक संरचना को सुदृढ़ कर रही हैं। यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। राज्य में महिला स्वरोजगार को संवर्धित करने के लिए बिहार सरकार द्वारा मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत की गई है। यह योजना न केवल महिलाओं को आर्थिक सबलता प्रदान करेगी अपितु आर्थिक असमानता को खत्म करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सतत विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर बिहार में हो रहे विकास कार्यों की झलक बिहार दिवस समारोह में देखने को मिली। पटना के गाँधी मैदान में बिहार दिवस- 2026 के अवसर पर आयोजित भव्य समारोह ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि राज्य अपने गौरवशाली अतीत की प्रेरणा से भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ अग्रसर है। "उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार" केवल एक नारा नहीं, बल्कि राज्य की विकास यात्रा का सशक्त संकल्प है। इस यात्रा में सामाजिक न्याय, सुशासन और समावेशी विकास के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण एक केंद्रीय स्तंभ के रूप में उभरकर सामने आया है। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल और प्रदर्शनों में भी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और उनकी उपलब्धियों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। खेल, कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भूमिका यह दर्शाती है कि वे अब केवल परंपरागत दायरे तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नवाचार और नेतृत्व के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रही हैं।

बिहार समाचार के इस अंक में राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम, समृद्धि यात्रा के दौरान माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जिलों के विकास में की गई प्रमुख घोषणाएं, विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित महत्वपूर्ण लेख प्रकाशित किये गए हैं। पाठकों के ज्ञानवर्धन के लिए एक क्विज भी दिया गया है। आशा है आपको यह अंक पसंद आएगा। पत्रिका की विषय वस्तु में सुधार का हमारा प्रयास अनवरत जारी है।

शुभकामनाओं सहित

विजय कुमार चौधरी
माननीय मंत्री, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग
बिहार सरकार

> **"माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा राज्य की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के ध्येय से राज्य में जीविका स्वयं सहायता समूह की शुरुआत आज राष्ट्रीय ही नहीं अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी महिला सशक्तीकरण की दिशा में किये सार्थक पहल के रूप में स्थापित है।"**

अपनी बात

प्रिय पाठकगण,

आप सभी को 114वें बिहार दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में बिहार आज महिला सशक्तिकरण का सशक्त प्रतीक बन चुका है और विकास के पथ पर तीव्र गति से अग्रसर है। राज्य सरकार द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण तथा सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण जैसे ऐतिहासिक निर्णयों ने महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में स्थापित किया है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की प्रभावी उपस्थिति सुनिश्चित हुई है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई जीविका स्वयं सहायता समूह योजना आज राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक सफल मॉडल के रूप में स्थापित हो चुकी है। इसके माध्यम से राज्य की करोड़ों महिलाएं आत्मनिर्भर बनी हैं और अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। ये महिलाएं "लखपति दीदी" के रूप में न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर रही हैं, बल्कि समाज की आर्थिक संरचना को भी मजबूत बना रही हैं। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उन्नति तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। साथ ही, मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर आर्थिक असमानता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सतत विकास के मार्ग पर अग्रसर बिहार में हो रहे विकास कार्यों की झलक बिहार दिवस-2026 के अवसर पर स्पष्ट रूप से देखने को मिली। पटना के गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह ने यह सिद्ध किया कि राज्य अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेते हुए आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर बढ़ रहा है। "उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार" केवल एक नारा नहीं, बल्कि राज्य की विकास यात्रा का सशक्त संकल्प है। इस यात्रा में सामाजिक न्याय, सुशासन और समावेशी विकास के साथ महिला सशक्तिकरण एक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ के रूप में उभरकर सामने आया है।

"बिहार समाचार" के इस अंक में महिला सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों, समृद्धि यात्रा के दौरान माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न जिलों में की गई प्रमुख घोषणाओं तथा विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित लेखों को शामिल किया गया है। पाठकों के ज्ञानवर्धन हेतु एक क्विज भी प्रस्तुत किया गया है। हमें विश्वास है कि यह अंक आपको उपयोगी और प्रेरणादायी लगेगा। पत्रिका की विषयवस्तु को और बेहतर बनाने का हमारा प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

शुभकामनाओं सहित

अनुपम कुमार
सचिव, सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग
बिहार सरकार

"महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई जीविका स्वयं सहायता समूह योजना आज राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक सफल मॉडल के रूप में स्थापित हो चुकी है।"

प्रधानमंत्री ने बिहारवासियों की कर्मठता और जीवटता को सराहा

मुख्यमंत्री बोले, ऊंचाई छुएगा बिहार

अपना बिहार, 114 साल का हो गया। बिहार के इस ऐतिहासिक सफर का जश्न तीन दिनों (22-24 मार्च) तक चला। मुख्यमंत्री माननीय नीतीश कुमार ने रविवार,22 मार्च को गांधी मैदान में 'बिहार दिवस' समारोह का उद्घाटन किया। सभी जिलों में बिहार की स्थापना का जश्न मनाया गया। इस मौके पर गांधी मैदान में लगे स्टॉल्स पर बिहार की विकास यात्रा और भविष्य की तैयारियों की झांकियां दिखाई गईं।

इस साल- "उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार" विषय पर समारोह आयोजित हुआ। गांधी मैदान में शिक्षा, स्वास्थ्य, सूचना एवं जनसंपर्क, कृषि, उद्योग, गन्ना, पर्यटन, नगर विकास एवं आवास विभागसमेत विभिन्न विभागों के स्टॉल व प्रदर्शनी लगी। इसके अलावा राजधानी के विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये।

बिहार दिवस समारोह का आगाज माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने किया। उन्होंने दीप जलाये और गुब्बारे उड़ाये। इसके साथ रंगारंग समारोह शुरू हो गया। मुख्यमत्री ने शिक्षा विभाग और आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की प्रदर्शनी देखी। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार व अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेंदर ने मुख्यमंत्री को दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए संवर्द्धन कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कला कक्ष, स्मार्ट क्लास, व्यावसायिक शिक्षा कक्ष, अटल टिंकरिंग लैब, आईसीटी कक्ष, ईको क्लब आदि की जानकारी दी। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. उदयकांत ने प्राधिकरण की प्रदर्शनी में लगे मॉडल के बारे में मुख्यमंत्री को बताया।

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, बिहार की खासियत बताई

बिहार दिवस पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को पत्र लिखा। बिहार व बिहार के

लोगों की खूब तारीफ की। सबको 'बिहार दिवस' की बधाई दी। छठ महापर्व को सांस्कृतिक विस्तार का उदाहरण व वैश्विक पहचान वाला बताया। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के लिए लिखा- आपके नेतृत्व में बिहार बड़े परिवर्तन का साक्षी बना है। सुशासन के साथ समाज के सभी वर्गों के कल्याण के प्रति आपकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता ने राज्य में विश्वास, स्थिरता और प्रगति की एक नई धारा शुरू की है। आज बिहार, अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर, आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में बिहार नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगाः मुख्यमंत्री

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने जवाबी पत्र लिखकर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा-आपके मार्गदर्शन एवं सहयोग से बिहार नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि आपने बिहार की समृद्ध विरासत, संस्कृति और प्रगति के प्रयासों की सराहना की। हम राज्य के सर्वांगीण विकास, सामाजिक न्याय, सुशासन और आधारभूत संरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं। केंद्र से राज्य को मदद मिल रही है। आपके मार्गदर्शन एवं सहयोग से बिहार के कर्मठ व प्रतिभाशाली लोग निश्चित रूप से राज्य और देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। आप बिहार आते रहते हैं। यह बिहार के प्रति आपका विशेष लगाव है।

> **"सबको 'बिहार दिवस' की शुभकामनाएं। प्रथम गणराज्य की भूमि बिहार ने देश को समृद्ध किया है। यहां के लोग अपनी प्रतिभा और परिश्रम से राज्य और देश के विकास 'में अहम भूमिका निभाएंगे। मैं राज्य एवं सभी निवासियों के स्वर्णिम भविष्य की मंगलकामना करती हूं।"**

द्रौपदी मुर्मू,
राष्ट्रपति

सत्यमेव जयते

प्रधान मंत्री
Prime Minister

नई दिल्ली
चैत्र 01, शक संवत् 1948
22 मार्च, 2026

श्री नीतीश कुमार जी.

बिहार दिवस के इस विशेष अवसर पर आपको और बिहार के मेरे सभी भाई-बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं।

बिहार दिवस, बिहार के समृद्ध इतिहास, बिहार के सामर्थ्य और बिहार की परंपराओं का उत्सव मनाने का दिन है। ये भारत की सशक्त पहचान में बिहार के अमूल्य योगदान को याद करने का अवसर है। बिहार की धरती ने प्राचीन काल से ही जान, आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों के माध्यम से समाज को समृद्ध किया है। इस धरा पर दिये गये भगवान बुद्ध के विचार आज भी वैश्विक चेतना का हिस्सा हैं और मानवता को मार्ग दिखा रहे हैं। इस भूमि ने आचार्य चाणक्य जैसे महान कूटनीतिज्ञ का प्रभाव देखा, जिन्होंने सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य के साथ मिलकर एक सशक्त और संगठित भारत की नींव रखी। ये विरासत आज भी भारत की सोच और दिशा को प्रेरित करती है।

बिहारवासियों ने देश और दुनियाभर में अपनी मेहनत, ईमानदारी और प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाई है। समाज की सेवा हो या फिर उद्योग जगत, शिक्षा का क्षेत्र हो या कला और संगीत की विधा, हर क्षेत्र में बिहारवासियों का योगदान अतुलनीय है। हर किसी के साथ मिलकर आगे बढ़ने और सफल होने की बिहार के लोगों की प्रवृत्ति बहुत ही सराहनीय है।

बिहार के लोग जहां भी जाते हैं, अपने साथ राज्य की सांस्कृतिक समृद्धि और मूल्यों को भी लेकर जाते हैं। मुझे याद है जब मैं मुख्यमंत्री था, तब भी मैंने बहुत करीब से देखा है कि कैसे बिहार के लोग गुजरात की प्रगति में योगदान दे रहे थे। खासकर सूरत के विकास में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। बिहार गठन के 100 साल पूरे होने पर सूरत में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ था। उसमें सभी लोगों ने मिलकर बिहार की गौरवशाली विरासत का उत्सव मनाया था। इसी तरह मैंने मॉरीशस, गुयाना और त्रिनिदाद एंड टोबैगो में भी बिहार की संस्कृति को फलते-फूलते देखा है। वहां भी बिहार की जड़ों से जुड़े लोगों ने अपनी संस्कृति को सहेजकर रखा है। बिहार की सांस्कृतिक परंपराएं आज वैश्विक पहचान बना रही हैं। महापर्व छठ इसका सबसे सशक्त उदारुण है, जो अब दुनियाभर में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। ये बिहार के सांस्कृतिक विस्तार को दर्शाता है।

बिहार कई महान विभूतियों की जन्मभूमि और कर्मभूमि रही है, जिन्होंने भारत की लोकतांषिक और बौद्धिक परंपराओं को आकार दिया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय बिहार ने देश को एक नई दिशा दी। चंपारण में महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की शुरुआत की, जिससे आजादी के संघर्ष को नई ऊर्जा मिली। जब भारत को विदेशी शासन से मुक्ति मिली, तब बिहार के कई महान नेताओं ने संविधान निर्माण में अपना अहम् योगदान दिया। इसके साथ ही उन्होंने ये भी सुनिश्चित किया कि जन-जन की आकांक्षाएं पूरी हों। डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सच्चिदानंद सिन्हा और बाबू जगजीवन राम जैसे महान व्यक्तित्वों के प्रयास देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करने वाले हैं।

1970 के दशक की शुरुआत और मध्य में भारतीय लोकतंत्र को सबसे बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा था। तब लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने लोगों को लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हो रहे हमलों का डटकर विरोध करने के लिए प्रेरित किया। कुछ ही समय पहले एनडीए सरकार को जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को भारत रख से सम्मानित

करने का अवसर मिला, जिसकी देशभर में सराहना हुई।

मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे और मेरी सरकार को बिहार की विकास यात्रा को और तेज गति देने का अवसर मिला है। पिछले एक दशक में हमारा फोकस इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और समावेशी विकास पर रहा है। हमारी पहल से राज्य के प्रयासों को नई ऊर्जा मिली है। इससे न केवल राज्य के लोगों के लिए नए-नए अवसर बने हैं, बल्कि भारत की विकास यात्रा में बिहार की भूमिका और सशक्त हुई है। वर्ष 2004 से 2014 की तुलना में बिहार को मिलने वाली केन्द्रीय सहायता में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। इससे बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाओं को गति मिली है।

आज बिहार में गरीबों के जीवन में ठोस बदलाव दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 40 लाख से अधिक घर बनाए गए हैं। उज्वला योजना के तहत 1 करोड़ 20 लाख से अधिक परिवारों को गैस कनेक्शन मिला है। सौभाग्य योजना के माध्यम से घर-घर तक बिजली पहुंचाई गई है।

हमारे किसान साथी भी इस बदलाब के केंद्र में हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत बिहार के किसानों को 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में दी गई है। मुझे विशेष रूप से गर्व होता है जब मैं बिहार की नारी शक्ति को आगे बढ़ते हुए देखता हूं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से। करोड़ से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं और 31 लाख से अधिक महिलाएं 'लखपति दीदी' बन चुकी है, जो आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रही हैं।

बिहार के स्थानीय उत्पादों को ग्लोबल स्तर पर पहचान दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। मखाना जैसे उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए नेशनल मखाना बोर्ड का गठन किया गया है, जो बिहार के किसानों और उद्यमियों के लिए नए अवसर बनाएगा।

नालंदा विश्वविद्यालय बिहार की ऐतिहासिक धरोहर है, जिसे एक नई पहचान देने का प्रयास हुआ है। इसके माध्यम से बिहार की प्राचीन ज्ञान परंपरा को जीवंत किया जा रहा है।

कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। रेल और हवाई संपर्क के विस्तार से बिहार को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने में बही सुविधा हुई है। बिहार का एविएशन सेक्टर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले वर्ष हमने पटना हवाई अड्डे पर एक नए टर्मिनल को राष्ट्र को समर्पित किया था। इसी प्रकार दरभंगा की हवाई कनेक्टिविटी में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। पूर्णिया में भी एक नए टर्मिनल भवन का निर्माण हुआ है। पिछले वर्ष ऑटा-सिमरिया पुल प्रोजेक्ट के उद्घाटन पर लोगों के उत्साह को मैं कभी नहीं भूल सकता। आने वाले समय में बिहार के विकास की इस रफ्तार को और तेजी मिलने वाली है।

आपके नेतृत्व में बिहार एक बड़े परिवर्तन का साक्षी बना है। सुशासन के साथ समाज के सभी वर्गों के कल्याण के प्रति आपकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता ने राज्य में विश्वास, स्थिरता और प्रगति की एक नई धारा शुरू की है। आज का बिहार, अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर, आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है। बिहार की ये यात्रा, बास्तव में भारत की यात्रा का ही प्रतिबिम्ब है, जिसमें निरंतरता, परिवर्तन और आशा तीनों साथ-साथ चल रहे हैं।

इस अवसर पर, मैं एक बार फिर आपको और बिहार के सभी नागरिकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। ईश्वर से प्रार्थना है कि बिहार निरंतर प्रगति करते हुए समृद्धि के नए आयाम स्थापित करे और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहे।

आपका,

(नरेन्द्र मोदी)

मुख्य मंत्री
बिहार

पटना

23 मार्च, 2026

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

आपका पत्र प्राप्त हुआ। इस पत्र के माध्यम से आपने बिहार दिवस के अवसर पर बिहारवासियों के प्रति स्नेहपूर्ण और गहरी भावनाएं प्रकट की हैं, उसके लिए मैं हृदय से आपका आभारी हूँ। आपके शब्दों से बिहार के प्रति आपका लगाव एवं विश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आप अवगत हैं कि 22 मार्च 1912 को बंगाल से अलग होकर 'बिहार एवं उड़ीसा' राज्य अस्तित्व में आया था, इसलिए इसी दिन को हमलोगों ने बिहार दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया। वर्ष 2010 में पहली बार बिहार दिवस का आयोजन किया गया और तब से लगातार हमलोग 22 मार्च को 'बिहार दिवस' मनाते आ रहे हैं। बिहार की स्थापना के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर वर्ष 2012 को बिहार शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया गया।

बिहार का इतिहास गौरवशाली रहा है। भारत के इतिहास में बिहार को शक्ति, संस्कृति एवं शिक्षा के प्रतीक के रूप में जाना जाता रहा है। बिहार ज्ञान एवं मोक्ष की भूमि है। बिहार की पावन धरती विभिन्न धर्मों की हृदय स्थली रही है। यहीं पर भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ। भगवान महावीर का जन्म, ज्ञान प्राप्ति एवं निर्वाण इसी धरती पर हुआ। सिख धर्म के संस्थापक गुरुनानक देव जी बिहार की पवित्र धरती पर पधारे थे। यहीं पर सर्ववंशदानी गुरु गोविन्द सिंह महाराज का जन्म भी हुआ था। वर्ष 2017 में हमें गुरु गोविन्द सिंह जी महाराज का 350वां प्रकाश पर्व मनाने का अवसर प्राप्त हुआ और इस अवसर पर आपकी गरिमामयी उपस्थिति ने हमारा उत्साहवर्द्धन किया था।

बिहार प्राचीन भारत के अत्यंत शक्तिशाली मौर्य साम्राज्य का केन्द्र रहा है। इसी धरती पर चाणक्य ने अर्थशास्त्र की रचना की और आर्यभट्ट ने शून्य का आविष्कार किया। नालंदा विश्वविद्यालय एवं विक्रमशिला विश्वविद्यालय प्राचीनकाल में न सिर्फ भारतवर्ष बल्कि पूरे विश्व में ज्ञान के केन्द्र रहे हैं और बड़ी संख्या में विदेशों से लोग यहाँ पढ़ने आते थे। राजगीर में नालन्दा विश्वविद्यालय की पुनर्स्थापना आपके मार्गदर्शन एवं केन्द्र सरकार के सहयोग से ही संभव हुई है। वर्ष 2024 में आपके कर कमलों से नालन्दा विश्वविद्यालय परिसर का उद्घाटन इस गौरवशाली विरासत को पुनः जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिहार के गौरवशाली इतिहास में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी, डॉ० राजेन्द्र प्रसाद जी, लोकनायक जयप्रकाश जी, जननायक कर्पूरी ठाकुर जी जैसे महान व्यक्तित्वों का अतुलनीय योगदान रहा है। गाँधी जी ने बिहार की धरती से ही चंपारण सत्याग्रह के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। इसकी याद में हमने वर्ष 2017 को 'चम्पारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष' के रूप में मनाया।

लोकनायक जय प्रकाश नारायण जी ने बिहार से संपूर्ण क्रांति आंदोलन की शुरूआत कर भारत में लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जननायक कर्पूरी ठाकुर जी ने सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों को सशक्त किया, जो आज भी बिहार की विकास यात्रा का मार्गदर्शन करते हैं। आपके नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार द्वारा जननायक कर्पूरी ठाकुर जी को 'भारत रत्न' दिया जाना दलितों, वंचितों और उपेक्षित तबकों के बीच में सकारात्मक भाव पैदा करता है।

हमारी हमेशा से यह कोशिश रही है कि बिहार को नई ऊँचाइयों पर ले जाया जाए और इसके गौरवशाली अतीत को पुनः स्थापित किया जाए। 24 नवंबर, 2005 को पहली बार एन०डी०ए० की सरकार बनी थी, तब से राज्य में कानून का राज है और न्याय के साथ विकास के सिद्धांत पर हर क्षेत्र और हर वर्ग के लिये काम किया गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरन्तर सुधार के साथ-साथ बिजली, सड़क, पुल-पुलियों एवं आधारभूत संरचनाओं का व्यापक विस्तार हुआ

है। कृषि के क्षेत्र में रोड मैप आधारित योजनाओं के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति हासिल की गई है। 'सात निश्चय' जैसी योजनाओं के माध्यम से हर घर बिजली, नल का जल, शौचालय तथा सड़क सम्पर्कता जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं, वहीं युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार और नौकरी के अवसर सृजित किए गए हैं। विकसित बिहार के संकल्प को पूरा करने के उद्देश्य से वर्ष 2025-30 के लिए सात निश्चय-3 के कार्यक्रम भी निर्धारित किये गये हैं जिनसे बिहार के विकास में और तेजी आयेगी तथा बिहार देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो जायेगा और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

सरकार ने समाज के हर वर्ग चाहे वे किसी भी धर्म या जाति से हों, सबके समग्र विकास को प्राथमिकता दी है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए पंचायतों एवं नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण और सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। जीविका स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया गया है, जिससे सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को नई दिशा मिली है। आपके द्वारा जीविका दीदियों से किये गये सीधे संवाद एवं केन्द्र सरकार की लखपति दीदी जैसी पहल से महिलाओं को आत्मबल मिला है।

बिहार के विकास में केन्द्र सरकार का लगातार सहयोग मिल रहा है। हाल ही में राज्य को विशेष आर्थिक सहायता के रूप में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन विकास, बाढ़ नियंत्रण, बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना, नए एयरपोर्ट के विकास तथा पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता जैसे अनेक महत्वपूर्ण घोषणायें की गई हैं। साथ ही, बिहार में खेलो इंडिया यूथ गेम्स, महिला एवं पुरूष एशियन हॉकी के आयोजन का अवसर मिला जो हमारे लिए गौरव की बात है। आप लगातार बिहार आते रहते हैं, जो बिहार के प्रति आपके विशेष लगाव को दर्शाता है।

आज बिहार के लोग देश-दुनिया के हर कोने में अपने परिश्रम और प्रतिभा के बल पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में आपने बिहारवासियों को पूरा सम्मान और अपनापन दिया, उनकी मेहनत को सराहा तथा उनको परिवार की तरह अपनाया। आज देश के प्रधानमंत्री के रूप में भी बिहार के प्रति आपका वही गहरा स्नेह, आदर और लगाव है। आपने बिहार दिवस के अवसर पर बिहारवासियों के लिए आत्मीय और स्नेहपूर्ण विचार प्रकट किये हैं जिसके लिए मैं पुनः आपके प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आपके मार्गदर्शन एवं सहयोग से बिहार के कर्मठ एवं प्रतिभाशाली लोग निश्चित रूप से राज्य और देश को नई ऊँचाइयों पर ले जायेंगे।

मुझे बहुत खुशी हो रही है कि आज देश के इतिहास में सरकार के प्रमुख के रूप में आपने सर्वाधिक समय तक राज्य एवं केन्द्र की जिम्मेवारियों को निभाया है और लोक सेवा का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई है।

मैं आपके स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

भवदीय,

नीतीश कुमार

(नीतीश कुमार)

श्री नरेन्द्र मोदी,
माननीय प्रधानमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

स्टॉल्स पर सुरक्षा का पाठ,

बिहार दिवस समारोह में विभिन्न विभागों के पवेलियन आकर्षण के केंद्र बने रहे। कहीं सड़क सुरक्षा थीम पर प्रतियोगिता आयोजित हुई तो कहीं लोककलाओं की जानकारियां दी गयी।

सहकारी समितियों की सफलता की कहानियां

सहकारिता विभाग के पवेलियन में विभिन्न सहकारी समितियों की सफलता की कहानियां दिखाई गयीं। वेजफेड के स्टॉल पर ग्रामीण मंडी और तरकारी आउटलेट का मॉडल था। बिहार राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के स्टॉल पर सहकारी बैंकिंग सेवाओं की जानकारी दी जा रही थी। मखाना वीटा, मखाना शिशु आहार मिल रहा था।

समाज कल्याण विभाग के पवेलियन में शी-बॉक्स

समाज कल्याण विभाग के पवेलियन में "उन्नत बिहार, उज्जवल बिहार" थीम के अनुरूप स्टॉल लगाये गए थे। पारंपरिक कला लहठी, हस्तकरघा, मिथिला पेंटिंग, एप्लिक, सुजनी कला, हस्तनिर्मित आभूषण, रेडिमेड परिधान , ब्लॉक प्रिंट तथा शी-बॉक्स परामर्श केंद्र ,पालना घर आदि स्टॉल लगे थे।

रूद्राक्ष, हुमाद और मसालों के पौधे बने आकर्षण का केंद्र

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के पवेलियन में औषधीय पौधों, मसालों के पौधे, सजावटी सामग्री और पक्षियों के लिए दाना पात्र आकर्षण के केंद्र बने रहे। 'नर्सरी स्टोर' पर रूद्राक्ष, चंदन के अलावा लौंग, तेजपत्ता, पान, सर्पगंधा, सतावर, तुलसी, पथरचट्टा, लेमनग्रास, दालचीनी, अजवाइन, धतूरा, लाल चंदन, सफेद चंदन, अगस्त, वासमती आदि के पौधे भी मौजूद थे।

बिहार दिवस पर पांच दिवसीय महिला नाट्य उत्सव

कला एवं संस्कृति विभाग तथा बिहार संगीत नाटक अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में बिहार दिवस के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय महिला नाट्य उत्सव का शुभारंभ मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा, सरकार राज्य की कला और संस्कृति को

लोक कलाओं की बारीकियां

कलाकारों ने किया कला का प्रदर्शन

कला एवं संस्कृति विभाग के पवेलियन में मधुबनी पेंटिंग और सिक्की कला के कलाकारों न केवल अपनी कला का प्रदर्शन किया, बल्कि लोगों को इसकी बारीकियां भी सिखाई। मधुबनी से आए कलाकार राम कुमार पंडित लोगों को मिट्टी से बर्तन और अन्य उपयोगी सामग्री बनाना सिखाया।

वर्चुअल सेल्फी प्वाइंट पर लोगों का हुजूम

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (आईपीआरडी) का पवेलियन आकर्षण का केंद्र बना। वर्चुअल सेल्फी पॉइंट पर आगंतुकों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ फोटो खिंचवाने का अवसर मिला। स्टॉल पर पुस्तक विक्रय केन्द्र भी लगाए गए थे, जहां बिहार समाचार पत्रिका का वितरण मुफ्त में किया गया।

बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना कलाकारों को सम्मान देने का एक प्रयास है।

बिहार संग्रहालय में 'चिड़िया' फिल्म का प्रदर्शन

बिहार संग्रहालय में 'चिड़िया' फिल्म का प्रदर्शन किया गया। स्माइली फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में सम्मानित किया गया है। बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम और बिहार संग्रहालय ने किया था। बिहार फिल्म निगम की महाप्रबंधक श्रीमती रूबी ने कहा, 'चिड़िया' जैसी फिल्में लक्ष्य की तरफ बढ़ने की प्रेरणा देती है।

बिहार पवेलियन में अभिनेता आशीष विद्यार्थी

कला एवं संस्कृति विभाग के पवेलियन में अभिनेता आशीष विद्यार्थी पहुंचे। उन्होंने बिहार की समृद्ध कला, संस्कृति एवं विरासत को प्रदर्शित करने वाली विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। उसका भरपूर आनंद लिया। उन्होंने पवेलियन में प्रदर्शित पारंपरिक कलाओं, हस्तशिल्प एवं आधुनिक तकनीक आधारित प्रस्तुतियों की सराहना की।

बिहारी व्यंजनों के 53 स्टाल लगाए गए

पर्यटन मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने पवेलियन का उद्घाटन किया। उन्होंने पवेलियन में मौजूद पर्यटन स्थलों की थ्री-डी प्रतिकृति का जायजा लिया। पुनौराधाम मंदिर, बुद्ध सम्यक दर्शन स्तूप, बापू टावर, जू व नेचर सफारी की प्रतिकृतियां लोगों का ध्यान खींच रही थी। बिहार पर्यटन विकास निगम की ओर से बिहारी व्यंजनों के 53 स्टॉल लगाए गये थे।

बिहार दिवस 2026
उन्नत बिहार - उज्ज्वल बिहार
UNNAT BIHAR-UJJWAL BIHAR

युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर

युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के स्टॉल का उद्घाटन माननीय मंत्री संजय सिंह एवं विभाग के सचिव डॉ. कौशल किशोर ने किया। इस

बिहार दिवस पर कला संस्कृति का पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र

कला एवं संस्कृति मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने विभागीय पवेलियन का उद्घाटन किया। 'सेलिब्रेटिंग प्राइड, हेरिटेज एंड कल्चर' की थीम पर आधारित इस पवेलियन में बिहार की समृद्ध कला, संस्कृति एवं विरासत को आकर्षक एवं आधुनिक रूप में प्रस्तुत किया गया, जो आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा।

युवाओं को रोजगार देने के लक्ष्य पर काम कर रहा गन्ना उद्योग विभाग

गन्ना उद्योग मंत्री श्री संजय कुमार ने विभागीय पेवेलियन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष तीन चीनी मिलों का शिल्यानास किया जाएगा। राज्य के किसानों का हित सर्वोपरि है। गन्ना मूल्य में 15 से 20 रुपये प्रति क्विंटल की दर से वृद्धि की गई। इसके अलावा राज्य सरकार किसानों को 10 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि दे रही है। वहीं, ईखायुक्त अनिल कुमार झा ने कहा कि राज्य में गुड़ बनाने वाली 10 यूनिट शुरू हो गई है।

अवसर पर बिहार कौशल विकास मिशन के अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी श्री हेमंत कुमार सिंह एवं मिशन निदेशक श्री मनीष शंकर सहित विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ईवी वाहन समय की मांग, प्रदूषण नियंत्रण में काफी लाभ

परिवहन विभाग के पवेलियन का माननीय मंत्री श्रवण कुमार ने उद्घाटन किया। दोपहिया और चारपहिया ईवी वाहनों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मंत्री ने कहा कि ईवी वाहन समय की मांग है। इससे प्रदूषण नियंत्रण में काफी सहायता होगी। राज्य में हरित क्षेत्र 9 प्रतिशत से बढ़कर 15 प्रतिशत हो गया है।

डिजिटल डिप्लोमे में दिखी विकास की झलक

ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा स्थापित पेवेलियन में सुदूर टोलों और बसावटों तक पहुंची पक्की सड़कों एवं नदियों पर बने पुलों को आकर्षक मॉडलों तथा डिजिटल डिस्प्ले के माध्यम से जनता के सामने रख गया है । इसका मुख्य आकर्षण वहां स्थापित 3-डी मॉडल रहा।

एससी-एसटी विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी

एससी-एसटी विभाग एवं बिहार महादलित विकास मिशन की प्रदर्शनी में विभाग की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी

गई। स्टॉल का उद्घाटन माननीय मंत्री लखेंद्र कुमार रौशन ने किया। उन्होंने “सामुदायिक भवन-सह-वर्कशेड मॉडल” की तारीफ की। डॉ. भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय की उपलब्धियों और उद्देश्य पर भी प्रकाश डाला।

एक ही मंच पर पारंपरिक कला, शिल्प, नवाचार एवं उद्यमियों ने साझा किए अपने अनुभव

उद्योग विभाग के पवेलियन राज्य की समृद्ध पारंपरिक कला, शिल्प, नवाचार एवं औद्योगिक प्रगति को एक ही मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। उद्योग मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने पवेलियन का उद्घाटन किया। विभाग के सचिव, कुंदन कुमार ने कारीगरों, उद्यमियों एवं स्टार्टअप प्रतिनिधियों से उनके अनुभव एवं सुझाव भी प्राप्त किए।

बाढ़, वज्रपात, भूकंप और अगलगी से बचाव की जानकारियां दी

आपदा प्रबंधन प्राधिकार के स्टॉल का प्रतिदिन 20,000 से अधिक लोगों ने इसका भ्रमण किया। ‘भूलभुलैया’ गतिविधि के जरिए बाढ़, वज्रपात, भूकंप, डूबने की घटनाओं से बचाव की जानकारी दी गई। झुग्गी-झोपड़ियों एवं पक्के मकानों में अगलगी से बचाव के मॉडल भी प्रदर्शित किए गए।

राज्य स्वास्थ्य समिति के कैंप में लोगों ने कराए जांच

राज्य स्वास्थ्य समिति की ओर से वृहद कैंप का आयोजन किया गया । कुल 17 स्टॉल के माध्यम से शिविर में पहुंचने वाले लोगों को अलग-अलग स्वास्थ्य जांच और परामर्श का लाभ दिया गया। करीब 700लोगों की आंख जांच के बाद उन्हें परामर्श दिया गया।

सड़क सुरक्षा पर पेंटिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को हेलमेट गिफ्ट

परिवहन विभाग के पवेलिएन में बच्चों ने अपनी पेंटिंग्स के माध्यम से हेलमेट के उपयोग, सीट बेल्ट पहनने, ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने, ओवरस्पीडिंग से बचने और जेब्रा क्रॉसिंग पर पैदल यात्रियों को प्राथमिकता देने जैसे विषयों को रचनात्मक रूप में दर्शाया। अपर सचिव कृत्यानंद रंजन ने विजेता बच्चों हेलमेट गिफ्ट किया।

आगंतुकों ने देखी ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफटॉप योजना

उधर, ऊर्जा विभाग के स्टॉल पर ‘आगंतुकों ने ग्रिड कनेक्टेड सोलर रूफटॉप योजना सहित विभिन्न विद्युत योजनाओं, नवीन तकनीकों एवं उपभोक्ता सुविधा के बारे में जानकारी ली। लोगों को रूफटॉप सोलर प्लांट, स्मार्ट मीटर, बिजली आपूर्ति में सुधार, मुख्यमंत्री कृषि विद्युत संबंध योजना, सुविधा एप, ऑनलाइन सेवाओं एवं योजनाओं से अवगत कराया गया

युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर विकसित बनेगा बिहार

उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार के संकल्प के साथ 114वां बिहार दिवस समारोह संपन्न हुआ। गांधी मैदान में तीन दिवसीय समारोह के समापन के मौके पर मुख्य अतिथि माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने आगामी वर्षों के लिए सरकार के रोडमैप पर चर्चा की। उन्होंने युवाओं लिए स्वरोजगार और तकनीक धारित गवर्नेंस को प्राथमिकता देने बात कही।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न विकास योजनाओं से उन्नत बिहार का सपना साकार होता नजर आ रहा है। बुनियादी ढांचे और औद्योगिक विकास में बिहार का छलांग गौरवान्वित करने वाला है। उपमुख्यमंत्री ने आगामी वर्षों के लिए सरकार के रोडमैप की चर्चा भी की। उन्होंने युवाओं के लिए स्वरोजगार और तकनीक आधारित गवर्नेंस को प्रथमिकता देने की बात कही। राज्य की विकास यात्रा का लेखा-जोखा पेश किया। समापन समारोह की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा मंत्री माननीय सुनील कुमार ने शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलाव की चर्चा की।

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. बी. राजेन्दर ने 'मॉडल स्कूल' और 'निपुण बिहार' की चर्चा की। बिहार दिवस समारोह के दौरान तीन दिनों तक राजधानी में गांधी मैदान, एसकेएम और रविंद्र भवन में भव्य कार्यक्रम आयोजित हुए। समारोह के अंतिम दिन मुख्य मंच पर सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक पपोन (अंगराग महंत) की रूहानी आवाज ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में पंडित रामजी मिश्रा का ध्रुपद गायन, योजना विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजय लक्ष्मी का भरतनाट्यम और डॉ. पाशा द्वारा प्रस्तुत 'मिरेकल ऑन व्हील्स' कार्यक्रम को लोगों ने सराहा। रविंद्र भवन में चंदन तिवारी के लोक गीत, 'बिहार दर्पण' नृत्य नाटिका और आलोक राज और अशोक कुमार प्रसाद की गजलों ने समां बांध दिया। देर शाम तक चले 'मुशायरा' में 12 दिग्गज शायरों ने अपनी रचनाओं से साहित्य की महक बिखेरी, जिससे पूरा वातावरण 'जय बिहार' के नारों और बिहार की गौरवशाली अस्मिता की गूंज से सराबोर हो गया।

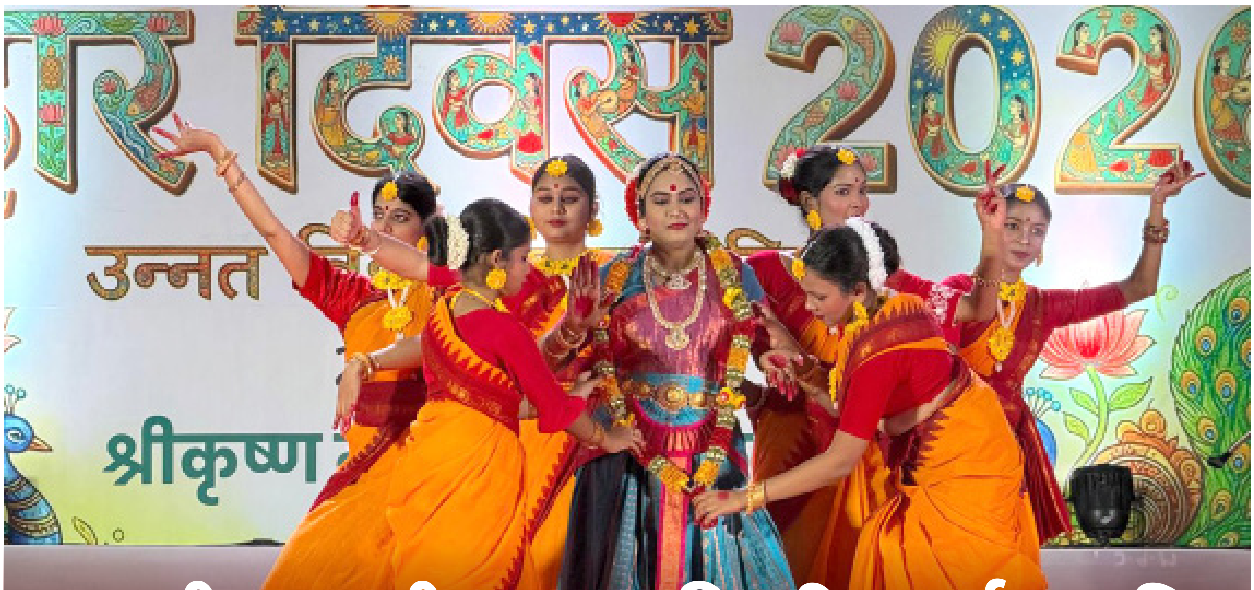

भारतीय शास्त्रीय कला की गरिमापूर्ण प्रस्तुति

बिहार दिवस के समापन समारोह के मौके पर श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन विजयलक्ष्मी की भरतनाट्यम प्रस्तुति आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। उनकी प्रस्तुति समां बांध दिया, जिसमें शक्ति, अराधना और देशभक्ति का अनोखा संगम देखने को मिला।

डॉ. विजयलक्ष्मी का व्यक्तित्व प्रशासनिक दक्षता और सांस्कृतिक प्रतिबद्धता का अद्वितीय उदाहरण है। बचपन से ही भरतनाट्यम के प्रति उनका गहरा रूझान रहा है, जिसे उन्होंने अपने व्यस्त प्रशासनिक दायित्वों के साथ निरंतर साधना के तौर पर बनाए रखा। विभिन्न मंचों पर उनकी प्रस्तुतियां भारतीय शास्त्रीय कला की गरिमा को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती रही हैं।

उन्होंने चैत्र नवरात्रि के इस पावन पर्व पर मां दुर्गा को समर्पित विशेष प्रस्तुति दी। उनकी एकल नृत्य प्रस्तुति श्री राजा राजेश्वरी अष्टकम पर आधारित थी, जिसकी रचना आदि शंकराचार्य ने की थी। इसके बाद अंबा स्तुति और मां दुर्गा स्तुति की भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने पूरे सभागार को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया। यह प्रस्तुति शक्ति उपासना और सांस्कृतिक समर्पण का अद्भुत संगम रहा, जिसे दर्शकों ने सराहा।

कार्यक्रम का आगाज वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विशेष समूह नृत्य की विशेष प्रस्तुति से हुआ। इसमें डॉ. विजयलक्ष्मी स्वयं भी सहभागी रहीं और साथी कलाकारों का मार्गदर्शन करते हुए उन्होंने अलग तरह की प्रस्तुति से सभी को सम्मोहित किया। इस आयोजन में केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप वंदे मातरम् के पूर्ण संस्करण के पाठ की प्रस्तुति की गई। इसका संपूर्ण ध्यान रखते हुए उन्होंने कला प्रेमी के साथ साथ एक अच्छे लोक सेवक का भी नायाब उदाहरण पेश किया।

उल्लेखनीय है कि डॉ. विजयलक्ष्मी पूर्व में भी बुद्ध महोत्सव, राजगीर महोत्सव, बिहार दिवस समारोह तथा अन्य राज्य स्तरीय सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियां दे चुकी हैं।

विशेष रूप से उन्होंने पिछले वर्ष बिहार दिवस के अवसर पर यशोधरा पर आधारित अपनी नृत्य प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया था।

बिहार दिवस 2026 की झलकियां

बिहार संग्रहालय

SHAKTI MT 225

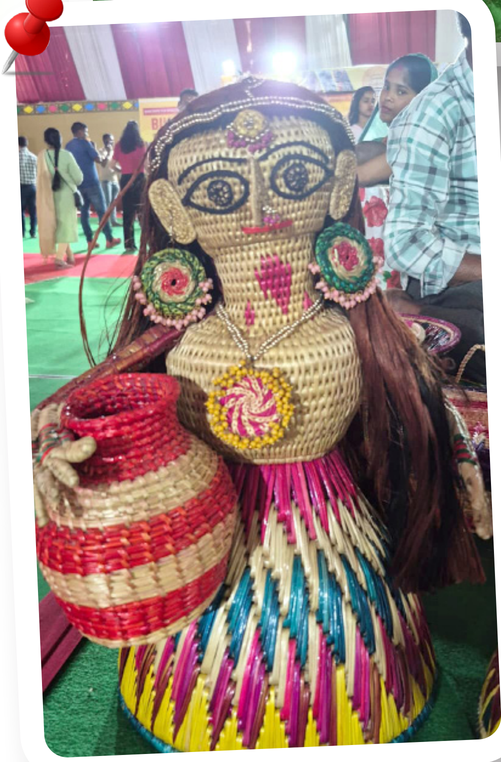

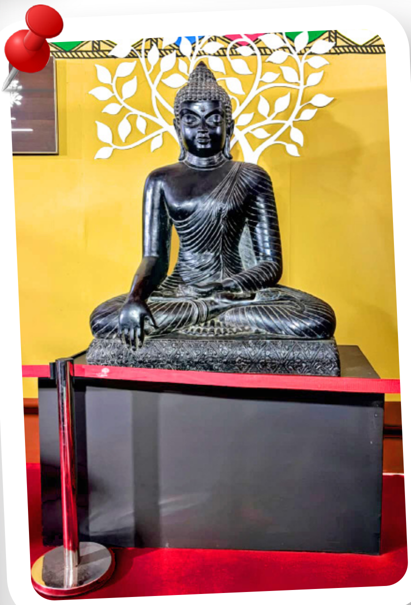

बापू टावर

नीतीश कुमार के नेतृत्व में

महिला सशक्तीकरण की अनवरत यात्रा

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास को अपनी नीति में प्राथमिकता से जगह दी।

बिहार के उन छोटे-छोटे गांवों की कल्पना कीजिए, जहां कभी महिलाएं घर की चाहरदीवारी में सिमटी रहती थीं। उनकी पढ़ाई का सपना अधूरा रह जाता था, आर्थिक निर्भरता का बोझ बढ़ जाता और समाज की परंपरा की जंजीरों में ऐसे जकड़ जाती थीं कि पूरा जीवन ही अंधेरे में डूब जाता था। लेकिन आज वही महिलाएं पंचायत की गद्दी पर बैठकर गांव का भविष्य तय कर रही हैं, पुलिस की वर्दी में अपराधियों में खौफ पैदा कर रही हैं, बाजारों में स्टॉल लगाकर परिवार का पालन-पोषण कर रही हैं। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के दृढ़ इरादे और दूरदर्शिता का नतीजा है। उनके नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास को अपनी नीति में प्राथमिकता से जगह दी। वर्ष 2006 में त्रि-स्तरीय पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर शुरू हुई यह क्रांति आज शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता, सामाजिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता तक फैल चुकी है। लाखों महिलाओं के चेहरों पर छाई मुस्कान, उनके मजबूत कदमों की थाप और आंखों में चमकता आत्मविश्वास ही इसकी सबसे बड़ी गवाही हैं। यह यात्रा न केवल आंकड़ों की, बल्कि असंख्य बदली हुई जिंदगियों की प्रेरक गाथा है।

सेवा के द्वार पर महिलाओं का विजय अभियान

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार में महिला सशक्तीकरण की महान यात्रा आरक्षण से शुरू हुई, जिसने बिहार की राजनीतिक, प्रशासनिक और सामाजिक संरचना को बदल कर रख दिया। 2006 में पंचायतों में 50% आरक्षण लागू होते ही ग्रामीण महिलाओं को सत्ता में असल हिस्सेदारी मिलनी शुरू हो गई। सोचिए, वह महिला जो कभी पंचायत सरकार के बाहर खड़ी होकर अपने अधिकार की बाट जोहती थी, आज मुखिया बनकर गांव की तस्वीर बदल रही है। सड़कों का निर्माण करवा रही है, स्कूलों में शिक्षकों की निगरानी सुनिश्चित कर रही है और स्वच्छ पानी की योजना पर मोहर लगा रही है। इन मुखियाओं ने गांवों की तस्वीर बदल दी। धूल भरी पगडंडियां पक्की सड़कें बनीं, टूटे स्कूल चमकदार हुए और स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाइयां पहुंचने लगीं। उसी वर्ष प्राथमिक

महिला उद्यमिता की ओर मजबूत पहल मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना

आर्थिक स्वावलंबन ही सच्ची स्वतंत्रता है और मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना इसका जीवंत प्रमाण बनी हुई है। 1 करोड़ 81 लाख महिलाओं को उनकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए 10 हजार रुपये प्रति लाभुक की दर से 18,100 करोड़ रुपये की प्रारंभिक सहायता दी गई है। आवश्यकतानुसार दो लाख रुपये तक की अतिरिक्त आर्थिक सहायता ने उनके सपनों को पर लगाने में मदद की है। यह राशि डीबीटी के जरिए सीधे लाभुकों के बैंक खातों में पहुंची, जिससे भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश ही नहीं बची। कल्पना कीजिए एक गरीब विधवा को अपने पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए पैसों की जरूरत थी। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत उसे 10 हजार रुपये की प्रारंभिक सहायता राशि मिली जिससे उसने सिलाई मशीन खरीदा और स्कूल यूनिफॉर्म सिलने लगी। सरकार की ओर से ही मार्केटिंग का प्रशिक्षण भी दिया गया और सामान को बेचने के लिए बाजार मुहैया कराया गया। इन प्रयासों से कारोबार बढ़ा और आज उसकी छोटी दुकान पर दो महिलाएं काम कर रही हैं। यानी एक तरफ यह योजना महिलाओं को अपने पसंद का रोजगार शुरू करने में मदद कर रही है तो वहीं, दूसरे लोगों के लिए रोजगार सृजन का माध्यम भी बन रही है। उद्यमिता की ऐसी हजारों कहानियां आज राष्ट्रीय स्तर पर बिहार का गौरव बढ़ा रही हैं।

बिहार सरकार की यह दूरदर्शी सोच वाली योजना गांव-गांव, टोले-टोले पहुंची है। नतीजतन सिर्फ आर्थिक मोर्चे पर ही नहीं, सामाजिक मोर्चे पर भी बड़ा बदलाव देखने मिल रहा है। पहले महिलाएं घर से बाहर निकलने में संकोच करती थीं, आज वे बाजार की चुनौतियों का डटकर मुकाबला कर रही हैं। बच्चों की स्कूल फीस समय पर भर रही हैं, दहेज की मांग को ठुकरा रही हैं और परिवार में फैसले ले रही हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक भी है। इस योजना ने लाखों परिवार को गरीबी के चक्रव्यूह से बाहर निकल में मदद की और बिहार की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई जान फूकी है।

शिक्षक नियुक्ति में 50% आरक्षण से कक्षाओं में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ी। आज ये शिक्षिकाएं न केवल अक्षर सिखा रही हैं, बल्कि लड़कियों को "तुम भी कुछ बन सकती हो" का मंत्र दे रही हैं।

2007 में नगर निकायों में 50% आरक्षण ने शहरी क्षेत्रों को महिला नेतृत्व से नवाजा। स्वच्छता अभियान से गलियां सजीं, पार्क हरे-भरे हुए और कचरा प्रबंधन व्यवस्थित हुआ। महिलाएं पार्षद बनकर शहरों की समस्याओं का समाधान कर रही हैं। फिर आया 2013 का स्वर्णिम मोड़ जब बिहार पुलिस में 35% आरक्षण के बाद राज्य ने महिला पुलिसकर्मियों की संख्या के मामले में देश में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया। वर्तमान में 30,000 से अधिक महिलाएं वर्दी में बिहार की रक्षा के लिए तत्पर हैं। ये बहादुर महिला पुलिसकर्मी न केवल अपराधों पर अंकुश लगा रही हैं, बल्कि पीड़ित महिलाओं को तुरंत न्याय दिला रही हैं। घरेलू हिंसा के मामलों में त्वरित कार्रवाई, महिला हेल्पलाइन का संचालन और रात्रिकालीन गश्त ने सुरक्षा का नया आयाम गढ़ा है। अन्य सभी सरकारी सेवाओं में 35% आरक्षण ने महिलाओं को हर विभाग में प्रवेश दिलाया। मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी से संबद्ध शैक्षणिक संस्थाओं के नामांकन में 33% आरक्षण ने लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोल दिए। एक ग्रामीण लड़की आज एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है, दूसरी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन ले चुकी है। आरक्षण ने पुराने व्यंग्यों जैसे 'मुखिया पति' को हमेशा के लिए नेस्तनाबूद कर दिया। महिलाएं अब स्वयं नेतृत्व संभाल रही हैं, फैसले ले रही हैं और समाज को नई दिशा दे रही हैं। यह क्रांति लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत कर रही है, जहां आधी आबादी की आवाज सबसे मुखर है। पंचायत से थाने तक, हर जगह महिलाओं की मुट्ठी में सत्ता है। बिहार का यह नया चेहरा आज विश्व पटल पर चमक रहा है।

महिला उद्यमी योजना का जादू, महिलाएं पेश कर रहीं उद्यमिता की मिसाल

छोटे व्यवसाय से आगे बढ़कर बड़े उद्योग की दुनिया में कदम बढ़ाने की चाहत रखने वाली महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना वरदान साबित हो रहा है। अपना उद्योग लगाने के लिए सरकार की ओर से 10 लाख रुपये तक की सहायता (5 लाख रुपये तक अनुदान एवं ₹5 लाख तक ब्याजमुक्त ऋण) उपलब्ध कराई जा

रही है। अब तक 8,973 महिला उद्यमियों को कुल 641.01 करोड़ रुपये की राशि वितरित हो चुकी है। सिर्फ आर्थिक सहायता देना ही इस योजना का लक्ष्य नहीं है। इसके तहत प्रशिक्षण शिविरों में कौशल सिखाया जाता है। फूड प्रोसेसिंग, हैंडलूम, बांस उत्पाद, एग्रो-बिजनेस में महिलाओं को ट्रेंड किया जाता है।

एक तरफ ब्याजमुक्त ऋण ने महिलाओं के मन से बैंकों के जटिल कागजों और ऊंची ब्याज दरों का डर मिटा दिया, तो वहीं अनुदान ने शुरुआती जोखिम को कम किया। आज मार्केट लिंकेज की सुविधा के कारण उत्पाद मेले-हाट, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और निर्यात तक पहुंच रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में मिनी-फैक्ट्री पनप रही हैं। डिजिटल मार्केटिंग की ट्रेनिंग से पैकेजिंग और ब्रांडिंग सुधरी है। यह केवल आंकड़े नहीं हैं यह महिलाओं के साहस, मेहनत और सफलता की अनगिनत कहानियां हैं।

संवरेंगी बेटियां तभी संवरेगा देश

पूरे भारत में पढ़ेंगी बेटियां तो बढ़ेंगी बेटियां नारे की गूंज है, लेकिन बिहार इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए संवरेंगी बेटियां तभी संवरेगा देश को यथार्थ में बदलने के लिए प्रयासरत है। यह अटल सत्य है कि शिक्षा ही सशक्तीकरण की असली चाबी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में इसके लिए कई कार्य भी हुए हैं, लेकिन बिहार सरकार सिर्फ शिक्षा ही नहीं बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई सहित सभी जरूरतों का ख्याल रखने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत विभिन्न चरणों में दी जाने वाली 94,100 रुपये की प्रोत्साहन राशि जन्म पर वर्दी-बैग से शुरू होकर स्नातक स्तर तक फीस और अन्य खर्च कवर करती है। इस योजना से कन्या भ्रूण हत्या के रोकथाम में बड़ी मदद मिली है।

फिर आती है मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना। सरकारी विद्यालयों में कक्षा 9वीं की छात्राओं को साइकिल के लिए 3 हजार रुपये का प्रावधान है और अब तक 1 करोड़ 3 लाख से अधिक छात्राओं को इसका लाभ मिल चुका है। बिहार सरकार की इस योजना की धूम सिर्फ राज्य या राष्ट्रीय स्तर तक ही नहीं है, वैश्विक मंचों पर भी है। इसकी सफलता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने जांबिया और माली जैसे देशों में इसे लागू करने की बात कही है।

जीविका: ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भर क्रांति की नींव

जीविका महिला सशक्तीकरण की असली रीढ़ है, जो ग्रामीण भारत को नई ताकत दे रही है। राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 11 लाख 5 हजार से अधिक तथा शहरी क्षेत्रों में 77 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों का गठन हुआ है। इनसे जुड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में 1 करोड़ 69 लाख से अधिक तथा शहरी क्षेत्रों में 10 लाख 78 हजार से अधिक महिलाएं जीविका दीदियां बनीं, और उनके परिवार स्वावलंबी हो गए है। यह आंकड़े देश की जनसंख्या के हिसाब से भले ही कम लगें, लेकिन इसका प्रभाव व्यापक है। बिहार के जीविका मॉडल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की पूरी तस्वीर ही बदल दी है। इस पहल से महिला आत्मनिर्भर होने के साथ रोजगार सृजन का भी माध्यम बन गई हैं।

इन सभी योजनाओं ने आंकड़ों से आगे बढ़कर लाखों जिंदगियां संवारी हैं। आरक्षण से नेतृत्व, रोजगार से आजादी, शिक्षा से ज्ञान, जीविका से समृद्धि, बिहार अब नया रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का विजन 'सशक्त महिला, समृद्ध बिहार' साकार हो रहा।

सिविल सेवा के सुनहरे सपने को लगे पंख

देश की उच्चतम सेवाओं में प्रवेश का सपना साकार करने वाली सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना बिहार की युवा बेटियों का सबसे बड़ा मार्गदर्शक तारा है। महिला अभ्यर्थियों के यूपीएससी एवं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण होने पर क्रमशः 1 लाख एवं 50,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। कोचिंग सेंटर्स में तनावग्रस्त लड़कियों को यह राशि किताबें, कोचिंग फीस और रहने-खाने का बोझ हल्का करती है।

इस योजना से एक गरीब परिवार की बेटी आज आईएएस अधिकारी बन रही है। इस योजना ने प्रतियोगी परीक्षाओं में लिंग असमानता को मिटा दिया है। लड़कियों की सफलता दर बढ़ी है। कोचिंग सेंटर्स में भी उनकी संख्या दोगुनी हो गई है। इस योजना से बिहार को प्रशासनिक नेतृत्व मिला है, राष्ट्र निर्माण में महिलाओं का योगदान बढ़ा है। यह योजना महत्वाकांक्षा को जन्म दे रही है। ग्रामीण बेटियों को दिल्ली के गलियारों तक पहुंचा रही है।

महिला सशक्तीकरण
आधी आबादी को पूरा हक
महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध बिहार सरकार
आरक्षण से शुरू हुई क्रांति
पंचायतों में 50% आरक्षण (2006)
नगर निकायों में 50% आरक्षण (2007)
प्राथमिक शिक्षक नियुक्ति में 50% आरक्षण (2006)
बिहार पुलिस में 35% आरक्षण (2013), महिला पुलिसकर्मियों की संख्या के मामले में बिहार देश में नंबर 1 (वर्तमान में 30,000 से अधिक महिलायें कार्यरत)
अब सभी सरकारी सेवाओं में 35% आरक्षण
मेडिकल, इंजीनियरिंग एवं स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी से सम्बद्ध शैक्षणिक संस्थाओं के नामांकन में 33% आरक्षण
मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना
बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिये सभी जरूरतों पर ध्यान
विभिन्न चरणों में दी जाती है ₹94,100 की प्रोत्साहन राशि
मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना
सरकारी विद्यालयों में कक्षा 9वीं में पढ़ने वाली छात्राओं को साइकिल के लिये ₹3 हजार का प्रावधान
अब तक 1 करोड़ 3 लाख से अधिक छात्राओं को ₹2749 करोड़ 32 लाख की राशि वितरित
मुख्यमंत्री बालिका पोशाक योजना
कक्षा 1 से 12 तक की छात्राओं को पोशाक के लिये ₹600 से ₹1500 का प्रावधान
अब तक 4 करोड़ 22 लाख से अधिक छात्राओं के बीच ₹4,201 करोड़ 57 लाख की राशि वितरित
मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना
1 करोड़ 81 लाख महिलाओं को उनकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिये ₹10 हजार प्रति लाभुक की दर से मिली ₹18,100 करोड़ की प्रारंभिक सहायता।
आवश्यकतानुसार ₹2 लाख तक की अतिरिक्त आर्थिक सहायता।
सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना
महिला अभ्यर्थियों के यूपीएससी एवं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण होने पर क्रमशः ₹1 लाख एवं ₹50,000 प्रोत्साहन राशि
अब तक यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण 128 एवं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में उत्तीर्ण 4108 छात्रायें लाभान्वित
मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना
मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत अपना उद्योग लगाने हेतु अधिकतम ₹10 लाख तक की सहायता (₹5 लाख तक अनुदान एवं ₹5 लाख तक ब्याजमुक्त ऋण)। अब तक 8,973 महिला उद्यमियों को कुल ₹841.01 करोड़ की राशि वितरित
सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना
सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना (वृद्धजन, विधवा एवं दिव्यांगजन) के अंतर्गत अब ₹400 से बढ़ाकर सीधे मिल रही है ₹1,100 मासिक पेंशन
जीविका: महिला सशक्तीकरण की नींव
राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के 11 लाख 5 हजार से अधिक तथा शहरी क्षेत्रों में 77 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों का हुआ गठन, जिनसे जुड़कर ग्रामीण क्षेत्रों में 1 करोड़ 69 लाख से अधिक तथा शहरी क्षेत्रों के 10 लाख 78 हजार से अधिक महिलायें बनीं जीविका दीदियां एवं उनके परिवार बने स्वावलम्बी
मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना
बी.पी.एल अथवा ₹60 हजार वार्षिक से कम आय वाले परिवार की कन्या के विवाह पर ₹5 हजार की सहायता
अब तक 22 लाख 72 हजार से अधिक लाभुकों को 1137 करोड़ 89 लाख की राशि वितरित
बाल विवाह एवं दहेज जैसी कुप्रथा से मुक्ति के लिये राज्य सरकार का व्यापक समाज सुधार अभियान।
राज्य की महिलाओं के अनुरोध पर वर्ष 2016 से राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू।
सुंदर एवं खुशहाल परिवार तथा समाज के निर्माण के लिये राज्य सरकार की अभिनव पहल
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 की हार्दिक शुभकामनायें !

महिला सशक्तीकरण का गुलाबी सफर

छह अनुसूचित जाति की युवतियों के हाथ में पिंक बस की चाबी

बिहार में महिला सशक्तीकरण की यात्रा माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एक क्रांतिकारी मोड़ ले चुकी है।

जब 2005 में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार सत्ता में आए, तब बिहार महिलाओं के पिछड़ापन, महिलाओं में असुरक्षा बोध और आर्थिक रूप से पराश्रित महिलाओं के प्रदेश के तौर पर जाना जाता था। लेकिन श्री नीतीश कुमार ने 'महिला उत्थान' को अपनी सरकार का मूल मंत्र बनाया। पिंक बस सेवा का विस्तार इसका ताजा उदाहरण है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (बीएसआरटीसी) द्वारा संचालित 100 पिंक बसें पहले से ही महिला कंडक्टरों द्वारा संचालित हैं, जो महिलाओं को सुरक्षित यात्रा प्रदान कर रही हैं। अब ड्राइविंग सीट पर भी महिलाओं को बिठाने का निर्णय महिलाओं की सुरक्षा को दोहरा कवच प्रदान करता है।

माननीय परिवहन मंत्री श्री श्रवण कुमार ने 14 फरवरी को आरती कुमारी, रागिनी कुमारी, अनीता कुमारी, सरस्वती कुमारी, गायत्री कुमारी और बेबी कुमारी, इन 6 अनुसूचित जाति की महिलाओं का नियोजन किया। ये सभी हेवी मोटर व्हीकल (एचएमवी) लाइसेंस धारक हैं और औरंगाबाद आईडीटीआर में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया । इन सभी छह महिलाओं को 2023 में लाइट मोटर व्हीकल (एलएमवी) लाइसेंस और 2024 में हेवी मोटर व्हीकल (एचएमवी) लाइसेंस प्राप्त हुए। उन्होंने दो सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लिया और वे बीएसआरटीसी में पहली महिला बस ड्राइवर बन गई हैं। इनके अलावा 13 अन्य महिलाएं भी प्रशिक्षणरत हैं। यह कदम न केवल रोजगार सृजन का माध्यम है, बल्कि सामाजिक रूढ़ियों को तोड़ने का हथियार भी है। नीतीश कुमार की नीतियां हमेशा सबसे कमजोर वर्ग महादलित महिलाओं को फोकस करती रही हैं।

महिलाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का प्रतीक

पिंक बस सेवा की शुरुआत ही नीतीश कुमार सरकार की दूरदर्शिता का नमूना है। पटना जैसे शहरों में महिलाओं के लिए सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन की कमी लंबे समय से एक बड़ी समस्या थी। 2025 में शुरू हुई यह सेवा महिलाओं को दिन-रात सुरक्षित यात्रा का आश्वासन देती है। जीपीएस ट्रैकिंग, सीसीटीवी और महिला कंडक्टरों की तैनाती से यह सेवा आदर्श बनी। अब ड्राइविंग सीट पर महिलाओं को बिठाने से यह पूरी तरह महिला केंद्रित हो

जाएगी। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये महिलाएं पटना की सड़कों पर स्टीयरिंग संभालती नजर आएंगी। राजेंद्र नगर, पटना की रहने वाली 38 वर्षीय मनीषा रानी बताती हैं कि वह पीएचडी की पढ़ाई करने हर दिन पिंक बस से कॉलेज तक सफर करती हैं। इस बस में वह सुरक्षित महसूस करती हैं। पहले बस की भीड़ में उन्हें असुरक्षित महसूस होता था। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के इस कदम के लिए वह आभार व्यक्त करती हैं। इसी तरह दूसरी महिला यात्री शिप्रा रंजन बताती हैं कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के लिए बहुत काम किया है। आज उनकी वजह से हम महिलाओं की अपनी सवारी है, जिसकी कमान भी महिलाओं के हाथ में है।

यह सेवा केवल परिवहन तक सीमित नहीं है। यह महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाती है। प्रत्येक चालक को अच्छा वेतन, भत्ता और सामाजिक सम्मान मिलेगा। आरती कुमारी ने कहा, "महिलाओं के लिए कुछ भी नामुमकिन नहीं।" उनके माता-पिता का साथ और नीतीश सरकार का प्रशिक्षण उन्हें आगे बढ़ा रहा है। रागिनी कुमारी बताती हैं कि वह पढ़ाई जारी रखेंगी जबकि सरस्वती कुमारी घर बनाने का सपना संजो रही हैं।

लड़कियां क्या ही कर लेंगी से 'कर ही लेंगी' तक का सफर

इन छह महिला चालकों ने बताया कि शुरुआत करना हमारे लिए बहुत मुश्किल भरा था। आसपास के लोग, रिश्तेदार सभी कहते थे कि लड़की है, बस नहीं चला पाएगी। भारी गाड़ी चलाना लड़कियों के बस की बात नहीं, ये तो सिर्फ लड़के ही कर सकते हैं। लेकिन आज माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व और हमारे आत्मविश्वास के कारण हमने करके दिखा दिया। हमारी सफलता की चाबी ने नकारात्मक बोलने वालों के मुंह पर ताला लगा दिया। इन महिला चालकों का कहना है कि घर की चारदीवारी से निकलकर अगर हमें भविष्य बनाने को प्रेरित किया है, तो वह मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार की नीतियों का व्यापक प्रभाव

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने महिला सशक्तीकरण को बहुआयामी रूप दिया है। 50% आरक्षण से विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी। साइकिल योजना से लाभान्वित लड़कियां आज कन्या उत्थान योजना का लाभ ले रही हैं। महिला थाने, महिला हेल्पलाइन और जीरो टॉलरेंस नीति से अपराध दर घटी है। परिवहन क्षेत्र में पिंक बस के अलावा ई-रिक्शा योजना ने हजारों महिलाओं को स्वरोजगार दिया है। गौरतलब है कि आर्थिक सर्वेक्षण 2025 के अनुसार, बिहार में महिला श्रम बल की भागीदारी बढ़ी है। अनुसूचित जाति की महिलाओं के लिए आरक्षण ने उन्हें मुख्यधारा में लाया। ये आंकड़े साबित करते हैं कि नीतीश कुमार की नीतियां कागजी नहीं, बल्कि जमीनी हैं। पिंक बस चालक नियोजन इसी निरंतरता का हिस्सा है।

नीतीश कुमार जी की महिलाओं के लिए बनाई गई नीतियां और योजनाएं हैं। ये बयान नीतीश कुमार की नीतियों की सफलता की गवाही देते हैं, जो महिलाओं को न केवल नौकरी देती हैं, बल्कि आत्मविश्वास भी जागृत करती हैं।

नीतीश कुमार ने महिलाओं को खुलकर जीना सिखाया

बस चलाना 'पुरुषों का काम' माना जाता था। सरस्वती कुमारी और गायत्री कुमारी बताती हैं कि उन्होंने ससुराल वालों को मनाया। कई लोगों ने गायत्री को ताने मारे। लेकिन नीतीश सरकार द्वारा दिए गए अवसर के कारण ही वे आज इस मुकाम पर पहुंची हैं। वे कहती हैं कि यह निर्णय सामाजिक परिवर्तन लाएगा। बच्चियां अब स्टीयरिंग संभालने का सपना देखेंगी। रोजगार से परिवार मजबूत होंगे, घर बनेंगे, पढ़ाई होगी। यह महिला सशक्तीकरण की श्रृंखला है शिक्षा से रोजगार, रोजगार से आत्मनिर्भरता।

पिंक बसें ईको-फ्रेंडली हैं

पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह सराहनीय है। पिंक बसें सीएनजी आधारित हैं, जो प्रदूषण कम करती हैं। श्री नीतीश कुमार की हरित परिवहन नीति का हिस्सा। 2025 विधानसभा चुनावों में महिला वोटरों का 52% हिस्सा रहा, जो नीतीश कुमार की लोकप्रियता का प्रमाण है।

रोजगार, सुरक्षा, सम्मान को मिला लाभ

आरती का आत्मविश्वास, रागिनी की पढ़ाई, सरस्वती का घर का सपना । ये नीतीश कुमार की नीतियों की जीत हैं। बिहार अब महिलाओं के लिए अवसरों का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की नीतियों ने बिहार को बदल दिया है। पिंक बस चालक नियोजन महिलाओं को सड़कों की रानी बनाने का कदम है। यह रोजगार, सुरक्षा और सम्मान को तिगुना लाभ देगा। बिहार की 6 महिला चालक नई पीढ़ी के लिए मिसाल बनेंगी।

बिहार की बेटियां
शिक्षा के आकाश में भर रहीं उड़ान

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व में बिहार की बेटियां स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उड़ान भर रही हैं। उनकी महिला सशक्तीकरण नीतियों ने मैट्रिक-इंटर से शिक्षण पेशे तक में बेटियों को स्थापित कर दिया है।

बिहार में स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में बेटियां उड़ान भर रही हैं। मैट्रिक और इंटरमीडिएट की पढ़ाई में लड़कों को पीछे छोड़ चुकी बेटियों का दबदबा अब सरकारी विद्यालयों में शिक्षण कार्य में भी बढ़ गया है। प्रारंभिक विद्यालयों में पचास प्रतिशत से अधिक शिक्षक आधी आबादी यानी महिलाओं की है। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षण कार्य में भी बेटियों की हिस्सेदारी बढ़ गई है। स्कूली शिक्षा प्राप्त करने में लड़कियां लड़कों से आगे निकल चुकी हैं। शिक्षा विभाग की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है।

संख्या और सफलता का दबदबा

बिहार बोर्ड ने यह रिपोर्ट शिक्षा विभाग को सौंपी है। रिपोर्ट में दर्ज आंकड़े के मुताबिक मैट्रिक एवं इंटरमीडिएट की पढ़ाई में संख्या के लिहाज से लड़कियों ने लड़कों को पीछे छोड़ दिया है। इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा में लड़कों की तुलना में 58,761 ज्यादा लड़कियां शामिल हुईं। इस परीक्षा में 15,12,687 परीक्षार्थी शामिल हुए हैं। इनमें 7,85,726 लड़कियां जबकि लड़कों की संख्या 7,26,961 है। इसी प्रकार बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की इंटरमीडिएट परीक्षा में भी लड़कों की तुलना में 33,842 ज्यादा लड़कियां शामिल हुई हैं। इंटर परीक्षा में कुल 13,17,846 परीक्षार्थी शामिल हुए हैं उनमें 6,75,844 लड़कियां हैं, जबकि लड़कों की संख्या 6,42,002 है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि स्कूली शिक्षा के स्तर पर पढ़ाई के मामले में लड़कियों की उड़ान भरने के पीछे राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं हैं।

उच्च शिक्षा: लड़कियों की बढ़त

बिहार में उच्च शिक्षा में कुल विद्यार्थियों की संख्या 26 लाख 68 हजार 8 सौ 74 है। सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें लड़कियों की संख्या लड़कों की संख्या से ज्यादा है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहीं छात्राओं की संख्या 13 लाख 76 हजार पांच सौ 86 है जबकि छात्रों की कुल संख्या 12 लाख 92 हजार 2 सौ 88 है। बोर्ड परीक्षाओं में भी लड़कियां आगे हैं। 10वीं में 7.85 लाख लड़कियां हैं तो 7.27

नीतीश सरकार की योजनाओं ने लगाए पंख

पहली से 12वीं कक्षा तक की लड़कियों के लिए चल रही पोशाक योजना, नौवीं कक्षा में चल रही साइकिल योजना एवं प्रोत्साहन योजना से मानो लड़कियों को पंख लग गए हैं। पंचायत स्तर पर उच्च माध्यमिक विद्यालय को खोले जाने से लड़कियों को इंटरमीडिएट तक की पढ़ाई पूरी करने में मदद मिल रही है। इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने पर अविवाहित बेटियों को 25 हजार रुपये मिल रहे हैं। स्नातक की परीक्षा पास होने पर बेटियों को 50 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। अब प्रखंड स्तर पर खुलने वाले डिग्री कालेजों को खोले जाने और एक जुलाई से स्नातक की पढ़ाई शुरू होने वाली है। इससे भी लड़कियों को उच्च शिक्षा हासिल करने में मदद मिलेगी। शिक्षा विभाग के मुताबिक राज्य के प्रारंभिक विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति में 50 प्रतिशत महिला शिक्षकों को आरक्षण मिला है। लिहाजा महिला शिक्षकों का शिक्षण कार्य में दबदबा है। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों में 35 प्रतिशत महिला शिक्षिका हैं। शिक्षक बनने के लिए डीईएलएड एवं बीएड की पढ़ाई में भी लड़कियों का दबदबा बढ़ा है।

लाख लड़के हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि बिहार में लड़कियों की शिक्षा को लेकर राज्य की नीतीश सरकार कितना प्रतिबद्ध है।

जन्म से स्नातक तक साथ

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा है कि लड़कियों की शिक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा कई काम किए हैं। कन्या उत्थान योजना के तहत राज्य में बेटी के जन्म से लेकर उनके स्नातक तक की शिक्षा के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। बेटी के जन्म पर उनके माता-पिता को दो हजार रुपए, बेटी की उम्र एक वर्ष पूरा होने पर आधार निबंधन के बाद माता-पिता को एक हजार रुपए तथा बच्ची की उम्र दो वर्ष पूरा होने पर वैक्सीनेशन के लिए माता-पिता को दो हजार रुपए दिए जाते हैं। इस प्रकार से बेटी के जन्म से लेकर उनके दो वर्ष की उम्र तक हर माता-पिता को 5 हजार रुपए दिए जाते हैं।

इसके बाद जब बच्ची आंगनबाड़ी केंद्र या विद्यालय जाना शुरू करती है, तो उसके पोषण का भी उचित ध्यान रखा जाता है। बेटियों के पोषाहार तथा पोशाक के लिए राशि दी जाती है। पहली कक्षा से ही बेटियों को पोशाक राशि के लिए पैसे तथा मुफ्त में किताबें दी जाती हैं।

लड़कियों को 9वीं कक्षा से साइकिल खरीदने के लिए 3 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही बेटियों की शिक्षा के लिए प्रत्येक पंचायत में 10+2 उच्च विद्यालयों का निर्माण कराया गया है, ताकि बेटियां अपने घर से नजदीक पढ़ाई कर सकें।

मैट्रिक पास करने पर उन्हें 10 हजार रुपए, इंटर की परीक्षा पास करने पर 25 हजार रुपए और स्नातक पास बेटियों को आगे की पढ़ाई के लिए 50 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। इस प्रकार से राज्य में बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई पूरी होने तक कुल 94,100 रुपए दिए जा रहे हैं। इन सभी योजनाओं के कारण बेटियों की शिक्षा स्तर में व्यापक बदलाव आया है और उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

इंटर 2026 परिणाम: बेटियों का जलवा

हाल ही में जारी बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट 2026 के नतीजों में टॉपर्स की सूची में 26 में से 19 लड़कियां शामिल हैं। इस वर्ष कुल 85.19 प्रतिशत छात्र सफल हुए हैं। इस बार भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। लड़कियों का पास प्रतिशत 86.23 प्रतिशत रहा, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 84.09 प्रतिशत दर्ज किया गया। आर्ट्स स्ट्रीम में गया की निशु कुमारी ने 479 अंक (95.8 प्रतिशत) हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, साइंस स्ट्रीम में समस्तीपुर के आदित्य प्रकाश अमन ने 481 अंक (96.20 प्रतिशत) के साथ टॉप किया। इस श्रेणी में साक्षी कुमारी 479 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। कॉमर्स स्ट्रीम में अदिति कुमारी ने 480 अंकों के साथ टॉप किया, जबकि माही कुमारी 476 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। ये आंकड़े निरंतरता में बिहार की बेटियों की प्रगति की कहानी बुनते हैं।

आर्ट्स टॉपर्स

निशु कुमारी, गया - 95.8%
सिद्धि शिक्षा, सीतामढ़ी - 95.6%
चंद्रदीप कुमार, लखीसराय - 95.6%
मो लकी अंसारी, पूर्णिया - 95.6%
नसरीन प्रवीण, पश्चिम चंपारण - 95.4%
साजिया अंसारी, नालंदा - 95.4%
निशु कुमारी, दरभंगा - 95.4%
आदर्श, सहरसा - 95.4%
अमृता कुमारी, सीवान - 95.2%
स्वीटी कुमारी, दरभंगा - 95.2%
बीबी असराना, अररिया - 95%
रोशनी कुमारी, सारण - 95%
मनीष कुमार, दरभंगा - 95%

साइंस टॉपर्स

आदित्य प्रकाश अमन, समस्तीपुर - 96.2%
साक्षी कुमारी, सीतामढ़ी - 95.8%
सपना कुमारी, नवादा - 95.8%
अनामिका कुमारी, बेगूसराय - 95.6%
सत्यम कुमार, दरभंगा - 95.2%
पलक कुमारी, मुजफ्फरपुर - 95%

कॉमर्स टॉपर्स

अदिति कुमारी, पटना - 96%
माही कुमारी, पटना - 95.2%
निशिका श्री, पटना - 95%
मानवी कुमारी, वैशाली - 94.8%
श्रेया कुमारी, नवादा - 94.8%
वरिशा नौषाद, पटना - 94.4%

नीतीश सरकार में महिला नेतृत्व

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का शुरू से ही सपना रहा है कि राज्य की महिलाएं सशक्त और सामाजिक बदलाव की अग्रदूत बनें।

बिहार की महिलाएं आज चौपालों और पंचायत भवनों से लेकर सरकार तक अपनी आवाज बुलंद कर रही हैं। यह बदलाव आकस्मिक नहीं है, बल्कि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के लंबे समय से चले आ रहे संकल्प का परिणाम है। उनके इस संकल्प को साकार करने में पंचायती राज विभाग की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। राज्य सरकार का पंचायती राज विभाग समाज के अंतिम तबके की अंतिम महिला को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

महिला आरक्षण और आदर्श महिला हितैषी पंचायतें

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में महिला सशक्तीकरण की दिशा में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। वर्ष 2006 में त्रिस्तरीय पंचायती राज संस्थाओं एवं 2007 में नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय इस दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ है। इसके फलस्वरूप आज बिहार की पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है। आंकड़ों के अनुसार राज्य की 50 प्रतिशत से अधिक ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। यह सिर्फ सांख्यिकी नहीं, बल्कि नीतीश कुमार की नीतियों की गहराई है। राज्य में आदर्श महिला हितैषी ग्राम पंचायतें विकसित करने के लिए

सशक्त पंचायत–नेत्री अभियान और राष्ट्रीय सम्मान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 के उपलक्ष्य में 4–5 मार्च को नई दिल्ली में “सशक्त पंचायत–नेत्री अभियान” की शुरुआत की गई, जिसमें बिहार की महिला पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 11 मार्च 2026 को पंचायती राज मंत्रालय ने इस अभियान के एक साल पूरे होने पर नई दिल्ली में चुनी हुई महिला प्रतिनिधियों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में माननीय केंद्रीय पंचायतीराज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने 24 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से एक-एक उत्कृष्ट महिला पंचायत लीडर को ग्रामीण शासन में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया। इसमें बिहार से सारण जिले के तरैया प्रखंड की डेवढ़ी ग्राम पंचायत की मुखिया श्रीमती प्रियंका सिंह को भी सम्मानित किया गया। प्रियंका सिंह को उनके द्वारा महिला हितैषी ग्राम पंचायत निर्माण की दिशा में किए गए उत्कृष्ट कार्य, ग्राम पंचायत में महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य व आर्थिक सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के लिए यह सम्मान मिला। डेवढ़ी ग्राम पंचायत में महिलाओं और लड़कियों की स्वास्थ्य और सुरक्षा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए एक सुरक्षित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया है। महिलाओं के लिए विशेष ‘पिंक टॉयलेट’ की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें सैनिटरी वेंडिंग मशीन और इंसिनरेटर लगे हैं, जिससे मेंस्ट्रुअल पीरियड्स हाइजीन मैनेजमेंट में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इससे गांव की युवतियों को शर्मिंदगी से मुक्ति मिली है और स्कूल जाने में आने वाली बाधाएं टूटी हैं। पंचायत में जीविका (स्वयं सहायता समूह नेटवर्क) के साथ मजबूत समन्वय स्थापित किया गया है। नियमित मॉनिटरिंग के जरिये अधिक से अधिक महिलाओं को सक्रिय व आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित हेल्थ कैंप और जागरूकता अभियान जारी हैं। इसके अलावा बच्चों के लिए योगा पार्क बनाया गया है, जहां योग, व्यायाम और मनोरंजन की विभिन्न गतिविधियां संचालित होती हैं। यह पंचायत नीतीश कुमार की महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य और आर्थिक नीतियों की जीवंत मिसाल है।

चयनित 38 ग्राम पंचायतों में से 29 की कमान महिला जनप्रतिनिधियों के हाथों में है। महिला जनप्रतिनिधियों को केवल अधिकार नहीं दिए गए, बल्कि उन्हें सक्षम नेतृत्वकर्ता बनाने हेतु निरंतर प्रशिक्षण और एक्सपोजर कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। उन्हें ई-ग्राम स्वराज पोर्टल, वित्तीय प्रबंधन, प्रशासनिक प्रक्रियाएं और सामाजिक नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है। इन पंचायतों में हेल्पलाइन नंबर, महिला परामर्श केंद्र और कानूनी सहायता सुविधाएं चालू की गई हैं, जो महिलाओं को आत्मविश्वास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता दोनों देती हैं।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार में महिला नेतृत्व

वर्ष 2024 में बिहार की तीन ग्राम पंचायतों (जजुआर मिडिल, पुनहाड़ा और परथु) को विभिन्न श्रेणियों में दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार (राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2024) में तृतीय स्थान

सबसे कम उम्र की मुखिया

महिला सशक्तिकरण के इस नये युग में बिहार की ग्रामीण दुनिया में नेतृत्व की बागडोर महिला मुखियाओं के हाथों में है। इनमें गया जिले की गरारी पंचायत की मुखिया पूजा कुमारी जो महज 25 वर्ष की हैं। पूजा बताती हैं कि शुरू के दिन काफी कठिन थे। जब वह पहली बार चुनाव में उतरीं, तो कुछ लोग नकारात्मक बातें करते, गाली तक देते थे। लेकिन जैसे-जैसे उन्होंने गांव में सड़क, पानी, शिक्षा और नशा निषेध जैसे मुद्दों पर ठोस काम शुरू किया, तो वही लोग उनकी जय-जयकार करने लगे। वह माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का धन्यवाद करती हैं, जिन्होंने महिलाओं को घर की चारदीवारी से निकालकर गांव और समाज के लिए फैसले लेने लायक बनाया। उनकी नीतियों ने उन्हें इतना आत्मविश्वास दिया कि वे आज एक युवा मुखिया के रूप में दो बार चुनी जा चुकी हैं। पूजा ने गरारी को एक मॉडल वूमेन फ्रेंडली पंचायत बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। मनरेगा और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा। इससे उनकी आत्मनिर्भरता बढ़ी और घरेलू हिंसा की घटनाओं पर अंकुश लगा। गांव में महिला आमसभा की शुरुआत कर उन्होंने महिलाओं को खुलकर बोलने का अधिकार दिया, जिससे पंचायत के निर्णयों में उनकी सीधी भागीदारी बढ़ी। स्कूलों की चारदीवारी, पुस्तकालय, नल-जल और नशा निषेध जैसे अभियान उनकी दूरदर्शी सोच के प्रतीक हैं।

प्राप्त करने पर राष्ट्रपति ने पुरस्कृत किया था। इनमें से दो पंचायतों (पुनहाड़ा, जहानाबाद और परथु, नालंदा) का नेतृत्व महिला मुखिया निभा कुमारी और तृप्ति कुमारी के हाथों में है। राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस-2025 के अवसर पर मधुबनी जिले की उत्तर लोहना ग्राम पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में समस्तीपुर जिले की मोतीपुर ग्राम पंचायत को "क्लाइमेट एक्शन विशेष पंचायत पुरस्कार-2025" में तृतीय स्थान प्राप्त करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सम्मानित किया। इस ग्राम पंचायत का नेतृत्व प्रेमा देवी के हाथों में है।

भोजपुर की 'पैड वाली मुखिया'

कोरोना काल में जब देशभर में लॉकडाउन के कारण लाखों लोगों का रोजगार छिन गया, तब भोजपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड अंतर्गत दांवा पंचायत की मुखिया सुशुमलता कुशवाहा ने महिलाओं के लिए एक अनूठी पहल की। उन्होंने पंचायत स्तर पर ही सेनेटरी पैड बनाने की सेमी-ऑटोमेटिक मशीन लगवाई और 'संगिनी' ब्रांड के नाम से सस्ते व गुणवत्तापूर्ण पैड का उत्पादन शुरू किया। इस पहल से पंचायत की 10 से अधिक महिलाओं को घर के पास ही रोजगार मिल गया है।

मुखिया सुशुमलता ने मास्टर इन सोशल वर्क(एमएसडब्ल्यू) किया है। वह बताती हैं कि 2012 में शादी के बाद 2016 में वे दांवा पंचायत की मुखिया बनीं। एक बैठक के दौरान महिलाओं की स्वच्छता और सेनेटरी पैड की समस्या पर चर्चा हुई, तो उन्होंने तत्काल इस दिशा में कदम उठाया। तत्कालीन जिलाधिकारी के सहयोग और सरकारी योजना के तहत मिले 10 लाख रुपये के फंड से मशीन लगाई गई। कुछ अतिरिक्त राशि जोड़कर पूरा प्लांट तैयार हुआ। यह मशीन सेमी-ऑटोमेटिक है, जिसमें जीविका दीदियां ही सारा काम संभालती हैं। मात्र 23 रुपये में 6 पैड का एक पैकेट उपलब्ध है, जिसे जीविका दीदियां आसपास के गांवों और पंचायतों में बेच रही हैं।

इस मुहीम की शुरुआत में ग्रामीण इलाकों में महिलाओं और लड़कियों के बीच काफी हिचकिचाहट थी। कई घरों में पुरानी परंपरा के अनुसार कपड़े का इस्तेमाल होता था। इस समस्या को दूर करने के लिए मुखिया और जीविका दीदियों ने घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया। मौजूदा समय में खासकर युवा लड़कियों के बीच धीरे-धीरे स्वीकार्यता बढ़ रही है। आज भी कुछ हिचक बाकी है, लेकिन इसे जड़ से खत्म करने की कोशिश जारी है।

हर क्षेत्र में महिलाएं लहरा सकती हैं परचमः प्रेमा देवी

समस्तीपुर के मोतीपुर पंचायत की मुखिया प्रेमा देवी कहती हैं कि महिलाएं चाहें तो हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा सकती हैं। शुरुआत में लोगों के तानों का सामना करना पड़ा । लेकिन जब लोगों ने उनका काम देखा तो उनके प्रति लोगों की सोच बदल गई। प्रेमा बताती हैं कि उनकी पंचायत में महिला उद्यमिता और स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे गांव में ही अपना व्यवसाय शुरू कर सकें। प्रेमा देवी जैसी महिला मुखियाओं का नेतृत्व दिखाता है कि नीतीश सरकार की नीतियां सिर्फ आरक्षण और राशन तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की क्षमता को वास्तविक रूप से सशक्त बना रही हैं।

नीतीश सरकार में खेल-खिलाड़ियों का स्वर्णिम अध्याय

आज बिहार में खेल के क्षेत्र में न केवल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं, बल्कि खेल को एक मुहिम की तरह आमजन तक ले जाया जा रहा है।

मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं, हौसलों से उड़ान होती है। यह पंक्ति बिहार की बेटी और खिलाड़ी अनु कुमारी के जीवन का जीवंत उदाहरण बन चुकी है।

नेत्रहीन अनु कुमारी ने न केवल भारतीय नेत्रहीन महिला क्रिकेट टीम में ऑलराउंडर के रूप में पहचान बनाई है, बल्कि प्रथम नेत्रहीन महिला टी-20 विश्व कप-2025 की विजेता टीम की सदस्य के रूप में देश-विदेश में बिहार का नाम ऊंचा किया है।

मुख्यमंत्री ने दिया सम्मान

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अनु कुमारी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व प्रकट करते हुए पटना स्थित आवास पर विशेष रूप से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अनु को 23 लाख 43 हजार 750 रुपये का चेक और अंगवस्त्र प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने सुश्री अनु कुमारी को बधाई एवं शुभकामना देते हुए कहा कि वह इसी तरह से अच्छा क्रिकेट खेलती रहें और राज्य तथा देश का नाम रौशन करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार की एक साधारण घर की बेटी अपनी मेहनत, दृढ़ निश्चय और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय मुकाम हासिल कर सकती है, जो सभी युवाओं विशेष रूप से दिव्यांग बेटियों के लिए प्रेरणादायक है।

मेडल लाओ-नौकरी पाओ और लोकल-टू-ग्लोबल नीति

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट तौर पर कहा कि राज्य सरकार "मेडल लाओ-नौकरी पाओ" योजना के तहत पदक जीतने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने अनु कुमारी के संदर्भ में कहा कि वह आगे भी खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाती रहें और राज्य सरकार उन्हें हरसंभव सहयोग देने को तैयार रहेगी, जिसमें नौकरी की सुविधा भी शामिल है।

इसके साथ-साथ मुख्यमंत्री ने राज्य में आधुनिक और विश्वस्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर भी जोर दिया। पटना से लेकर गया, भागलपुर, चंपारण और अन्य छोटे-बड़े शहरों में नए स्टेडियम, कोचिंग अकादमी, ट्रेनिंग सेंटर और अंडर-17/अंडर-19 लीग सिस्टम विकसित किये जा रहे हैं, ताकि हर गांव-गली का बच्चा खेल के मैदान में पहचान बना सके।

अनु कुमारी का संघर्ष पथ

अनु कुमारी बक्सर जिले के सिमरी थाना इलाके के मुकुंदपुर गांव की रहने वाली हैं, जो एक साधारण, किसान परिवार से आती हैं। शुरुआत में उन्हें न केवल नेत्रहीनता की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, बल्कि आस-पास के लोग, रिश्तेदार और पड़ोसी भी उन्हें ताने सुनाते थे कि "तुम तो कुछ देख नहीं सकती हो, जिंदगी अंधेरे में ही

गुजरेगी।"

जब अनु ने माता-पिता को बताया कि वह क्रिकेट खेलना चाहती हैं, तो मां को डर था कि वह कैसे सब-कुछ कर पायेगी, पर उनके पिता सोहन चौधरी ने उनका साथ दिया। उनकी मां को समझाया और हौसला-अफजाई की। छोटी-सी उम्र में विकेट-कीपर या गेंदबाज की जगह पर खेलने की चाहत ने उन्हें अंधेरे में भी खेल की आवाजों को महसूस करने की ताकत दी।

बिहार की बेटियों के लिए प्रेरणा

अनु ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि बिहार में एक नेत्रहीन खिलाड़ी को इतना समर्थन और पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से उन्हें आश्वासन दिया है कि उन्हें नौकरी भी दी जाएगी, जो उनके लिए भविष्य की सुरक्षा और आत्मविश्वास का संकेत है।

अनु ने बिहार की दिव्यांग बेटियों से अपील की है कि वे नीतीश सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं, चाहे वह खेल स्कॉलरशिप, ट्रेनिंग अकादमी हो या नौकरी की गारंटी। उन्होंने कहा कि "बाहर की दुनिया बहुत बड़ी है और आपके सपनों को साकार करने के लिए नीतीश सरकार तैयार है। अब बस आपको अपने सपनों के पंख को फैलाने के लिए तैयार रहना है।"

नेत्रहीन क्रिकेट की अनूठी दुनिया

अनु कुमारी ने बताया कि नेत्रहीन महिला क्रिकेट टीम "प्लास्टिक की गेंद" का प्रयोग करती है, जिसमें भीतर धातु की बेलिंग लगी होती है। गेंद फेंकते ही उसकी आवाज आती है और खिलाड़ी उसी आवाज के आधार पर बैट या गेंदबाजी की रणनीति बनाते हैं। नेत्रहीन टीम की गेंदबाज अंडर-आर्म स्टाइल से फेंकती हैं, ताकि गेंद मैदान पर लगातार टकराकर बार-बार आवाज करती रहे और बैट्समैन उस ध्वनि पर फोकस कर सके। इस प्रारूप में विकेटकीपर की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण होती है। वह तेज आवाज में चिल्लाकर दिशा और गेंद की गति के बारे में सूचना देती है। अनु ने बताया

राज्य में खेल संस्कृति का उदय

आज बिहार में खेल के क्षेत्र में न केवल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं, बल्कि खेल को एक मुहिम की तरह आमजन तक ले जाया जा रहा है। प्रदेश की 8053 पंचायतों में व्यवस्थित ढंग से खेल मैदानों का निर्माण कराया जा रहा है और हर पंचायत में एक खेल क्लब स्थापित किया जा रहा है, जिससे गांव का हर बच्चा, हर युवा खेल के मैदान में खेलते हुए अपनी प्रतिभा निखारे।

साथ ही, 25 जिलों में व्यायामशालाओं का निर्माण पूरा हो चुका है, जिससे अब ग्रामीण इलाकों तक खेल की आधुनिक सुविधाएं पहुंच रही हैं। इन व्यायामशालाओं में फिटनेस ट्रेनिंग, एथलेटिक्स और अन्य खेलों के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे युवाओं का शारीरिक और मानसिक विकास दोनों एक साथ होता है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने आकर्षक छात्रवृत्ति योजनाएं बनाई हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को 20 लाख रुपये तक और राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वालों को 5 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप दी जाती है।

इसके साथ ही "मेडल लाओ-नौकरी पाओ" योजना के तहत मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का भी अवसर मिलता है, जिससे खेल केवल शौक नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय कैरियर बनाने का जरिया भी हो गया है। 2010 में इस योजना के शुरू होने के बाद से अब तक कुल 342 खिलाड़ियों को इसका लाभ मिल चुका है, जिनमें 2010 में 33, 2011 में 125, 2015 में 82 और 2020 में 31 खिलाड़ियों को इसका लाभ मिला है। इन नियुक्तियों का उद्देश्य खिलाड़ियों को सुरक्षित करियर देने के साथ-साथ बिहार में खेल संस्कृति को और भी मजबूत बनाना है।

सभी जिलों में खेल मैदानों और स्टेडियमों का कायाकल्प किया गया है, जिसमें पटना में पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण, राजगीर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम तथा खेल परिसर शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से खेल की आधारभूत संरचना से लेकर प्रशिक्षण, आवास और चिकित्सा जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे बिहार के खिलाड़ी अब देश और विदेश दोनों जगह प्रतियोगिताओं में शान से भाग ले सकते हैं।

कि उन्होंने धीरे-धीरे इस आवाज के बीच अंतर और तरह-तरह की गेंदों की पहचान सीखी, जिससे वह टी-20 विश्व कप में भारतीय टीम को जीत दिलाने में अहम योगदान दे सकीं।

बिहार स्पोर्ट्स कॉनक्लेव 2026

बता दें कि अभी हाल ही में राजधानी पटना के ताज सिटी सेंटर में खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण और स्पोर्ट्स स्टार के संयुक्त तत्वावधान में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे तथा राज्य की खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में बिहार स्पोर्ट्स कॉनक्लेव 2026 का आयोजन संपन्न हुआ। यह कॉनक्लेव बिहार में खेल-नीतिक सोच और खेल-विकास की नई राह पर एक निर्णायक कदम साबित हुआ, जहां न केवल राज्य-केन्द्र स्तर पर समन्वय की बात हुई, बल्कि भविष्य की खेल रणनीति का भी व्यापक चिंतन किया गया। कॉनक्लेव में खेल-क्षेत्र में बिहार के खिलाड़ियों की उपलब्धियों और राज्य सरकार की ओर से किए गए सकारात्मक प्रयासों को दर्शाने वाला एक वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। इससे स्पष्ट होता है कि आज बिहार केवल प्रतिभा की धरती ही नहीं, बल्कि खेल-विकास की नीतिगत व्यवस्था भी विकसित कर रहा है।

इस मौके पर केन्द्रीय राज्य खेल मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे ने बताया कि बिहार हुनरमंदों का राज्य है, जहां के लोगों को खेल की ओर मोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बिहार में खेलों के प्रति जन-उत्साह और पैशन दोनों हैं और बच्चों को शुरुआती स्तर से ही स्पोर्ट्स साइंस से जुड़ी जानकारी दी जानी चाहिए। इतना ही नहीं उन्होंने बिहार में ग्रामीण स्तर तक खेल मैदानों के निर्माण के लिए चल रही विशेष पहल का उल्लेख करते हुए बताया कि मनरेगा के सहयोग से गांव-गांव में खेल मैदान बनाने की कार्ययोजना बनाकर उसे मूर्तरूप दिया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि इस "बिहार मॉडल" को केन्द्र सरकार ने भी अपना लिया है, जिसके तहत मनरेगा से गांव-गांव तक खेल-मैदान या छोटे स्टेडियम बनाए जा रहे हैं।

उन्होंने खेलों के शैक्षणिक और व्यावहारिक महत्व पर जोर देते हुए कहा कि खेल-क्रियाओं से युवाओं में संयम, समय-प्रबंधन, टीमवर्क और नेतृत्व जैसे गुण विकसित होते हैं, जो न केवल खेल-जगत, बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन में भी उपयोगी साबित होते हैं। उन्होंने खेलों के विकास के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों के बीच लगातार समन्वय बनाए रखने की बात कही और बताया कि 'खेलो भारत मिशन' जैसी योजनाओं की मदद से खेल-इको सिस्टम को मजबूत बनाने में सहायता मिल रही है।

साथ ही उन्होंने खेल-सामग्री के उत्पादन और बड़ी खेल-प्रतियोगिताओं के आयोजन पर भी चर्चा करते हुए बताया कि इससे स्पोर्ट्स टूरिज्म विकसित होता है, जिससे स्थानीय स्तर पर लोगों को आर्थिक लाभ भी मिलता है। उल्लेखनीय है कि 'खेलो इंडिया' प्रतियोगिता के अंतर्गत बिहार में कई खेलों का आयोजन किया जा चुका है, जिससे यहां की खेल-संस्कृति और भी मजबूत हुई है।

बिहार की खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार में खेल-विकास के क्षेत्र में काफी काम हुआ है, जिसमें खिलाड़ियों के प्रशिक्षण से लेकर आधारभूत संरचनाओं के विकास तक व्यापक कार्य किया गया है। उन्होंने बताया कि अब यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम का निर्माण भी पूरा हो चुका है और इनमें विभिन्न खेल-प्रतियोगिताओं का आयोजन लगातार जारी है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि यदि भारत को 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी मिलती है तो बिहार में भी एक या दो खेलों का आयोजन किया जाए, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भी यहां कुछ खेलों का आयोजन किया जाए।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवींद्रण शंकरण ने कहा कि बिहार इतिहास नहीं लिखता, बल्कि खुद रचता है। उन्होंने बताया कि कम लोगों को यह पता होगा कि इतिहास में कई वर्षों तक बिहार में इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन का कार्यालय रहा और उसके अध्यक्ष जमशेदजी टाटा थे। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में केवल भागीदारी ही नहीं, बल्कि मेडल जीतने वाले खेलों पर भी विशेष ध्यान देना होगा और उन खेलों को बुनियादी स्तर से ही प्रोत्साहित करना आवश्यक है, ताकि बिहार के

Department of Energy

TRANSFORMING LIVES
EMPOWERING BIHAR

through modern technology, innovation and responsive administration

Commitment for 24x7 Uninterrupted and Quality Power Supply

- 24 Hours power supply in urban areas and more than 22 hours in rural areas
- Defective transformers are being replaced within 6 hours in urban areas and within 24 hours in rural areas

Ensuring Timely New Electricity Connections

- Electricity connection for domestic and commercial consumers
  - Within 3 days in metropolitan areas
  - Within 7 days in other urban areas
  - Within 15 days in rural areas
- Connections for Industrial Consumers (LT)
  - Within 3 days in Urban Areas
  - Within 7 days in Rural Areas
- Electricity connections are being provided on priority basis for agricultural work
- Electricity connections are being provided with ease and convenience through the Suvidha App

Transparent and Effective Billing System

- Transparent billing and easy recharge through the Smart Prepaid Meter
- Consumers can monitor daily electricity consumption through the Smart Prepaid Meter App
- Spot billing facility based on OCR technology is also available for non Smart Prepaid Meter consumers

Prompt Redressal of Consumer Complaints

- Facility to redress electricity complaints through Toll-Free No. 1912 and Fuse Call Centers
- Quick grievance redressal through block-level camps on every second Saturday and at headquarters & regional offices on every Monday & Friday
- Complaints can also be registered through Digital Medium: WhatsApp Chatbot-+91-9031803592 or Email:consumercomplaints@cho-bsphcl.co.in
- Consumer Grievance Redressal Forum established in all Electric Supply Circles

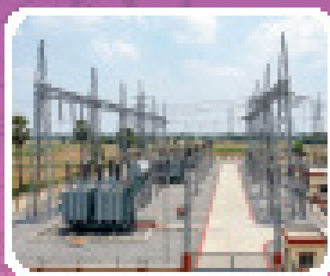

@EnergyBihar | @SEVA_NBPDCL | @SEVA_SBPDCL

हमारा आधार... ऊर्जान्वित बिहार

सतत विकास लक्ष्यों (SDGs)
की प्राप्ति में अग्रणी राज्य बनेगा बिहार

बिहार आगामी वर्षों में सतत विकास लक्ष्यों-2030 (SDGs) की प्राप्ति में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित होगा। विभागों के बीच बेहतर समन्वय, तकनीकी नवाचार और जन-जागरूकता के माध्यम से बिहार सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बिहार ने SDG संकेतकों के आधार पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। 162 प्रमुख संकेतकों के विश्लेषण में लगभग 72 प्रतिशत संकेतकों में सुधार हुआ है, जो राज्य की मजबूत नीतिगत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बिहार 15 SDGs में से 8 लक्ष्यों पर संतोषजनक प्रगति कर रहा है, जबकि अन्य लक्ष्यों पर भी निरंतर प्रयास जारी हैं।

राजधानी पटना में 18-19 मार्च को सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क, पर्यावरणीय लेखांकन एवं जेंडर सांख्यिकी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित हुआ। इसका आयोजन सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI), भारत सरकार द्वारा योजना एवं विकास विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया गया है, जिसमें संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) का तकनीकी सहयोग प्राप्त था।

सटीक, विश्वसनीय एवं समयबद्ध आंकड़े आवश्यक

कार्यशाला का उद्घाटन माननीय मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, बिहार, श्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने किया। उन्होंने कहा, “सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सटीक, विश्वसनीय एवं समयबद्ध आंकड़े अत्यंत आवश्यक हैं। यह कार्यशाला डेटा-आधारित शासन को सुदृढ़ करने तथा नीति निर्माण को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।”

20 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि हुए शामिल

यह कार्यशाला बिहार में पहली बार आयोजित की गई , जो राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में देश के लगभग 20 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जिससे राज्यों के बीच ज्ञान साझेदारी, अनुभवों के आदान-प्रदान तथा सर्वोत्तम प्रथाओं के प्रसार को बढ़ावा मिला।

नीति निर्माण के लिए विश्वसनीय एवं अद्यतन डेटा

इस कार्यशाला का उद्देश्य SDG मॉनिटरिंग फ्रेमवर्क को सुदृढ़ करना, इंडिकेटर-आधारित प्रगति की प्रभावी ट्रैकिंग सुनिश्चित करना तथा राज्यों की सांख्यिकीय क्षमता को सशक्त बनाना था। इसके अंतर्गत विशेष रूप से डेटा गैप्स की पहचान, डेटा गुणवत्ता में सुधार, तथा प्रशासनिक एवं सर्वेक्षण आधारित आंकड़ों के एकीकरण पर बल दिया गया, ताकि नीति निर्माण के लिए विश्वसनीय एवं अद्यतन डेटा उपलब्ध हो सके।

साथ ही, कार्यशाला में SDG लोकलाइजेशन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया , जिसके तहत सतत विकास लक्ष्यों को राज्य, जिला एवं स्थानीय स्तर की योजनाओं के साथ समन्वित किया जा रहा है, ताकि विकास अधिक लक्षित, समावेशी एवं क्षेत्र-विशिष्ट हो सके।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन जरूरी

कार्यक्रम में पर्यावरणीय लेखांकन (Green/Natural Resource Accounting) को भी प्रमुखता दी जा रही है, जिसके माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, संरक्षण एवं पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन कर विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में, जेंडर सांख्यिकी को सुदृढ़ करने पर भी बल दिया गया, ताकि महिलाओं एवं पुरुषों के बीच असमानताओं को डेटा के माध्यम से बेहतर समझकर लैंगिक-संवेदनशील एवं समावेशी नीतियों का निर्माण किया जा सके।

इन गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए

मुख्य सचिव, बिहार ,श्री प्रत्यय अमृत ने कहा, "गुणवत्तापूर्ण डेटा प्रभावी नीतियों की आधारशिला है। SDGs के 'Leave No One Behind' सिद्धांत को साकार करने के लिए आवश्यक है कि हम अपने डेटा तंत्र को मजबूत करते हुए विकास को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं।"

गुणवत्तापूर्ण डेटा के लिए राज्यों से समन्वय

"SDG इंडिकेटर्स की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए मजबूत सांख्यिकीय प्रणाली, डेटा गुणवत्ता में सुधार तथा राज्यों के बीच सहयोग अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यशाला इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।"

अपर मुख्य सचिव, योजना एवं विकास विभाग, बिहार, डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा, "बिहार में SDG लोकलाइजेशन को प्राथमिकता देते हुए जिला स्तर तक निगरानी तंत्र विकसित किया जा रहा है। डेटा गैप्स की पहचान, जेंडर-संवेदनशील आंकड़ों का विकास तथा पर्यावरणीय लेखांकन को नीति निर्माण में शामिल करना हमारी प्रमुख प्राथमिकताएं हैं।"

महानिदेशक (केंद्रीय सांख्यिकी), MoSPI – श्री एन.के. संतोषी ने कहा,"सांख्यिकी नीति निर्माण की रीढ़ है। SDG संकेतकों की सटीक ट्रैकिंग के लिए राज्यों की संस्थागत क्षमता को सुदृढ़ करना अत्यंत आवश्यक है।"

डेटा साझेदारी और नवाचार जरूरी

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए 'डेटा, साझेदारी और नवाचार' का समन्वय आवश्यक है। पर्यावरणीय लेखांकन और जेंडर सांख्यिकी जैसे क्षेत्रों में सुदृढ़ डेटा तंत्र से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि विकास समावेशी और न्यायसंगत हो। UNDP इस दिशा में निरंतर सहयोग प्रदान करता रहेगा।"

कार्यशाला के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों में SDG इंडिकेटर ट्रैकिंग, डेटा गुणवत्ता सुधार, पर्यावरणीय लेखांकन, जेंडर सांख्यिकी तथा राज्यों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर MoSPI तथा योजना एवं विकास विभाग, बिहार सरकार की विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया।

यह कार्यशाला न केवल राज्यों के बीच सहयोग एवं ज्ञान-साझेदारी को सुदृढ़ करेगी, बल्कि भारत में SDG लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। साथ ही, यह बिहार में पहली बार आयोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला राज्य की बढ़ती संस्थागत क्षमता एवं डेटा-आधारित शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विकास को गति देने में SDG के साथ योजनाओं का समन्वय जरूरी

योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा कि राज्य की विकास योजनाओं का SDGs के साथ समन्वय अत्यंत आवश्यक है, जिससे समावेशी, सतत एवं संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कार्यशाला के समापन के मौके पर कहा कि बिहार सरकार ने वर्ष 2017 में SDG विजन दस्तावेज तैयार कर सभी विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों को SDGs के लक्ष्यों से जोड़ा है। राज्य स्तर पर 334 संकेतकों का एक व्यापक ढांचा विकसित किया गया है, जिससे योजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी एवं मूल्यांकन किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि बिहार ने SDG संकेतकों के आधार पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। 162 प्रमुख संकेतकों के विश्लेषण में लगभग 72 प्रतिशत संकेतकों में सुधार हुआ है, जो राज्य की मजबूत नीतिगत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि 15 SDGs में से 8 लक्ष्यों पर राज्य संतोषजनक प्रगति कर रहा है, जबकि अन्य लक्ष्यों पर भी निरंतर प्रयास जारी हैं।

उन्होंने राज्य की प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार का SDG स्कोर वर्ष 2018 के 48 से बढ़कर 2023-24 में 57 हो गया है। स्वच्छ जल एवं स्वच्छता (SDG-6) के क्षेत्र में बिहार ने 98 अंक प्राप्त कर देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही राज्य ने बहुआयामी गरीबी में उल्लेखनीय कमी लाते हुए लगभग 2.25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बिहार की जीएसडीपी वृद्धि दर वर्ष 2024-25 में 13.1 प्रतिशत रही है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। प्रति व्यक्ति आय में भी निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है, जो राज्य के आर्थिक सशक्तीकरण का संकेत है।

डॉ. विजयलक्ष्मी ने लैंगिक समानता (SDG-5) के क्षेत्र में राज्य की प्रगति को रेखांकित करते हुए कहा कि महिला सशक्तीकरण बिहार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जीविका, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, तथा अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी 50 प्रतिशत से अधिक होना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उन्होंने बताया कि महिला श्रम बल भागीदारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो 2017-18 के लगभग 4 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 32 प्रतिशत तक पहुंच गई है। साथ ही महिलाओं की वित्तीय एवं सामाजिक भागीदारी में भी व्यापक सुधार हुआ है।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि भविष्य में राज्य सरकार साक्ष्य-आधारित योजना निर्माण को और मजबूत करेगी तथा जेंडर बजटिंग को SDGs के साथ जोड़कर नीति निर्माण को अधिक प्रभावी बनाएगी। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा एवं आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय, तकनीकी नवाचार और जन-जागरूकता के माध्यम से बिहार सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस राष्ट्रीय कार्यशाला से प्राप्त सुझाव एवं अनुभव राज्य के विकास प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाएंगे तथा बिहार को SDGs की प्राप्ति में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करेंगे।

2030 तक सबसे विकसित राज्य बनेगा बिहार : मुख्यमंत्री

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा पूरी हो गयी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह की भूमि पश्चिम चंपारण से 16 जनवरी को शुरू हुई समृद्धि यात्रा का समापन 26 मार्च को पटना में हुआ। पांच चरणों में पूरी हुई इस यात्रा में कई पड़ाव आये। हर पड़ाव पर माननीय मुख्यमंत्री ने बिहार को विकसित राज्य बनाने का संकल्प दोहराया।

बिहार 2030 तक सबसे विकसित राज्य बनेगा। अभी बस पांच ही राज्य तो बिहार से आगे हैं। 2030 तक औद्योगिक मामले में भी अपना प्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल हो जायेगा। ये बातें माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि हमारा राज्य लगातार विकास कर रहा है। अगले 5 वर्षों में और ज्यादा काम होगा जिससे बिहार काफी आगे बढ़ेगा। केन्द्र का भी पूरा सहयोग प्राप्त हो रहा है। बिहार और विकसित होगा, देश के टॉप राज्यों में शामिल हो जायेगा तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

उनकी यात्रा का मकसद चल रही विकास परियोजनाओं (सड़क, बिजली, स्वास्थ्य) की समीक्षा और नई परियोजनाओं का उद्घाटन/शिलान्यास करना था। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री ने 38 जिलों में विकास कार्यों का जायजा लिया। बिहार में "सुशासन से समृद्धि" के संकल्प को सिद्ध करने वाली इस यात्रा में माननीय मुख्यमंत्री ने अरबों रुपयों की नई योजनाओं की सौगात जिलों को दी। यह यात्रा बिहार के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराने और 2025-30 के लिए 'सात निश्चय-3' प्रोग्राम की नींव रखने के रूप में भी याद की जायेगी। माननीय मुख्यमंत्री ने अपनी यात्रा में जीविका दीदियों के साथ संवाद किया और महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, युवाओं को रोजगार देने और बुनियादी ढांचे

का विकास करने की बात की। खासकर एक करोड़ युवाओं को रोजगार और रोजगार के अवसर मुहैया कराने पर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

माननीय मुख्यमंत्री ने यात्रा के प्रत्येक चरण में योजनाओं की समीक्षा,शिलान्यास और उद्घाटन किया। जनता से संवाद किया और संबंधित जिले को योजनाओं की सौगात दी।

शिक्षकों की बहाली की,बड़े पैमाने पर स्कूल खुले

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने शिक्षा के क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया। नियोजित शिक्षकों की बहाली की। बड़ी संख्या में नये स्कूल खोले गये और सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले लड़के-लड़कियों के लिए पोशाक एवं साइकिल योजना चलायी गई। वर्ष 2023 से बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 2 लाख 58 हजार सरकारी शिक्षकों की बहाली की गयी है। वर्ष 2006 से 3 लाख 68 हजार नियोजित शिक्षक बने थे, जिसमें से बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 28,976 सरकारी शिक्षक बन गये। हमलोगों ने तय किया कि नियोजित शिक्षकों को बी०पी०एस०सी० की परीक्षा देने की जरूरत नहीं है। उन्हें मामूली सी परीक्षा लेकर, सरकारी शिक्षक बनाया जाएगा। इसके लिए उन्हें 5 अवसर देने का निर्णय लिया गया, जिनमें अब तक 4 परीक्षाओं का आयोजन हो चुका है जिसमें 2 लाख 66 हजार नियोजित शिक्षक पास हो गये हैं। अब केवल 73 हजार शिक्षक शेष बचे हैं जिन्हें 1 मौका और दिया जायेगा। अब कुल मिलाकर सरकारी शिक्षकों की संख्या 5 लाख 24 हजार हो गयी है। इसके अलावा बी०पी०एस०सी० द्वारा 45 हजार नये पदों पर शिक्षकों की बहाली शुरू की जा रही है।

राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का माहौल

जन संवाद के दौरान उन्होंने कहा, राज्य में प्रेम, भाईचारा एवं शांति का माहौल है। हिन्दू-मुस्लिम के बीच होने वाले विवाद को खत्म करने के लिए वर्ष 2006 से कब्रिस्तानों की घेराबंदी शुरू कराई। अब यहां कोई हिन्दू-मुस्लिम विवाद नहीं होता है। वर्ष 2016 से 60 वर्ष से पुराने हिन्दू मंदिरों की घेराबंदी शुरू की गयी , जिससे चोरी की घटनायें नहीं होती है।

स्वास्थ्य केन्द्र , मेडिकल कॉलेजों का विस्तार

उन्होंने कहा, वर्ष 2006 से सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा और इलाज की पूरी व्यवस्था की गयी । अब प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में हर महीने औसतन 11,600 मरीज आते हैं। पहले 6 मेडिकल कॉलेज थे जिनकी संख्या अब 12 हो गयी है। इस वर्ष 6 मेडिकल कॉलेज और बन जायेंगे तथा शेष 21 जिलों में मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी शीघ्र पूरा किया जायेगा। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल को 5400 बेड तथा अन्य 5 पुराने मेडिकल कॉलेज को ढाई हजार बेड का किया जा रहा है। आई०जी०आई०एम०एस० को 3 हजार बेड का बनाया जा रहा है।

सुदूर क्षेत्रों से पांच घंटे में पटना पहुंचना संभव

उन्होंने कहा कि राज्य में सड़कों, पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। राज्य के सुदूर क्षेत्रों से 6 घंटे में पटना पहुंचने के लक्ष्य को वर्ष 2016 में पूरा कर लिया गया है। अब राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों, पुल-पुलियों, रेल ओवरब्रिज, बाईपास एवं एलिवेटेड रोड के निर्माण से लगभग 5 घंटे में सुदूर क्षेत्रों से पटना पहुंचना संभव हुआ है।

वर्ष 2008 से उन्नत खेती के लिए कृषि रोडमैप बनाया

वर्ष 2008 से कृषि रोड मैप बनाकर काम किया जा रहा है जिससे कृषि के क्षेत्र में बहुत अच्छी प्रगति हुई है। वर्ष 2008 से 2012 तक पहला, 2012 से 2017 तक दूसरा, 2017 से 2023 तक तीसरे कृषि रोड मैप पर काम हुआ है, जिसका परिणाम है कि अनाज, फल, सब्जी, दूध, अंडा, मांस एवं मछली का उत्पादन काफी बढ़ गया है। मछली के उत्पादन में ढाई गुणा वृद्धि हुई है, जिससे मछली के उत्पादन में बिहार आत्मनिर्भर हो गया है। साथ ही किसानों की आय बढ़ी है। वर्तमान में चौथे कृषि रोड मैप (वर्ष 2024 से 2029) के तहत योजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है।

वर्ष 2015 में सात निश्चय योजना शुरू की

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2015 में सात निश्चय के तहत आर्थिक हल युवाओं को बल, आरक्षित रोजगार महिलाओं का अधिकार, हर घर तक बिजली, हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, टोलों को पक्की सड़कों से जोड़ने तथा अवसर बड़े आगे पढ़ें पर काम किया गया है। वर्ष 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गयी। सरकार द्वारा शुरू से ही बहुत सस्ती दर पर बिजली दी जा रही है। अब लगभग सभी घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त मिल रही है। अब सरकार की तरफ से सभी इच्छुक

लोगों के घरों पर सोलर पैनल लगाये जायेंगे। यह काम शुरू हो चुका है। इस काम को शीघ्र पूरा कर लिया जायेगा। वर्ष 2020 से सात निश्चय-2 के तहत युवा शक्ति-बिहार की प्रगति, सशक्त महिला सक्षम महिला, हर खेत तक सिंचाई का पानी, स्वच्छ गांव-समृद्ध गांव (सोलर स्ट्रीट लाइट), स्वच्छ शहर विकसित शहर, सुलभ सम्पर्कता तथा सबके लिये स्वास्थ्य सुविधा (टेलीमेडिसिन एवं बाल हृदय योजना) सभी पर काफी काम हुआ है।

सात निश्चय-2 योजना के शेष कार्य शीघ्र पूरे होंगे

सात निश्चय-2 योजना के जो भी काम बचे हैं उन्हें शीघ्र पूरा किया जायेगा। सात निश्चय-2 के तहत ही युवाओं के लिए 10 लाख नौकरी एवं 10 लाख रोजगार देना तय किया गया। अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। 40 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है। दोनों को मिलाकर 50 लाख युवाओं को नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है। चाहे हिन्दू हो, मुस्लिम हो, अपर कास्ट हो, पिछड़ा हो, अति पिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो सभी के लिए काम किया गया है। मुस्लिम समुदाय के लिए भी हमने काफी काम किया है। मदरसों को सरकारी मान्यता दी गयी है एवं उनके शिक्षकों को अन्य सरकारी शिक्षकों के बराबर वेतन दिया जा रहा है। सभी वृद्धजनों, दिव्यांगजनों और विधवा महिलाओं को मिलने वाली पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दी गयी है, इससे 1 करोड़ 14 लाख लोगों को फायदा हो रहा है।

जाति आधारित गणना से आर्थिक हालात को जाना

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 में जाति आधारित गणना करायी गई, जिसमें लोगों की आर्थिक स्थिति की भी जानकारी ली गयी। इसमें 94 लाख गरीब परिवार पाये गये जिसमें समाज के सभी श्रेणियों के लोग

शामिल हैं। इन सभी परिवारों के रोजगार हेतु 2 लाख रुपये की सहायता दी जानी है। अब तक 83 लाख 20 हजार परिवारों को रोजगार योजना से जोड़कर राशि देना शुरू किया गया है, शेष परिवारों को अगले महीने तक राशि देना शुरू कर दिया जायेगा। आवश्यकता होगी तो दो लाख रुपये से ज्यादा राशि भी दी जायेगी।

महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

हमलोगों ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। इसके तहत वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। अब तक चार चुनाव हो चुके हैं। वर्ष 2013 से पुलिस में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। अब बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या देश में सर्वाधिक है। वर्ष 2016 से महिलाओं को सभी सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी। वर्ष 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन शुरू कराया, जिसे हमलोगों ने जीविका नाम दिया। उस समय की केंद्र सरकार ने हमलोगों के इस काम से प्रेरित होकर देश भर में इसका नाम आजीविका कर दिया। अब स्वयं सहायता समूह की संख्या 11 लाख 5 हजार हो गयी है, जिनसे अब तक 1 करोड़ 69 लाख जीविका दीदियां जुड़ चुकी हैं। वर्ष 2024 से शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूह का गठन हो रहा है, जिनकी संख्या 77 हजार हो गयी है, जिसमें लगभग 10 लाख 78 हजार जीविका दीदियां जुड़ी हैं, इसका गठन लगातार जारी है।

विकास देखने के लिए प्रगति यात्रा की

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों में जो कमी रह गयी, उसे पूरा करने के लिए वर्ष 2024 के दिसम्बर एवं 2025 के जनवरी-फरवरी माह में मैंने प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में जाकर विकास कार्यों को देखा और जो कमी रही उसे पूरा करने के लिए 430 नई योजनाओं की स्वीकृति दी है। सभी जिलों में इन योजनाओं पर काम शुरू हो चुका है। अब तक 21 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, शेष सभी कार्यों को शीघ्र पूरा करा लिया जायेगा।

बिहार के विकास में केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा

बिहार के विकास में केन्द्र सरकार का पूरा सहयोग मिल रहा है। 2024 के केन्द्रीय बजट में बिहार को विशेष आर्थिक सहायता

के रूप में सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य, पर्यटन, बाढ़ नियंत्रण के लिए बड़ी राशि देने की घोषणा की गयी। 2025 के केन्द्रीय बजट में बिहार में मखाना बोर्ड, एयरपोर्ट की स्थापना, पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता आदि की घोषणा की गयी है। वर्ष 2018 से देश के कुछ राज्यों में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन हो रहा है। वर्ष 2025 में खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन बिहार में हुआ, जो गौरव की बात है। इन सबके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का नमन करते हैं। प्रधानमंत्री जी कई बार बिहार आये हैं और उनके द्वारा विकास कार्यों का शिलान्यास / शुभारम्भ किया गया है, इन सभी योजनाओं पर अब तेजी से काम हो रहा है। हमलोगों की सरकार के पहले कार्यकाल 2005-2010, दूसरे कार्यकाल 2010-2015, तीसरे कार्यकाल 2015-2020 तथा चौथे कार्यकाल 2020-2025 को मिलाकर चारों कार्यकाल में हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिला सशक्तीकरण की दिशा में अनेक काम किए गए हैं।

अगले पांच वर्षों में उद्योग लगाने पर रहेगा पूर जोर

समृद्ध उद्योग सशक्त बिहार के तहत अगले 5 वर्षों में उद्योग लगाने पर पूरा जोर दिया जायेगा। सभी जिलों में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की जा रही है। बड़े उद्योगों के लिए मुफ्त भूमि एवं अनुदान दिया जा रहा है। पुरानी बंद चीनी मिलों को चालू किया जायेगा। कृषि में प्रगति प्रदेश की समृद्धि के तहत कृषि विकास के लिए पहले से ही काफी काम किया गया है। इस काम में और तेजी लाने के लिए एक नये बिहार विपणन प्रोत्साहन निगम की स्थापना की गयी है। मखाना के उत्पादन को और बढ़ावा दिया जा रहा है। डेयरी एवं मछली पालन पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

प्रत्येक प्रखंड में आदर्श विद्यालय एवं डिग्री कॉलेज

राज्य में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए उन्नत शिक्षा उज्ज्वल लिए भविष्य के तहत प्रत्येक प्रखंड में आदर्श विद्यालय एवं डिग्री कॉलेज खोले जा रहे हैं। एक नये एजुकेशन सिटी का निर्माण कराया जायेगा। सुलभ स्वास्थ्य सुरक्षित जीवन के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर करने के लिए जिला एवं प्रखंड स्तरीय अस्पतालों को विशिष्ट चिकित्सा केन्द्र बनाया जा रहा है।

अगले 5 वर्षों के लिए सात निश्चय-3 का किया गया गठन

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले 5 वर्षों के लिए सात निश्चय-3 का गठन किया गया है जिसमें दोगुना रोजगार दोगुनी आय के तहत राज्य की प्रति व्यक्ति औसत आय को दोगुना किया जायेगा। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत हर महिला को 10 हजार रुपये दिये गये हैं। जिनका रोजगार अच्छा चलेगा उन्हें 2 लाख रुपये तक की सहायता दी जायेगी। अगले 5 वर्षों में युवाओं को 1 करोड़ नौकरी एवं रोजगार उपलब्ध कराये जाएंगे। इसके लिए नये युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग का गठन किया गया है।

सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगेगी

राज्य में प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों की स्थापना के लिए प्रोत्साहन दिया जायेगा। सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने की नीति लायी जायेगी। मजबूत आधार आधुनिक विस्तार के तहत आधारभूत संरचनाओं को बेहतर किया जायेगा, जिसमें शहरों का विकास और नये नियोजित शहरों की स्थापना की जायेगी।

पांच नये एक्सप्रेस-वे सड़कों का निर्माण

5 नये एक्सप्रेस-वे सड़कों का निर्माण तथा ग्रामीण सड़कों का 2-लेन चौड़ीकरण किया जायेगा। सभी इच्छुक लोगों के घर की छतों पर सोलर पैनल लगाये जायेंगे। बिहार में पर्यटन एवं इको टूरिज्म के विकास पर विशेष जोर दिया जायेगा। पटना में स्पोर्ट्स सिटी का विकास किया जाएगा। सबका सम्मान-जीवन आसान (Ease of Living) के तहत आधुनिक तकनीक तथा अच्छे प्रशासन के माध्यम से राज्य के सभी नागरिकों के जीवन को आसान बनाया जायेगा।

सभी जिलों को मिली सौगातें

सुपौल

10 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान सुपौल जिले को दी 570 करोड़ रुपये की सौगात, 213 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास
- जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये

जन संवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी एवं ऊर्जा मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने भी संबोधित किया। जन संवाद कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंटकर तथा फूलों की बड़ी माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक श्री अनिरुद्ध प्रसाद यादव, विधायक श्री रामविलास कामत, विधायक श्रीमती सोनम रानी, विधायक श्री सतीश कुमार साह, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व विधान पार्षदगण अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं आमजन उपस्थित थे।

मधेपुरा

10 मार्च 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान मधेपुरा जिले को दी 302 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात
- 216 करोड़ रुपये की लागत से 158 योजनाओं का उद्घाटन एवं 86 करोड़ रुपये की लागत से 137 योजनाओं का शिलान्यास किया।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री सह जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती लेशी सिंह, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, कोसी प्रमंडल के आयुक्त श्री राजेश कुमार, कोसी प्रक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक श्री कुमार आशीष, मधेपुरा के जिलाधिकारी श्री अभिषेक रंजन, पुलिस अधीक्षक डॉ० संदीप सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

अररिया

11 मार्च , 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान अररिया जिले को दी 545 करोड़ रुपये की 68 योजनाओं की सौगात।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये ।

जनसंवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्रीमती लेशी सिंह, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री सह अररिया जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखेन्द्र कुमार रौशन ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, विकास

आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ० बी० राजेन्दर, विशेष शाखा के पुलिस महानिदेशक श्री कुंदन कृष्णन मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, पूर्णिया प्रमंडल के आयुक्त श्री राजेश कुमार, प्रक्षेत्र के प्रभारी पुलिस उपमहानिरीक्षक श्री कुमार आशीष, अररिया के जिलाधिकारी श्री दुहान, पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

किशनगंज

11 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान किशनगंज जिले को दी 235 करोड़ रुपये की 122 योजनाओं की सौगात
- 102 करोड़ रुपये की लागत से 49 योजनाओं का उद्घाटन एवं 133 करोड़ रुपये की लागत से 73 योजनाओं का किया शिलान्यास।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जन संवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उद्योग एवं पथ निर्माण मंत्री डॉ० दिलीप जायसवाल, अल्पसंख्यक कल्याण सह किशनगंज जिले के प्रभारी मंत्री मो० जमा खान, ठाकुरगंज के विधायक श्री गोपाल कुमार अग्रवाल, बिहार राज्य शिया वक्फ बोर्ड चेयरमैन श्री इरशाद अली आजाद सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

पूर्णिया

12 मार्च,2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान पूर्णिया जिले को दी 485 करोड़ रुपये की सौगात, 92 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास।
- जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जनसंवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्रीमती लेशी सिंह, ग्रामीण विकास, परिवहन एवं पूर्णिया जिला के प्रभारी मंत्री श्री श्रवण कुमार, विधायक श्री कृष्ण कुमार ऋषि, विधायक श्री कलाधर प्रसाद मंडल, विधायक श्री विजय कुमार खेमका, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

कटिहार

12 मार्च,2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान कटिहार जिले को दी 410 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- 229 करोड़ रुपये की लागत से 257 योजनाओं का उद्घा टन एवं 181 करोड़ रुपये की लागत से 186 योजनाओं का किया शिलान्यास / कार्यारंभ ।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये ।

जनसंवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं विधायक श्री तारकिशोर प्रसाद, विधायक श्री दुलालचंद गोस्वामी, विधायक श्रीमती संगीता देवी, विधायक श्रीमती निशा सिंह,

विधायक श्रीमती कविता देवी, विधायक श्री विजय सिंह सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

सहरसा

13 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान सहरसा जिले को दी 512 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- 286 करोड़ रुपये की लागत से 70 योजनाओं का उद्घाटन, 90 करोड़ रुपये की लागत से 20 योजनाओं का शिलान्यास एवं 136 करोड़ रुपये की लागत से 35 योजनाओं का किया कार्यारंभ।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये ।

जनंवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, सांसद श्री दिनेश चंद्र यादव, विधायक श्री रत्नेश सादा, विधायक श्री संजय कुमार सिंह, विधान पार्षद श्री ललन सर्राफ, पूर्व मंत्री श्री आलोक रंजन सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

खगड़िया

13 मार्च,2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान खगड़िया जिले को दी 304 करोड़ रुपये की सौगात, 319 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास
- जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जनसंवाद कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, समाज कल्याण सह खगड़िया जिले के प्रभारी मंत्री श्री मदन सहनी, विधायक श्री रामचंद्र सदा, विधायक श्री बबलू कुमार, विधायक श्री पन्ना लाल सिंह पटेल, विधायक श्री बाबू लाल शौर्य, विधान पार्षद श्री ललन सर्राफ, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बेगूसराय

14 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान बेगूसराय जिले को दी 274 करोड़ रुपये की सौगात, 400 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास
- जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जन संवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री श्री सुरेंद्र मेहता, गन्ना उद्योग मंत्री श्री संजय कुमार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री अभिषेक आनंद, विधायक श्री रजनीश कुमार, विधान पार्षद श्री सर्वेश कुमार, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

शेखपुरा

14 मार्च,2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान शेखपुरा जिले को दी 206 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात
- 62 करोड़ रुपये की लागत से 196 योजनाओं का उद्घाटन एवं 144 करोड़ रुपये की लागत से 120 योजनाओं का किया शिलान्यास / कार्यारंभ।
- मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जनसंवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री सह शेखपुरा जिला के प्रभारी मंत्री श्री जमा खान ने संबोधित किया। इस अवसर पर सांसद श्री विवेक ठाकुर, विधायक श्री रणधीर कुमार सोनी, विधायक डॉ० कुमार पुष्पंजय सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

भागलपुर

17 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान भागलपुर जिले को दी 442 करोड़ रुपये की सौगात, 144 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास
- जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिये तेजी से कार्य पूर्ण

करने के निर्देश।

जन संवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उद्योग मंत्री एवं भागलपुर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर सांसद श्री अजय कुमार मंडल, विधायक श्री कुमार शैलेंद्र, विधायक श्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल, विधायक श्री शुभानंद मुकेश, विधायक श्री रोहित पांडे, विधायक श्री ललित नारायण मंडल, विधायक श्री मिथुन कुमार, विधान पार्षद डॉ० एन०के० यादव, विधान पार्षद डॉ० संजीव कुमार सिंह, विधान पार्षद श्री विजय कुमार सिंह, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बांका

17 मार्च,2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान बांका जिले को दी 709 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- मुख्यमंत्री ने 118 करोड़ रुपये की लागत से 278 योजनाओं का उद्घाटन एवं 591 करोड़ रुपये की लागत से 219 योजनाओं का किया शिलान्यास ।
- मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए ।

जनसंवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, श्रम संसाधन मंत्री सह बांका जिला के प्रभारी मंत्री श्री संजय सिंह टाइगर ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री रामनारायण मंडल, विधायक श्री जयंत राज, विधायक श्री पूरन लाल टुडू, विधायक श्री मनोज यादव, विधायक श्री मनीष कुमार सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

जमुई

18 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान जमुई जिले को दी 914 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात
- 602 करोड़ रुपये की लागत से 181 योजनाओं का उद्घाटन एवं 312 करोड़ रुपये की लागत से 189 योजनाओं का किया शिलान्यास ।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जन संवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री संजय कुमार सिंह, खेल एवं सूचना प्रावैधिकी मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री दामोदर राउत, विधायक श्री प्रफुल्ल कुमार मांझी, पूर्व मंत्री श्री सुमित कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

नवादा

18 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान नवादा जिले को दी 299 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- 55 करोड़ रुपये की लागत से 37 योजनाओं का उद्घाटन एवं 244 करोड़ रुपये की लागत से 21 योजनाओं का किया शिलान्यास ।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिए तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश।

जनसंवाद को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार

चौधरी, खेल मंत्री सह नवादा जिला की प्रभारी मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री विमल राजवंशी, विधायक श्री अनिल सिंह, विधायक श्रीमती विभा देवी, विधायक श्रीमती विनीता मेहता, विधान पार्षद श्री अशोक कुमार सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

मुंगेर
19 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान मुंगेर जिले को दी 119 करोड़ रुपये की सौगात, 78 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास।
- जिले में चल रही विभिन्न विकास योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जन संवाद कार्यक्रम को पर केंद्रीय पंचायती राज सह मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, गन्ना उद्योग एवं मुंगेर जिले के प्रभारी मंत्री श्री संजय कुमार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री कुमार प्रणय, विधायक श्री नचिकेता, विधान पार्षद श्री लाल मोहन गुप्ता, मुंगेर नगर निगम की महापौर श्रीमती कुमकुम देवी, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

लखीसराय
19 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान लखीसराय जिले को दी 326 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- 118 करोड़ रुपये की लागत से 117 योजनाओं का उद्घाटन एवं 208 करोड़ रुपये की लागत से 144 योजनाओं का किया शिलान्यास।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जनसंवाद को केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ श्री ललन सिंह, उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री श्री सुनील कुमार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री रामानंद मंडल सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

गया
20 मार्च, 2025

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान गया जिले को दी 744 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- 367 करोड़ रुपये की लागत से 553 योजनाओं का उद्घाटन एवं 377 करोड़ रुपये की लागत से 140 योजनाओं का किया शिलान्यास ।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये ।

जनसंवाद को केंद्रीय मंत्री श्री जीतनराम मांझी, उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उद्योग मंत्री सह जिले के प्रभारी मंत्री डॉ० दिलीप कुमार जायसवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक श्री उपेंद्र प्रसाद, विधायक श्रीमती ज्योति देवी, विधायक श्रीमती मनोरमा देवी, विधायक श्री रोमित कुमार, श्री वीरेंद्र सिंह, विधान पार्षद श्रीमती कुमुद वर्मा सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

औरंगाबाद
20 मार्च, 2025

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान औरंगाबाद जिले को दी 678 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- मुख्यमंत्री ने 262 विकास योजनाओं का किया उद्घायटन एवं शिलान्यास ।
- मुख्यमंत्री ने जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जन संवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी एवं लघु जल संसाधन सह औरंगाबाद जिले के प्रभारी मंत्री श्री संतोष कुमार सुमन ने भी संबोधित किया।इस अवसर पर विधायक श्री चेतन आनंद, विधायक श्री प्रमोद कुमार सिंह, विधायक श्री त्रिविक्रम नारायण सिंह, विधायक श्री ललन राम, विधायक श्री प्रकाश चंद्र, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

जहानाबाद
23 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान

जहानाबाद जिले को दी 252 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात
- मुख्यमंत्री ने 70 करोड़ रुपये की लागत से 88 योजनाओं का उद्घाटन एवं 182 करोड़ रुपये की लागत से 73 योजनाओं का किया शिलान्यास।
- मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये ।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री सह जहानाबाद जिला के प्रभारी मंत्री श्री अशोक चौधरी, सहकारिता मंत्री डॉ० प्रमोद कुमार, विधायक श्री ऋतुराज कुमार, विधान पार्षद श्री अनिल कुमार, विधान पार्षद श्रीमती कुमुद वर्मा सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण व अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

अरवल

23 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान अरवल जिले को दी 153 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात, 272 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास ।
- मुख्यमंत्री ने जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा। अधिकारियों को दिये तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश।

समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री अशोक चौधरी, पंचायती राज एवं अरवल जिले के प्रभारी मंत्री श्री दीपक प्रकाश, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/प्रधान सचिव/सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री छत्रनील सिंह, अरवल की जिलाधिकारी श्रीमती अमृषा बैंस, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कैमूर

24मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान कैमूर जिले को दी 209 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- 204 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास।
- जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा। अधिकारियों को दिये तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश।

जन संवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, कृषि एवं कैमूर जिला के प्रभारी मंत्री श्री रामकृपाल यादव एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो० जमां खान ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री भरत बिंद, विधायक श्रीमती संगीता कुमारी, विधान पार्षद श्री संतोष कुमार सिंह, पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

रोहतास

24 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान रोहतास जिले को दी 480 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- 159 करोड़ रुपये की लागत से 179 योजनाओं का उद्घाटन एवं 321 करोड़ रुपये की लागत से 129 योजनाओं का किया शिलान्यास।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को दिये तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सह रोहतास जिले के प्रभारी मंत्री श्री सुनील कुमार, पंचायती राज मंत्री श्री दीपक प्रकाश, जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री संतोष कुमार मल्ल, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, जिलाधिकारी श्रीमती उदिता सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रौशन कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जनसंवाद में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री सह रोहतास जिले के प्रभारी मंत्री श्री सुनील कुमार, पंचायती राज मंत्री श्री दीपक प्रकाश, विधायक श्री बशिष्ठ सिंह, विधायक श्री मुरारी प्रसाद गौतम, विधायक श्रीमती स्नेहलता, विधायक श्री नागेंद्र चंद्रवंशी, विधायक श्री आलोक कुमार सिंह, विधायक श्री राजीव रंजन सिंह, विधान पार्षद श्रीमती निवेदिता सिंह सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

बक्सर

25मार्च,2026

मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान बक्सर जिले को दी 592 करोड रुपये की योजनाओं की सौगात, 64 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास ।

जिले में चल रही विभिन्न विकासात्मक योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो० जमा खान, विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, संबद्ध विभागों के अपर मुख्य सचिव / सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री अनिमेश कुमार पराशर, शाहाबाद प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक डॉ० सत्यप्रकाश, बक्सर की जिलाधिकारी श्रीमती साहिला, पुलिस अधीक्षक श्री शुभम आर्य सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

जन संवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी एवं जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया।

इस अवसर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो० जमा खान, विधायक श्री संतोष निराला, विधायक श्री आनंद मिश्रा, विधायक श्री राहुल कुमार सिंह, पूर्व विधान पार्षद श्री हुलास पांडेय, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

भोजपुर

25 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान भोजपुर जिले को दी 466 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात
- 197 करोड़ रुपये की लागत से 494 योजनाओं का उद्घाटन एवं 269 करोड़ रुपये की लागत से 227 योजनाओं का किया शिलान्यास।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री सह भोजपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधान परिषद के सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, श्रम संसाधन मंत्री श्री संजय सिंह टाइगर, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री लोकेश कुमार सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय श्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, भोजपुर के जिलाधिकारी श्री तनय सुल्तानिया, पुलिस अधीक्षक श्री राज सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे

समीक्षा बैठक में निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री सह भोजपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधान परिषद के सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, श्रम संसाधन मंत्री श्री संजय सिंह टाइगर, संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव / सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, भोजपुर के जिलाधिकारी श्री तनय सुल्तानिया, पुलिस अधीक्षक श्री राज सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री सह भोजपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधान परिषद के सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह, श्रम संसाधन मंत्री श्री संजय सिह टाइगर, विधायक श्री भगवान सिंह कुशवाहा, विधायक श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, विधायक श्री राधाचरण साह, विधायक श्री महेश पासवान, विधायक श्री विशाल प्रशांत, विधायक श्री राजेश रंजन, विधान पार्षद श्री जीवन कुमार सहित पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

नालंदा

26 मार्च, 2026

- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान नालंदा जिले को दी 810 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात।
- 316 करोड़ रुपये की लागत से 110 योजनाओं का उद्घाटन एवं 494 करोड़

रुपये की लागत से 106 योजनाओं का किया शिलान्यास।

- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री सह नालंदा जिला के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, सांसद श्री कौशलेंद्र कुमार, विधायक डॉ० सुनील कुमार, विधायक श्री रूहेल रंजन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ० बी० राजेन्दर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री अनिमेष पराशर, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री जितेंद्र राणा, नालंदा जिला के जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री भारत सोनी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

समीक्षा बैठक में जल संसाधन मंत्री सह नालंदा जिला के प्रभारी मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, विकास आयुक्त श्री मिहिर कुमार सिंह, संबद्ध विभागों के अपर मुख्य सचिव/ प्रधान सचिव/सचिव, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री अनिमेष पराशर, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक श्री जितेंद्र राणा, नालंदा जिला के जिलाधिकारी श्री कुंदन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री भारत सोनी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री सह पटना जिला के प्रभारी श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, विधायक श्री श्याम रजक, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक श्री विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ० चंद्रशेखर सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त श्री अनिमेष कुमार पराशर, जिलाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस०एम०, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कार्तिकेय के० शर्मा सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

पटना

26 मार्च, 2026

- सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र
- मुख्यमंत्री ने समृद्धि यात्रा के दौरान पटना जिले को दी 1,056 करोड़ रुपये की सौगात।
- 473 करोड़ रुपये की लागत से 761 योजनाओं का उद्घाटन तथा 583 करोड़ रुपये की लागत से 612 योजनाओं का किया शिलान्यास।
- विभिन्न योजनाओं का लिया जायजा, अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये।

जन संवाद कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री सह पटना जिले के प्रभारी मंत्री श्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, सांसद श्री रविशंकर प्रसाद एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह विधायक श्री नितिन नवीन ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधायक श्री सियाराम सिंह, विधायक श्री अरुण कुमार, विधायक श्री संजीव चौरसिया, विधायक श्री रत्नेश कुमार, विधायक श्री संजय कुमार, विधायक श्री श्याम रजक, विधायक श्री अरुण माँझी, विधायक श्री संदीप सौरभ, विधायक श्री सिद्धार्थ सौरव, विधान पार्षद श्री नवल किशोर यादव, विधान पार्षद श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद श्रीमती अनामिका पटेल, पूर्व विधायकगण, पूर्व विधान पार्षदगण, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

अररिया: सीमांचल की जीवंत पहचान

बिहार के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित अररिया जिला सीमांचल क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

अररिया जिला अपनी भौगोलिक स्थिति, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है। नेपाल की सीमा से सटा यह जिला न केवल सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सीमावर्ती व्यापार और सामाजिक-सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी केंद्र रहा है। मिथिला संस्कृति की छाप यहां के जनजीवन, भाषा और परंपराओं में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

अररिया का इतिहास प्राचीन काल से ही समृद्ध रहा है। यह क्षेत्र वैदिक काल में ज्ञान, संस्कृति और शासन व्यवस्था के लिए प्रसिद्ध था। यह क्षेत्र दार्शनिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा। मध्यकाल में यह क्षेत्र विभिन्न शासकों के अधीन रहा, जिससे यहां विविध सांस्कृतिक प्रभाव विकसित हुए। अररिया पहले पूर्णिया जिले का हिस्सा था। वर्ष 1964 में इसे अनुमंडल का दर्जा मिला और अंततः वर्ष 1990 में यह एक स्वतंत्र जिला बना।

यह ऐतिहासिक यात्रा दर्शाती है कि अररिया ने प्राचीन वैभव से लेकर आधुनिक प्रशासनिक संरचना तक एक लंबा और महत्वपूर्ण विकास क्रम तय किया है।

योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों ने बदली तस्वीर

अररिया जिला अपने समृद्ध इतिहास, कृषि आधारित अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक विविधता के कारण बिहार के विकास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यद्यपि यह जिला बाढ़ और पिछड़ेपन जैसी चुनौतियों से जूझता रहा है, लेकिन वर्तमान समय में विकास की नई धारा यहां स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रही योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों ने अररिया को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। आज अररिया न केवल अपनी चुनौतियों से उबरने का प्रयास कर रहा है, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित जिले के रूप में उभरने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

स्थापना वर्ष:	1990
क्षेत्रफल:	2,830 वर्ग किमी
कुल जनसंख्या:	28 लाख
प्रखंड:	09
पंचायत:	218
प्रमुख शहर:	अररिया, फारबिसगंज, जोकीहाट
साक्षरता दर:	लगभग 53%
प्रमुख भाषा:	हिंदी, मैथिली, उर्दू

गांव प्रधान जिला

अररिया एक गांव प्रधान जिला है, जहां अधिकांश जनसंख्या कृषि और उससे संबंधित गतिविधियों पर निर्भर है। सामाजिक-आर्थिक दृष्टि से यह जिला अभी

भी विकास की प्रक्रिया में है, परंतु संभावनाओं से भरपूर है।

आर्थिक गतिविधियां और आजीविका

अररिया की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि आधारित है। यहां की उपजाऊ जलोढ़ मिट्टी और पर्याप्त वर्षा कृषि के लिए अनुकूल परिस्थितियां प्रदान करती हैं। जूट उत्पादन के कारण यह क्षेत्र औद्योगिक संभावनाओं से भी जुड़ा हुआ है, विशेषकर जूट आधारित उद्योगों के विकास की असीम संभावनाएं हैं। ये सभी गतिविधियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सहारा प्रदान करने वाली हैं। सीमावर्ती स्थिति के कारण नेपाल के साथ छोटे स्तर पर व्यापारिक गतिविधियां भी होती हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करती हैं।

प्राकृतिक चुनौतियां

अररिया जिला कोसी और उसकी सहायक नदियों के प्रभाव क्षेत्र में स्थित है। इसके कारण यहां बाढ़ एक स्थायी समस्या रही है। लगभग हर वर्ष बाढ़ से कृषि और आवासीय क्षेत्रों को नुकसान होता है। आधारभूत संरचना प्रभावित होती है।

विस्थापन और आजीविका का संकट उत्पन्न होता है। फिर भी, यही बाढ़ क्षेत्र की भूमि को उपजाऊ भी बनाती है, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।

विकास की प्रमुख पहलें

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार द्वारा सीमांचल क्षेत्र, विशेषकर अररिया, के विकास के लिए अनेक योजनाओं को लागू किया गया है।

प्रमुख कृषि फसलें

- धान (मुख्य फसल)
- मक्का (व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण)
- जूट (नकदी फसल)
- गेहूं एवं दलहन
- इसके अतिरिक्त:
- पशुपालन (डेयरी)
- पोल्ट्री
- मत्स्य पालन

1. सड़क एवं कनेक्टिविटी
ग्रामीण सड़कों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण किया गया है, जिससे गांवों को प्रखंड एवं जिला मुख्यालय से जोड़ने में सुविधा हुई है।

2. हर घर नल-जल योजना
ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक स्तर पर पाइपलाइन और जल आपूर्ति व्यवस्था विकसित की गई है।

3. शिक्षा और स्वास्थ्य
नए विद्यालय भवनों का निर्माण किया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण हुआ है। प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार किए गये हैं। इन पहलों से मानव विकास के स्तर में सुधार हो रहा है।

4. पंचायती राज सशक्तीकरण
पंचायत सरकार भवनों के निर्माण और डिजिटल सेवाओं के विस्तार के माध्यम से स्थानीय शासन को मजबूत किया गया है। इससे ग्रामीण स्तर पर सेवाओं की उपलब्धता बढ़ी है।

5. कृषि और सिंचाई
सिंचाई सुविधाओं में सुधार और कृषि योजनाओं के विस्तार से किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भविष्य की संभावनाएं

अररिया में विकास की अपार संभावनाएं हैं। कृषि आधारित उद्योग (जूट, फूड प्रोसेसिंग), सीमावर्ती व्यापार विस्तार, ग्रामीण उद्यमिता, स्वयं सहायता समूह और डिजिटल सेवाओं के विस्तार से इस जिले की बेहतरी की असीम संभावनाएं हैं।

बिहार संग्रहालय

परिचय

बिहार संग्रहालय, पटना राज्य की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक विरासत को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने वाला एक विश्वस्तरीय संग्रहालय है। इसका उद्देश्य बिहार के गौरवशाली अतीत को नई पीढ़ी तक रोचक और इंटरैक्टिव तरीके से पहुंचाना है।

स्थापना एवं उद्देश्य

यह संग्रहालय आधुनिक अवधारणा पर आधारित है, जहां मानव इतिहास (Human History) को केंद्र में रखकर ऐतिहासिक सामग्रियों को प्रदर्शित किया गया है।
संग्रहालय में प्राचीन मूर्तियां, पांडुलिपियां, सिक्के, टेराकोटा एवं मौर्यकालीन अवशेष प्रदर्शित हैं।

टिकट शुल्क

- सामान्य प्रवेश (10 AM – 5 PM):
- भारतीय वयस्क: ₹100
- बच्चे: ₹50
- विदेशी वयस्क: ₹500
- विदेशी बच्चे: ₹250
- स्कूल समूह: ₹25 प्रति छात्र
- शाम का टिकट (5 PM – 7 PM):
- भारतीय वयस्क: ₹50
- बच्चे: ₹25

प्रमुख विशेषताएँ

(USP – Unique Selling Points)

इंटरएक्टिव एवं आधुनिक प्रस्तुति: डिजिटल, ऑडियो-विजुअल और अनुभवात्मक प्रदर्शन

चिल्ड्रेन गैलरी: बच्चों के लिए भारत के सबसे उन्नत और इंटरएक्टिव लर्निंग स्पेस में से एक

इतिहास का समग्र चित्रण: प्रागैतिहासिक काल से आधुनिक बिहार तक का क्रमिक विवरण

वर्ल्ड-क्लास आर्किटेक्चर: भारतीय एवं जापानी आर्किटेक्ट्स द्वारा निर्मित आधुनिक परिसर

सांस्कृतिक पहचान का केंद्र: बिहार की लोक कला, परंपरा और विरासत का जीवंत प्रदर्शन

गैलरी

बिहार संग्रहालय में विभिन्न विषयों पर आधारित अनेक गैलरियां स्थापित हैं, जिनमें प्रमुख हैं:

- **ओरिएंटेशन, चिल्ड्रेन, हिस्ट्री गैलरी (A, B, C)**
- **रीजनल/फोक आर्ट गैलरी**
- **हिस्टोरिकल आर्ट गैलरी**
- **बिहारी डायस्पोरा गैलरी**
- **विजिबल स्टोरेज गैलरी**
- **कंटेम्परेरी आर्ट गैलरी**

कुल मिलाकर संग्रहालय में लगभग 8–10 प्रमुख गैलरी सेक्शन हैं, जिनमें अलग-अलग विषयों की प्रदर्शनी की गई है।

कार्य दिवस एवं समय

- **साप्ताहिक अवकाश: सोमवार**
- **खुलने के दिन: मंगलवार से रविवार**
- **गैलरी समय: सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक**
- **अन्य सुविधाए (Children's Gallery आदि): शाम 7:00 बजे तक**
- **रेस्तरां: रात 9:00 बजे तक**

माननीय मुख्यमंत्री की दृष्टि

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की परिकल्पना के अनुरूप बिहार संग्रहालय को इस दृष्टि से विकसित किया गया है कि

- बिहार की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित एवं प्रदर्शित किया जाए
- नई पीढ़ी में राज्य के प्रति गौरव एवं पहचान की भावना विकसित हो
- शिक्षा, अनुसंधान और पर्यटन को बढ़ावा मिले
- बिहार को सांस्कृतिक एवं ज्ञान केंद्र (Knowledge Hub) के रूप में स्थापित किया जा सके

बिहार की सांस्कृतिक धरोहर और स्वाद का प्रतीक

"मालपुआ" खाते ही "एक और" की मांग

मालपुआ यह नाम सुनते ही मुंह में चाशनी का स्वाद आ जाता है। इसे किसी मेहमान या घर के सदस्य को परोसने के बाद हमेशा ही " एक और! " की मांग जरूर होती है।

मालपुआ की उत्पत्ति का इतिहास उतना ही प्राचीन है जितना भारतीय संस्कृति स्वयं। वैदिक काल में इसे 'अपुपा' या 'पुआ' के नाम से जाना जाता था। ऋग्वेद के ग्रंथों में इसका प्रारंभिक उल्लेख मिलता है, जहां जौ के आटे को घी में तलकर शहद या गूड़ की चाशनी में डुबोया जाता था। यह तब भोग के रूप में देवताओं को अर्पित किया जाता था। समय के साथ यह व्यंजन विकसित होता गया। प्राचीन ग्रंथों जैसे मनुस्मृति और चरक संहिता में भी इसके विविध रूपों का जिक्र है। मध्यकाल में ओडिशा के पुरी जगन्नाथ मंदिर ने इसे 56 भोगों में शामिल कर अपनी विशेष पहचान दी। 16वीं शताब्दी में राजा गजपति प्रतापरुद्र देव के शासनकाल में मालपुआ को राजसी भोज का हिस्सा बनाया गया।

यहां इसे दूध, मैदा, सौंफ और केसर से तैयार किया जाता था, जो आज भी मंदिर की परंपरा का आधार है।

भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मालपुआ के रूप बदलते गए। बंगाल में इसे 'मालपोआ' कहा जाता है, जबकि राजस्थान और गुजरात में सूखे मेवों से युक्त बनाया जाता है। लेकिन बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में यह 'पुआ' के नाम से प्रसिद्ध हुआ। बिहार में गया जिले की पाककला परंपरा मालपुआ को विशेष ऊंचाई प्रदान करती है। प्राचीन काल से बौद्ध और जैन ग्रंथों में भी इसके सेवन का उल्लेख है, जो बोधगया जैसे तीर्थस्थलों से जुड़ा है। इस प्रकार मालपुआ की उत्पत्ति धार्मिक अनुष्ठानों से शुरू होकर लोकप्रिय जनव्यंजन बन गई। यह यात्रा हजारों वर्षों की सांस्कृतिक यात्रा को दर्शाती है, जहां सादगी और स्वाद का मेल हुआ।

गया की पाककला में महुआ फूल का मालपुआ

चैत्र नवरात्रि और रामनवमी पर मालपुआ का महत्व और भी गहरा है। बिहार के मंदिरों में कलश स्थापना के साथ ही मालपुआ प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है। रामनवमी पर गया, पटना और मुजफ्फरपुर जैसे शहरों में विशाल भंडारे आयोजित होते हैं, जहां हजारों मालपुए वितरित किए जाते हैं। यह समृद्धि और संतान प्राप्ति का प्रतीक माना जाता है। दीवाली और छठ पूजा में भी इसे शामिल किया जाता है। बिहारी संस्कृति में नई बहू को ससुराल में पहली बार मालपुआ बनाने की परंपरा है, जो कौशल और घर की समृद्धि का प्रमाण है। गया की पाककला में महुआ फूल से बने मालपुआ विशेष हैं, जो आदिवासी संस्कृति से जुड़े हैं। इस प्रकार मालपुआ बिहार की सामाजिक संरचना, धार्मिक आस्था और पारिवारिक बंधनों को जोड़ता है। यह बिहार की सांस्कृतिक विविधता को प्रतिबिंबित करता है, जहां हिंदू, बौद्ध और लोक परंपराएं एकाकार हो जाती हैं।

अब बात करते हैं बिहार की सांस्कृतिक विरासत से मालपुआ के गहरे संबंध की। बिहार, जो प्राचीन मगध साम्राज्य की भूमि है, अपनी लोक संस्कृति में त्योहारों को विशेष महत्व देता है। होली के दौरान मालपुआ बिहार का पर्याय बन जाता है। यहां कहा जाता है, 'पुआ बिना होली जैसे बिना रंग टोली'। ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी घरों तक, होली की पूर्व संध्या पर महिलाएं आटा गूंथती हैं, चाशनी उबालती हैं और घी में सुनहरे पुए तलती हैं। इन्हें आलू दम, कटहल की सब्जी के साथ परोसा जाता है। यह परंपरा सामुदायिक एकता को मजबूत करती है, जहां पड़ोसी एक-दूसरे के घर मालपुआ बांटते हैं। मालपुआ के स्वास्थ्य लाभों पर चर्चा करते हुए यह स्पष्ट करना जरूरी है कि यह संतुलित मात्रा में सेवन करने पर लाभकारी है। एक औसत मालपुआ (लगभग 50 ग्राम) में 300-350 कैलोरी ऊर्जा होती है, जिसमें 35 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 10 ग्राम वसा, 50 मिलीग्राम कैल्शियम और 1 मिलीग्राम आयरन प्रमुख हैं। कार्बोहाइड्रेट त्वरित ऊर्जा प्रदान करते हैं, जो श्रमिक वर्ग के लिए आदर्श है। कैल्शियम हड्डियों को मजबूत बनाता है, जबकि आयरन रक्त में हीमोग्लोबिन बढ़ाकर एनीमिया से लड़ता है।

बिहारी मालपुआ में केले का उपयोग पाचन को बेहतर बनाता है। केला प्रीबायोटिक फाइबर से भरपूर होता है, जो आंतों के बैक्टीरिया को संतुलित रखता है। सौंफ और इलायची पाचन एंजाइमों को सक्रिय कर अपच और गैस की समस्या दूर करती हैं। केसर तनाव कम करने और मूड सुधारने में सहायक है। पारंपरिक रूप से महुआ फूल से बने मालपुआ में एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर होते हैं, जो इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। चरक संहिता में अपुपा को वात-पित्त शामक बताया गया है। हालांकि, अधिक घी-चीनी के कारण डायबिटीज या मोटापे वाले व्यक्तियों को इसे कम खाएं। आधुनिक रूप में ज्वार या बाजरा आटे से बने मालपुआ ग्लूटेन-फ्री और कम कैलोरी वाले होते हैं। इस प्रकार मालपुआ पोषण और स्वाद का स्रोत है, बशर्ते संयम बरता जाए।मालपुआ बनाने की सरल विधि भी इसकी लोकप्रियता का राज है। मैदा या आटे में दूध, चीनी, केला मैश कर केसर-सौंफ मिलाकर घोल तैयार करें। घी गरम कर छोटे-छोटे पुए तलें और गाढ़ी चाशनी में डुबो दें। बिहार में सूखे मेवे या नारियल से सजाया जाता है। यह घरेलू व्यंजन होने से हर वर्ग तक पहुंचा।

आज के दौर में मालपुआ बिहार की पहचान बन चुका है। पर्यटन विभाग इसे प्रचारित कर रहा है, और स्ट्रीट फूड में इसकी मांग बढ़ी है। लेकिन व्यावसायीकरण के बीच पारंपरिक स्वाद को संरक्षित रखना चुनौती है। बिहार सरकार की 'एक जिला एक उत्पाद' योजना में गया को मालपुआ से जोड़ा जा सकता है। कह सकते हैं कि मालपुआ बिहार की आत्मा है। इसकी उत्पत्ति वैदिक काल से, सांस्कृतिक जुड़ाव त्योहारों से और स्वास्थ्य लाभ पोषण से जुड़े हैं। यह व्यंजन हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है। बिहार का स्वाद, बिहार का गौरव मालपुआ।

AI की मदद से अब गन्ने की स्मार्ट खेती

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने गन्ना क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से किसानों की आय दोगुनी करने का सपना साकार हो रहा है, जो राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रही है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने गन्ना क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से किसानों की आय दोगुनी करने का सपना साकार हो रहा है, जो राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रही है। मुख्यमंत्री का स्पष्ट मानना है कि कृषि के विकास के बिना राज्य का कोई विकास संभव नहीं। इसी सोच से गन्ना किसानों को मजबूत बनाने हेतु नई चीनी मिलों की स्थापना और गन्ने की खेती विस्तार में तेजी आई है। सरकार का लक्ष्य चीनी मिलों को कच्चे माल की कमी से बचाना है, जिससे किसान स्थिर आय सुनिश्चित कर सकें।

राज्य की नीतीश सरकार चाहती है कि आने वाले समय में चीनी मिलों को गन्ने की कमी का सामना न करना पड़े इसी दिशा में Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, पूसा के ईख अनुसंधान केंद्र में गन्ने की नई किस्मों और आधुनिक तकनीकों पर शोध शुरू कर दिया गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि AI की मदद से गन्ने की खेती करने पर किसानों की उपज में 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है।

अब किसानों को एआई बताएगा खेती का तरीका

गन्ना किसानों को खेती के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा मिलेगा। AI आधारित तकनीक के जरिए किसानों को मिट्टी की स्थिति, सिंचाई का सही समय, खाद की मात्रा और रोग नियंत्रण जैसी महत्वपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इससे किसानों को सही समय पर सही फैसले लेने में मदद मिलेगी और पैदावार भी बढ़ेगी। अगर किसान वैज्ञानिक तरीके से गन्ने की खेती

25 नई चीनी मिलों की होगी स्थापना

मुख्यमंत्री के आदेश के आलोक में राज्य में बंद पड़ी चीनी मिलों को चालू कराने के साथ ही 25 नई चीनी मिलों की स्थापना होनी है। राज्य सरकार ने सात निश्चय 3 के तहत बिहार के विभिन्न जिलों में नई चीनी मिलों की स्थापना करने के साथ ही बंद चीनी मिलों का पुनरूद्धार करने का निर्णय लिया है। फिलहाल पटना, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, सारण, सिवान, गोपालगंज, मुजफ्फरपुर, पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, शिवहर, सीतामढ़ी, दरभंगा, मधुबनी, सुपौल, समस्तीपुर, वैशाली, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जमुई, बांका और पूर्णिया जिले में चीनी मिल लगाने की संभावना है। राज्य में करीब दस चीनी मिलें वर्तमान में कार्यरत है, जिसमें बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज, मझौलिया, लौरिया, सुगौली, गोपालगंज जिले के विष्णु और सिधवलिया चीनी मिल, सीतामढ़ी के रीगा और समस्तीपुर के हसनपुर चीनी मिल शामिल है।

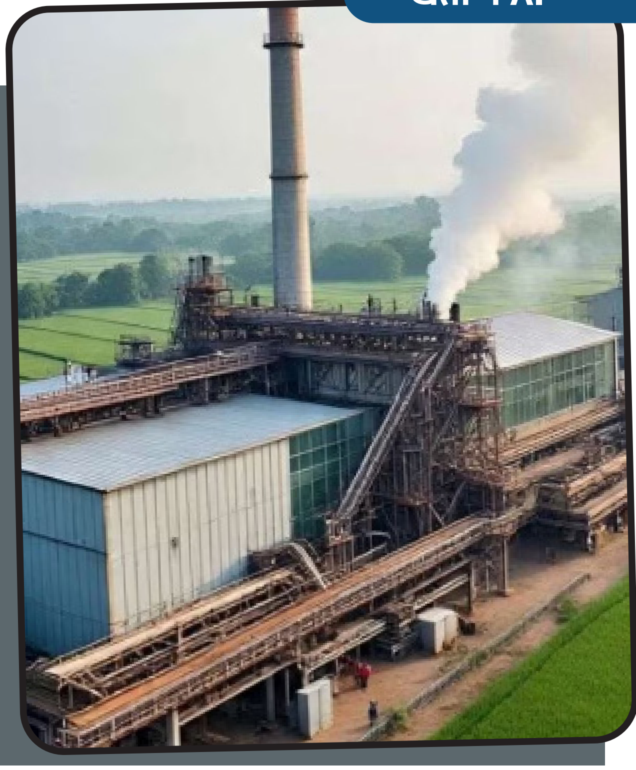

करते हैं तो लागत कम होगी और उत्पादन ज्यादा मिलेगा। हाल ही में देश के कई प्रमुख शुगर रिसर्च संस्थानों के वैज्ञानिक पटना के एक कार्यशाला में शामिल हुए थे। इसमें वसंतदादा शुगर इंस्टिट्यूट, शुगरकेन ब्रीडिंग इन्स्टिट्यूट कोयंबटूर और इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च लखनऊ के विशेषज्ञों ने भाग लिया था, जिसमें उन्होंने बताया कि AI और आधुनिक तकनीक अपनाने से गन्ने की खेती ज्यादा लाभदायक बन सकती है और किसानों की आय भी बढ़ेगी।

तकनीक के सहारे खेती करने से किसानों का विकास संभव

बता दें कि अभी हाल ही में माननीय डिप्टी सीएम श्री सम्राट चौधरी ने कहा कि अब समय आ गया है कि लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को अपनी ताकत बनाया जाए। इससे खेती और गन्ना प्रोडक्शन के क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ सकता है। उन्होंने कहा कि तकनीक के सहारे खेती करने से किसानों का विकास संभव है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी बताया कि पिछले बजट में खेती से जुड़ी नई तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने का प्रावधान किया गया है और इसके लिए बजट भी उपलब्ध कराया गया है।

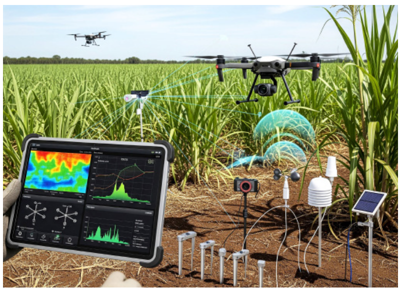

आधुनिक यंत्रों पर 50% से 70% तक अनुदान

गौरतलब है कि राज्य की नीतीश सरकार चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2026 की प्रोत्साहन नीति तैयार कर रही है। नीतीश सरकार का मकसद है कि गन्ना खेती को बढ़ावा मिले, किसानों की आय बढ़े और बिहार के लोगों को अपने ही राज्य में रोजगार के अवसर मिल सकें। माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बिहार के गन्ना किसानों को सशक्त बनाने के लिए गन्ना यंत्रीकरण योजना के तहत आधुनिक यंत्रों पर 50% से 70% तक अनुदान (subsidy) की सौगात दी है। इसके साथ ही, अगले 5 वर्षों में 25 नई चीनी मिलें स्थापित करने और 2025-26 के लिए गन्ने का लाभकारी मूल्य (FRP) ₹355 प्रति क्विंटल तय करने की घोषणा की है। सबसे अच्छी बात यह है कि गन्ना यंत्रीकरण योजना के तहत कुल 466 गन्ना किसानों का चयन किया गया , जिसमें मार्च के पहले हफ्ते में ही 361 किसानों द्वारा विभिन्न प्रकार के गन्ना यंत्रों की खरीद हुई है।

राज्य में उच्च गुणवत्ता वाले गुड़ का होगा उत्पादन

बिहार में उच्च गुणवत्ता वाले गुड़ का उत्पाद सुनिश्चित करने के लिए गन्ना अनुसंधान संस्थान पूसा को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने 5 करोड़ 69 लाख 65 हजार रुपये की स्वीकृति दी है। प्रथम वर्ष के लिए राज्य सरकार ने राशि भी जारी कर दिया है। 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के माध्यम से बिहार में उच्च गुणवत्ता वाले गुड़ का उत्पादन करने के लिए कार्य किए जाएंगे, जिसमें गन्ना और मूल्यवर्धित गुड़ उत्पादों के लिए प्रभावी लागत, ऊर्जा कुशल, आधुनिक प्रसंस्करण, गुड़ की बेहतर पैकेजिंग और उसके भंडारण के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास किया जाएगा। इसके साथ ही उच्च गुणवत्ता वाले आकर्षक गुड़ का उत्पाद सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक तकनीकों को बढ़ावा दिया जाएगा ताकि खराब गुणवत्ता वाले गुड़ जिसकी वर्तमान में बाजार में कम कीमत मिलती हो उसकी समस्या का समाधान किया जाएगा।

पटना में टूरिज्म और कल्चरल हेरिटेज को मिलेगी नई पहचान

यह 'हेरिटेज टनल' बिहार म्यूजियम को पटना म्यूजियम से जोड़ेगी और एक आर्ट गैलरी जैसी होगी। 542 करोड़ की लागत से बनने वाली 1.5 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड सुरंग के निर्माण का उद्घाटन पिछले दिनों माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया। इसे 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की परिकल्पना ने बिहार को नई पहचान दी है। बिहार म्यूजियम, पटना म्यूजियम का विस्तार, बापू टॉवर, साइंस सिटी, विधान सभा डिजिटल म्यूजियम इन परियोजनाओं को दूरदर्शी मुख्यमंत्री की सोच ने साकार किया है।

मेट्रो रेल, एलिवेटेड रोड, गंगा पाथ-वे, डबल डेकर ब्रिज, मेगा ब्रिज, अंडरपास,फ्लाईओवर बदलते बिहार की कहानी कह रहे हैं। अब बिहार की राजधानी पटना में भारत के पहले 'हेरिटेज टनल' का निर्माण हो रहा है। इससे बिहार की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और उंचाई मिलेगी।

2010 में, पटना म्यूजियम के दौरे के दौरान, माननीय मुख्यमंत्री ने देखा कि राज्य की 80 प्रतिशत तक पुरातात्विक वस्तुएं प्रदर्शन की जगह न होने के कारण ट्रंक में बंद थीं। पूर्व मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह इसे नए म्यूजियम के विचार की शुरुआत बताते हैं, जिसके वह पहले नोडल अधिकारी बने। अभी महानिदेशक पद पर कार्यरत हैं। अब उस पुराने म्यूजियम (पटना म्यूजियम) और नये म्यूजियम (बिहार म्यूजियम) को जोड़ने के लिए 'हेरिटेज टनल' बनाया जा रहा है।

इस विश्व स्तरीय 'हेरिटेज टनल' को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह सुरंग पटना म्यूजियम, विद्यापति मार्ग, तारामंडल क्रॉसिंग, इनकम टैक्स गोलंबर, पटना विमेंस कॉलेज और बिहार म्यूजियम सहित कई प्रमुख जगहों से होकर गुजरेगा। दो म्यूजियम को जोड़ने वाली यह अपनी तरह की भारत की पहली सुरंग है।

इस टनल के बनने से दोनों म्यूजियम की आपसी कनेक्टिविटी बेहतर होगी और

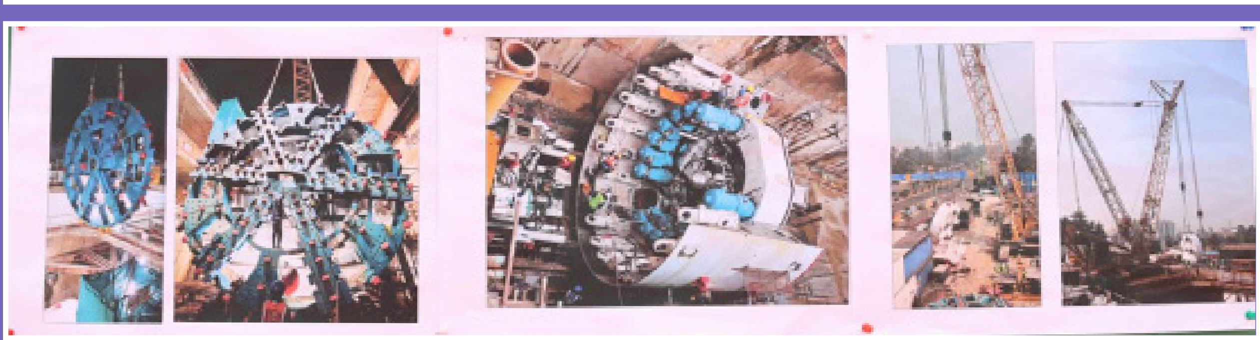

हेरिटेज टनल क्यों खास है

यह हेरिटेज टनल सिर्फ आवाजाही के लिए एक रास्ता नहीं है, बल्कि यह भारत की पहली अंडरग्राउंड आर्ट गैलरी के रूप में विकसित की जा रही है। इसकी कुछ खास बातें इसे वर्ल्ड-क्लास बनाती हैं।

पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। यह सुरंग एक आर्ट गैलरी की तरह होगी, जिसमें मधुबनी पेंटिंग्स के द्वारा राज्य की कला, संस्कृति, विरासत, भित्तिचित्र और अन्य कलाकृतियों को सुरंग की दीवारों पर प्रदर्शित किया जाएगा। एंट्री और एग्जिट बिल्डिंग में एक भूतल और प्रथम तल पर होगा और इसमें तीन-लेवल का बेसमेंट होगा।

राजधानी पटना में टूरिज्म और कल्चरल हेरिटेज को नई पहचान देने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की शुरुआत हो गई है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों बिहार म्यूजियम और पटना म्यूजियम को जोड़ने वाली हेरिटेज टनल के निर्माण कार्य का औपचारिक शुभारंभ किया। इसकी खुदाई शुरू हो गई है। 542 करोड़ रुपये की लागत से बन रही लगभग 1.5 किमी लंबी

यह टनल जमीन से लगभग 15 से 20 मीटर नीचे तैयार की जा रही है। खास बात यह है कि यह भारत की पहली ऐसी टनल होगी जो दो बड़े म्यूजियम को जोड़ेगी और इसे एक आर्ट गैलरी के तौर पर विकसित किया जाएगा।

CM ने पैदल जाकर किया इंस्पेक्शन

यह परियोजना मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के कई 'ड्रीम प्रोजेक्ट' में से एक है। इसके टनल की खुदाई का शुभारंभ करने के बाद निर्माण स्थल और कार्यों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री पैदल चले। बिहार म्यूजियम में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर टनल बोरिंग मशीन (TBM) को चालू किया। और निर्माण स्थल का जायजा लेने निकल गये। अधिकारियों के बार-बार गाड़ी में बैठने के लिए कहने के बावजूद, मुख्यमंत्री ने पैदल ही टनल की गहराई और सेफ्टी स्टैंडर्ड का जायजा लेना पसंद किया। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को टनल बनाने की पूरी प्रक्रिया, सेफ्टी स्टैंडर्ड और टेक्निकल बातों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रोजेक्ट तय समय में पूरा हो और क्वालिटी बनी रहे।

मधुबनी पेंटिंग से सजी होंगी दीवारें

टनल की पूरी लंबाई (लगभग 1.5 किलोमीटर) में, बिहार की मशहूर मधुबनी

पेंटिंग, म्यूरल, ऐतिहासिक कलाकृतियां और राज्य की सांस्कृतिक विरासत दीवारों पर दिखाई जाएंगी। इससे टनल खुद एक आर्ट गैलरी बन जाएगी, जिससे यहां आने वाले लोग बिहार की समृद्ध कला, संस्कृति और इतिहास को करीब से देख पाएंगे।

दिव्यांग या वृद्धजन के लिए गोल्फ कार राइड

दिव्यांग या वृद्धजन जो 1.5 किलोमीटर पैदल नहीं चल सकते, उनके लिए टनल के अंदर बैटरी से चलने वाली गोल्फ कारें उपलब्ध होंगी। दोनों सिरों पर मॉडर्न एलिवेटर और सीढ़ियां भी लगाई जाएंगी, जिससे बुजुर्ग और दिव्यांग लोग भी आसानी से आ-जा सकेंगे। टनल के अंदर का वातावरण पूरी तरह से एयर-कंडीशन्ड होगा, जिससे लोगों को किसी भी मौसम में कोई परेशानी नहीं होगी।

खुदाई के लिए सिंगापुर से मंगाई गई मशीन

टनल की खुदाई के लिए एक लेटेस्ट टनल बोरिंग मशीन (TBM) का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह मशीन जनवरी में सिंगापुर से मंगाई गई थी और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) की टेक्निकल मदद से इसे इंस्टॉल किया गया है। टनल की खुदाई जमीन के नीचे सुरक्षित और सही तरीके से की जाएगी। इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल दुनिया भर के बड़े शहरों में मेट्रो और अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट्स के कंस्ट्रक्शन में किया जाता है।

मेट्रो रूट के नीचे से गुजरेगी टनल

टनल का सबसे मुश्किल हिस्सा नेहरू पथ (बेली रोड) के पास है। यहां, यह टनल पटना मेट्रो टनल को क्रॉस करेगी। बताया जा रहा है कि इंजीनियरिंग के नजरिए से यह बहुत मुश्किल है। जहां म्यूज़ियम टनल जमीन से 15-20 मीटर नीचे होगी, वहीं इसके नीचे से गुजरने वाली मेट्रो टनल 29 मीटर की गहराई पर होगी। दोनों टनल के बीच लगभग 6.5 मीटर की सुरक्षित दूरी रखी जाएगी।

परियोजना के मुख्य विवरण

- सुरंग की विशेषता : यह एक आधुनिक और सुसज्जित अंडरग्राउंड टनल होगी।
- लागत: इस परियोजना पर कुल ₹542 करोड़ की लागत आएगी।
- लंबाई: सुरंग लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी होगी।
- उद्देश्य: इस परियोजना का लक्ष्य दोनों म्यूजियमों को आपस में जोड़कर पर्यटकों को एक बेहतर और निर्बाध अनुभव प्रदान करना है।
- शुरुआत: मुख्यमंत्री द्वारा मशीन का बटन दबाकर और शिलापट्ट का अनावरण करके कार्य की शुरुआत की गई।

तीन लेवल का होगा बेसमेंट

करीब 1.5 किलोमीटर लंबी हेरिटेज टनल पटना शहर की कई खास जगहों के नीचे से गुजरेगी। इनमें पटना म्यूज़ियम, विद्यापति मार्ग, तारामंडल क्रॉसिंग, इनकम टैक्स राउंडअबाउट, पटना विमेंस कॉलेज और बिहार म्यूज़ियम शामिल हैं। टनल में आने-जाने के लिए एक खास एंट्री-एग्जिट बिल्डिंग बनाई जाएगी। इसमें एक ग्राउंड फ्लोर, एक फर्स्ट फ्लोर और तीन लेवल का बेसमेंट होगा।

अभी, टूरिस्ट को बिहार म्यूज़ियम और पटना म्यूज़ियम के बीच आने-जाने के लिए भारी ट्रैफिक से गुजरना पड़ता है। यह टनल बन जाने के बाद, टूरिस्ट एक ही बार में दोनों म्यूज़ियम घूम सकेंगे।

इस विश्व स्तरीय 'हेरिटेज टनल' को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह सुरंग पटना म्यूजियम, विद्यापति मार्ग, तारामंडल क्रॉसिंग, इनकम टैक्स गोलंबर, पटना विमेंस कॉलेज और बिहार म्यूजियम सहित कई प्रमुख जगहों से होकर गुजरेगा। दो म्यूजियम को जोड़ने वाली यह अपनी तरह की भारत की पहली सुरंग है।

इस टनल के बनने से दोनों म्यूजियम की आपसी कनेक्टिविटी बेहतर होगी और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। यह सुरंग एक आर्ट गैलरी की तरह होगी, जिसमें मधुबनी पेंटिंग्स के द्वारा राज्य की कला, संस्कृति, विरासत, भित्तिचित्र और अन्य कलाकृतियों को सुरंग की दीवारों पर प्रदर्शित किया जाएगा। एंट्री और एग्जिट बिल्डिंग में एक भूतल और प्रथम तल होगा और इसमें तीन-लेवल का बेसमेंट होगा।

इस टनल के बन जाने से बिहार संग्रहालय और पटना संग्रहालय में लगे प्रदर्शों का लोग आसानी से एक जगह से दूसरी जगह जाकर अवलोकन कर सकेंगे। इससे पर्यटक बिहार की समृद्ध विरासत, इतिहास एवं संस्कृति को सहजता से देख एवं महसूस कर सकेंगे। बिहार की सांस्कृतिक आत्मा को समर्पित यह संग्रहालय बिहार की गौरवशाली परम्परा,

ज्ञान एवं सभ्यता से लोगों को परिचित करायेगा।

दो युगों के बीच एक अंडरग्राउंड मार्ग

बिहार म्यूजियम और पटना म्यूजियम दो युगों के दो छोड है। 'हेरिटेज टनल' इन दो युगों के बीच संपर्क का अंडरग्राउंड मार्ग बनेगा। बिहार म्यूजियम और पटना म्यूजियम दोनों का प्रबंधन बिहार म्यूजियम सोसाइटी द्वारा किया जाता है, जिसे सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत गठित किया गया है। राज्य सरकार हर महीने बिहार म्यूजियम के रखरखाव के लिए 2 करोड़ रुपये आवंटित करती है, यह दिखाता है कि यह इसे कितना महत्व दिया जाता है। बेली रोड पर जापानी डिजाइन वाला बिहार म्यूजियम का यह भवन कला का केंद्र बन गया है। माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 2015 में इसका उद्‌घाटन किया था।

1917 में बने पटना म्यूजियम के नवीनीकरण पर 158 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे हैं। राजस्थान के शिल्पकार इसकी लाल-और-सफेद दीवारों, छतरियों, गुंबदों और झरोखा-शैली की खिड़कियों की मरम्मत कर रहे हैं।

"पटना म्यूजियम जादूघर के नाम से भी जाना जाता है। इसके नवीनीकरण में पुराने जादूघर से बिहारी लोगों का भावनात्मक जुड़ाव ध्यान में रखा गया, क्योंकि पिछले एक सदी में कई पीढ़ियों ने इसे देखा है।

पटना का इंडियन हैबिटैट सेंटर

बिहार म्यूजियम ने खुद को एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में फिर से पेश किया है—जिसे अक्सर "पटना का इंडियन हैबिटैट सेंटर" कहा जाता है—जहां शहर के बुद्धिजीवी और प्रतिष्ठित लोग इकट्ठा होते हैं. वहीं, पुराने पटना म्यूजियम में नई पीढ़ी और परिवारों का जमावड़ा लग रहा है, जो इसके नए प्रदर्शनों को देख रहे हैं. पुरानी पीढ़ी इसे जादूघर या अजायबघर कहती है, एक रहस्यमयी जगह जिसमें कांच के बक्सों में खजाने बंद हैं।

बिहार म्यूजियम बिनाले

बिहार म्यूजियम बिनाले पटना में आयोजित होने वाला एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कला उत्सव है, जो हर दो साल में होने वाले बिहार बिनाले आफ म्यूजियम की मेजबानी बिहार म्यूजियम करता है। यह भारत का पहला संग्रहालय बिनाले है जो 'ग्लोबल साउथ' (एशिया, अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका) की संस्कृतियों को प्रदर्शित करता है।

लंदन में बन रहा खुफिया संग्रहालय

कल्चरल और हेरिटेज टूरिज्म को बढावा देने के लिए दुनिया के अलग अलग देशों में रोमांचकारी काम हो रहे हैं। लंदन में द्वितीय विश्व युद्ध के समय की सुरंगों (जो कभी बम स्टोर करने की जगहें थीं) को एक नए सैन्य खुफिया संग्रहालय में बदलने की योजना पर काम हो रहा है, जो एक अनूठा भूमिगत अनुभव प्रदान करेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस परियोजना का काम 2027 में शुरू होकर 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

ये ऐतिहासिक सुरंगें, जो कभी बम से बचाने के लिए उपयोग की जाती थीं, अब इतिहास और जासूसी की कहानियों को प्रदर्शित करेंगी। इस स्थान को एक विशेष संग्रहालय के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें 'शीत युद्ध' और अन्य ऐतिहासिक मिशनों को दिखाया जाएगा।

बिहार-बंगाल विभाजन के बाद पडी नींव

पटना म्यूजियम या पटना संग्रहालय, जिसे स्थानीय स्तर पर 'जादूघर' कहा जाता है, बिहार का सबसे पुराना संग्रहालय है। 1917 में स्थापित इस धरोहर को सर लैंसडाउन स्टीदेंसन ने 7 मार्च 1929 को समर्पित किया। यह इंडो-सारासेनिक और राजपूत शैली में बना है, जिसमें मौर्य, गुप्त काल की कलाकृतियां, 20 करोड़ वर्ष पुराना जीवाश्म पेड़ और प्रसिद्ध दीदारगंज यक्षी सुरक्षित हैं। 1912 में बिहार-बंगाल विभाजन के बाद, एक प्रांतीय संग्रहालय की आवश्यकता महसूस की गई, जिसके बाद 3 अप्रैल 1917 को इसकी स्थापना की गई।

शुरुआत में यह वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के आवास (पुराना गवर्नमेंट हाउस) में शुरू किया गया था।

1 फरवरी 1929 को इसे वर्तमान भवन में स्थानांतरित किया गया, जिसे राय बहादुर विष्णुस्वरूप ने डिजाइन किया था।

पटना म्यूजियम भवन की वास्तुकला इंडो-सारासेनिक (Indo-Saracenic) और राजपूत शैली के मिश्रण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसमें मुख्य गुंबद और पत्थर के झरोखे प्रमुख हैं। इसकी मुख्य धरोहरें दीदारगंज यक्षी और जीवाश्म वृक्ष है।

दीदारगंज यक्षी तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व की मौर्यकालीन पॉलिश की हुई पत्थर की प्रतिमा है। जबकि जीवाश्म वृक्ष लगभग 20 करोड़ वर्ष पुराना और 16 मीटर लंबा है।

वैशाली से प्राप्त बुद्ध की अस्थियां भगवान बुद्ध के अवशेष के तौर पर संरक्षित हैं। प्रथम विश्व युद्ध की तोप, पाल और गुप्त काल की दुर्लभ मूर्तियां, सिक्के, और पेंटिंग्स भी पटना म्यूजियम की धरोहरो में शामिल है। 2017 में बिहार संग्रहालय के बनने के बाद भी इसे अपनी ऐतिहासिक कलाकृतियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल माना जाता है, जहाँ मुगल और राजपूत शैली का अद्भुत मिश्रण देखा जा सकता है

बिहार म्यूजियम की स्थापना

पटना में स्थित आधुनिक बिहार संग्रहालय (Bihar Museum) की स्थापना बिहार की प्राचीन, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से की गई थी, जिसका उद्‌घाटन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चरणबद्ध तरीके से किया। यह 13.9 एकड़ में फैला हुआ है, जिसके पहले भाग (चिल्ड्रन गैलरी) का उद्‌घाटन अगस्त 2015 में और शेष गैलरियों का उद्‌घाटन अक्टूबर 2017 में हुआ। इसका उद्देश्य बिहार के प्राचीन इतिहास (1764 ईस्वी तक) की कलाकृतियों को आधुनिक तरीके से प्रदर्शित करना है।

नीतीश कुमार की ऊर्जा नीतियों की वैश्विक स्तर पर चर्चा

भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में बिहार की वैश्विक ऊर्जा विमर्श में मजबूत उपस्थिति सिर्फ एक तकनीकी-प्रदर्शन का विषय नहीं, बल्कि माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में शुरू हुई बिहार की ऊर्जा क्रांति का परिणाम है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बिजली को न सिर्फ विकास की जरूरत, बल्कि गरीबी उन्मूलन, रोजगार सृजन और ग्रामीण विकास का आधार स्तंभ बनाया। भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 के मंच पर 'फोकस स्टेट' के रूप में बिहार ने जिस आत्मविश्वास के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि राज्य अब ऊर्जा क्षेत्र में निवेश का एक उभरता हुआ और भरोसेमंद केंद्र बन चुका है। यशोभूमि, नई दिल्ली में इस वैश्विक आयोजन के दौरान बिहार ने न केवल अपनी उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, बल्कि वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के नेताओं के साथ मजबूत संवाद भी स्थापित किया।

समिट में बिहार पवेलियन चर्चा का बना रहा केंद्र

समिट में बिहार पवेलियन लगातार चर्चा का केंद्र बना रहा। बड़ी संख्या में आगंतुकों और प्रतिनिधियों ने स्टॉल पर पहुंचकर राज्य की ऊर्जा पहलों को करीब से समझा। बीएसपीएचसीएल की कोर टीम ने मौके पर मौजूद रहकर निवेशकों और आगंतुकों के साथ विस्तृत बातचीत की और संभावित सहयोग के रास्तों को टटोला। इस दौरान कई प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों के साथ सार्थक बैठकें हुईं, जिनमें भविष्य की परियोजनाओं पर गंभीर चर्चा हुई। समिट के दौरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बिहार के ऊर्जा क्षेत्र में गहरी रुचि देखने को मिली। विभिन्न देशों और संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बिहार की नीतियों और प्रगति को करीब से समझा। इन संवादों ने यह संकेत दिया

भविष्य का ऊर्जा विजन

समिट के दौरान बिहार ने अपने भविष्य के ऊर्जा विजन को भी मजबूती से प्रस्तुत किया। पीरपैंती की लगभग ₹30,000 करोड़ रुपये की परियोजना और कजरा की सौर एवं बैटरी स्टोरेज परियोजना इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। पंप्ड स्टोरेज नीति के तहत कुछ ही महीनों में ₹13,000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिलना राज्य के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी 2025 के तहत बिहार ने वर्ष 2030 तक 24 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और 6.1 गीगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है। निवेशकों के लिए ट्रांसमिशन शुल्क में छूट, ऊर्जा बैंकिंग, सिंगल विंडो क्लीयरेंस और कार्बन क्रेडिट जैसे प्रावधान राज्य को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना रहे हैं।

भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट 2026 में बिहार की यह प्रभावशाली भागीदारी केवल उपलब्धियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश है कि बिहार अब ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए निवेश, नवाचार और विकास का नया केंद्र बनने की दिशा में मजबूती से कदम रख चुका है।

कि राज्य अब वैश्विक ऊर्जा निवेश मानचित्र पर तेजी से अपनी जगह बना रहा है और आने वाले समय में बड़े निवेश आकर्षित करने की क्षमता रखता है।

ऊर्जा क्षेत्र में दो दशकों की यात्रा

बिहार की इस मजबूत छवि के पीछे पिछले 20 वर्षों में हुआ व्यापक परिवर्तन है। वर्ष 2005 में जहां राज्य को 700 मेगावाट से भी कम बिजली उपलब्ध होती थी, वहीं आज 8,700 मेगावाट से अधिक की मांग पूरी की जा रही है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में लगभग 24 घंटे बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है और 2.2 करोड़ से अधिक उपभोक्ता नेटवर्क से जुड़ चुके हैं। बिजली अब राज्य के हर गांव और घर तक पहुंच चुकी है, जिससे विकास की नई संभावनाएं खुली हैं। इस बदलाव की नींव मजबूत अवसंरचना विकास पर टिकी है। संचरण क्षमता में करीब 20 गुना वृद्धि, वितरण नेटवर्क का पांच गुना से अधिक विस्तार, ग्रिड सबस्टेशनों की संख्या 45 से बढ़कर 175 तक पहुंचना और ट्रांसफार्मरों में दस गुना से अधिक वृद्धि ये सभी उपलब्धियां बिहार को एक मजबूत और विश्वसनीय विद्युत नेटवर्क प्रदान करती हैं, जो औद्योगिक विकास को गति देने में सक्षम है। राज्य की वितरण कंपनियों ने भी उल्लेखनीय बदलाव दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2021 में 1,942 करोड़ रुपये के घाटे से निकलकर वित्त वर्ष 2025 में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के लाभ तक पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है। एटी एंड सी घाटा घटकर लगभग 15 प्रतिशत रह गया है और दोनों डिस्कॉम्स को 'ए' रेटिंग प्राप्त हुई है, जो उनकी बेहतर कार्यक्षमता और वित्तीय मजबूती को दर्शाती है।

ऊर्जा सेवाओं का डिजिटलीकरण

ऊर्जा सेवाओं के डिजिटलीकरण में बिहार ने अग्रणी भूमिका निभाई है। 87 लाख से अधिक स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा चुके हैं, जिससे पारदर्शिता और राजस्व संग्रहण में सुधार हुआ है। साथ ही ERP सिस्टम, एकीकृत आईटी डैशबोर्ड और केंद्रीकृत कमांड सेंटर जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं ने पूरे सिस्टम को अधिक कुशल और उत्तरदायी बनाया है। बिहार की नीतीश सरकार ने अगले पांच वर्षों में टीबीसीबी मोड में 81000 करोड़ रुपये के निवेश से राज्य की ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने की योजना बनायी है। इस योजना के तहत 38950 करोड़ रुपये पावर जनरेशन की ओर लगाए जायेंगे, 16194 करोड़ ट्रांसमिशन को मजबूत करने के लिए लगाए जायेंगे और 22951 करोड़ डिस्ट्रीब्यूशन तो सुदृढ़ बनाने में लगाए जायेंगे। इनके अतिरिक्त मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर के मेंटेनेंस और रख-रखाव के लिए 3346 करोड़ रुपये लगाए जायेंगे।

क्विज कॉर्नर

01 मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने खिलाड़ी अनु कुमारी को कितने रुपये का चेक प्रदान किया?

I. 23 लाख 43 हजार 750 रुपये
II. 23 लाख 45 हजार 650 रुपये
III. 23 लाख 20 हजार 800 रुपये
IV. 23 लाख 42 हजार 750 रुपये

02 बिहार में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण किस वर्ष दिया गया था?

I. 2007
II. 2005
III. 2009
IV. 2006

03 पिंक बस चालक के रूप में कितनी महिलाओं को नियोजन पत्र सौंपा गया है?

I. 5
II. 3
III. 6
IV. 7

04 वर्तमान में बिहार में महिला पुलिस की संख्या कितनी है?

I. 30,000
II. 25,000
III. 35,000
IV. 32,000

05 मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना के तहत कितनी राशि दी जाती है?

I. 2,500 रुपये
II. 3,000 रुपये
III. 3,500 रुपये
IV. 4,000 रुपये

06 इस वर्ष बिहार कितने साल का हुआ है?

I. 112 साल
II. 113 साल
III. 114 साल
IV. 115 साल

07 बिहार में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रही लड़कियों की संख्या कितनी है?

I. 13 लाख 76 हजार 586
II. 13 लाख 56 हजार 589
III. 13 लाख 75 हजार 586
IV. 13 लाख 80 हजार 586

08 हाल ही में जारी बिहार बोर्ड इंटरमीडिएट 2026 के नतीजों में टॉपर्स की सूची में कितनी लड़कियाँ शामिल हैं?

I. 12
II. 13
III. 19
IV. 18

09 बिहार संग्रहालय में शाम के वक्त भारतीय बच्चों के प्रवेश पर कितना टिकट शुल्क देना पड़ता है?

I. 30 रुपये
II. 15 रुपये
III. 5 रुपये
IV. 25 रुपये

10 अररिया जिले की कुल जनसंख्या कितनी है?

I. 23 लाख
II. 28 लाख
III. 35 लाख
IV. 27 लाख

उत्तर

1. सही उत्तर: 23 लाख 43 हजार 750 रुपये
2. सही उत्तर: 2006
3. सही उत्तर: 6
4. सही उत्तर: 30,000
5. सही उत्तर: 3,000 रुपये
6. सही उत्तर: 114 साल
7. सही उत्तर: 13 लाख 76 हजार 586
8. सही उत्तर: 19
9. सही उत्तर: 25 रुपये
10. सही उत्तर: 28 लाख

घटनाक्रम: मार्च 2026

राजनीति: माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का बिहार विधान परिषद से इस्तीफा

मार्च 2026 बिहार की राजनीति के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ रहा। राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।से इस्तीफा दे दिया है।

विवरण: नीतीश कुमार मार्च के मध्य में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए। इसके पश्चात, 30 मार्च 2026 को उन्होंने बिहार विधान परिषद (MLC) की सदस्यता से अपना त्यागपत्र सौंप दिया।

नई भूमिका: उन्हें निर्विरोध रूप से जनता दल (यूनाइटेड) का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी चुना गया है। उनके इस निर्णय को बिहार में एक राजनीतिक युग के अंत और संसदीय लोकतंत्र में उनकी वापसी के रूप में देखा जा रहा है।

खेल: बिहार को 'सर्वश्रेष्ठ खेल प्रोत्साहन राज्य' का पुरस्कार

खेलों के क्षेत्र में बिहार की बढ़ती धमक को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

पुरस्कार: 14 मार्च 2026 को मुंबई में आयोजित 'स्पोर्टस्टार एसेस 2026' (Sportstar Aces) अवॉर्ड्स में बिहार को 'Best State for Promotion of Sports' के सम्मान से नवाजा गया।

प्रतिनिधित्व: यह पुरस्कार बिहार की खेल मंत्री और राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता श्रेयसी सिंह ने प्राप्त किया। राज्य सरकार द्वारा खेल बुनियादी ढांचे में सुधार और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं (जैसे हॉकी एशिया कप) की मेजबानी के लिए यह सम्मान दिया गया है।

बिहार दिवस 2026: 'उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार'

22 मार्च को बिहार ने अपना 114वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया।

मुख्य विषय (Theme): इस वर्ष का विषय "उन्नत बिहार, उज्ज्वल बिहार" रखा गया था।

आयोजन: पटना के गांधी मैदान में तीन दिवसीय (22-24 मार्च) भव्य समारोह आयोजित किए गए। इसमें जल-जीवन-हरियाली मिशन पर आधारित प्रदर्शनियां और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सोना महापात्रा, शान और पापोन जैसे प्रसिद्ध गायकों ने अपनी प्रस्तुति दी।

बुनियादी ढांचा: गंडक नदी पर नए पुलों की स्वीकृति

उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ी परियोजना को हरी झंडी दिखाई है।

परियोजना: एनएच-727 (NH-727) पर गंडक नदी के ऊपर दो फोर-लेन पुलों के निर्माण के लिए 4,790.65 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

लाभ: यह पुल बिहार के बगहा (पश्चिम चंपारण) को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर से जोड़ेंगे। इससे बेतिया और गोरखपुर के बीच की दूरी लगभग 35 किमी कम हो जाएगी, जिससे व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

शासन और नियुक्तियाँ: नए राज्यपाल का आगमन

राज्यपाल: लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने 14 मार्च 2026 को बिहार के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। उन्होंने पदभार संभालने के बाद राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से शिष्टाचार भेंट की।

नाम परिवर्तन: बिहार राजभवन का नाम बदलकर अब 'बिहार लोक भवन' करने की प्रक्रिया भी चर्चा में रही।

आर्थिक: ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा कदम

बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (BSPTCL) ने राज्य की बढ़ती बिजली मांग (2030 तक 13,000 मेगावाट से अधिक होने का अनुमान) को पूरा करने और बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए NSE (National Stock Exchange) पर अपना IPO लाने की योजना बनाई है।

घटनाक्रम: मार्च 2026

राष्ट्रीय परिदृश्य

अवसंरचना एवं कनेक्टिविटी में प्रगति
मार्च 2026 में भारत ने अवसंरचना विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के प्रथम चरण का उद्घाटन किया गया, जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सशक्त बनाएगा।

ऊर्जा एवं अर्थव्यवस्था
वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि (लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल) देखी गई, जिसका प्रभाव विश्वभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा। हालांकि भारत में पेट्रोल-डीजल के दामों में तत्काल वृद्धि नहीं की गई।

डिजिटल शासन एवं हरित पहल
देश में डिजिटल गवर्नेंस और ई-सेवाओं का विस्तार जारी है, जिससे पारदर्शिता और सेवा-प्रदायन में सुधार हुआ है। साथ ही, नवीकरणीय ऊर्जा—विशेषकर सौर एवं पवन ऊर्जा—के क्षेत्र में भी तेजी से विस्तार हो रहा है।

प्रशासनिक एवं विधिक सुधार
भारत सरकार ने राष्ट्रीय दंत आयोग (National Dental Commission) का गठन किया, जिससे दंत शिक्षा एवं नियमन को आधुनिक बनाया जाएगा।

सामाजिक एवं दुर्घटनाएँ
मार्च 2026 में देश के विभिन्न हिस्सों में आग और सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएँ सामने आईं, जिनमें कई लोगों की मृत्यु हुई—जैसे दिल्ली, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में हादसे।

सांस्कृतिक एवं वैश्विक आयोजन
नई दिल्ली में 12–14 मार्च के बीच महिला कृषि-खाद्य प्रणाली वैश्विक सम्मेलन (GCWAS-2026) आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं की भूमिका पर चर्चा हुई।

खेल परिदृश्य
आईपीएल 2026 का आयोजन 28 मार्च से शुरू हुआ, जिसमें 10 टीमें भाग ले रही हैं।
भारत एवं श्रीलंका द्वारा सह-आयोजित आईसीसी टी20 विश्व कप 2026 का समापन मार्च के प्रारंभ में हुआ।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

पश्चिम एशिया में तनाव
मार्च 2026 में अमेरिका-ईरान तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बनी रही। तेल आपूर्ति मार्गों (जैसे होरमुज जलडमरूमध्य) में बाधा के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट की स्थिति उत्पन्न हुई।

वैश्विक कूटनीतिक गतिविधियाँ
भारत और विभिन्न देशों के बीच रक्षा एवं द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के प्रयास जारी रहे। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC) में पाकिस्तान के मानवाधिकार मुद्दों पर चर्चा हुई।

नेपाल की राजनीति
नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता देखी गई, जहाँ नए प्रधानमंत्री के रूप में बालेन शाह ने पदभार ग्रहण किया।

वैश्विक संघर्ष का प्रभाव
मध्य-पूर्व के तनाव का असर वैश्विक खेल एवं व्यापार पर भी पड़ा—जैसे नेपाल में प्रस्तावित त्रि-राष्ट्र क्रिकेट श्रृंखला स्थगित करनी पड़ी।

अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस
14 मार्च को अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस (Pi Day) मनाया गया, जिसका उद्देश्य गणित के महत्व को रेखांकित करना है।

संस्कृति एवं वैश्विक मंच
नई दिल्ली में 25–31 मार्च 2026 के बीच पहला अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFD) आयोजित किया गया, जिससे भारत की सांस्कृतिक उपस्थिति वैश्विक मंच पर मजबूत हुई।

बिहार सरकार
श्रम संसाधन विभाग
गिग कामगारों को मिला अधिकार
बिहार सरकार ने किए सपने साकार
बिहार प्लेटफॉर्म आधारित
गिग कामगार अधिनियम-2025
बिहार सरकार के द्वारा गिग कामगारों (जैसे डिलीवरी पार्टनर, कैब ड्राइवर आदि) को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिए ऐतिहासिक कदम
निबंधन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और आर्थिक सहायता का लाभ
दुर्घटना से मृत्यु पर परिजनों को ₹4 लाख का मुआवजा
अस्पताल में भर्ती पर ₹5,400 से ₹16,000 तक की सहायता
विकलांगता पर ₹74,000 से ₹2.5 लाख तक का मुआवजा
गर्भावस्था व प्रसव पर महिला कामगारों को 90 दिनों का मातृत्व लाभ
असहाय नहीं, अब सशक्त होंगे गिग कामगार
कल्याण बोर्ड का गठन
पंजीकरण की अनिवार्यता
यूनिक आईडी की व्यवस्था
अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1800 296 5656 पर संपर्क करें
जन-जन के सपने हो रहे साकार, रफ़्तार पकड़ चुका है बिहार

सुर्खियों में...

गौरवशाली 114वां वर्ष

पीएम का उद्गार: बिहार भारत के निर्माण में अहम योगदान देगा

सीएम का उल्लास: हम मिलकर राज्य के गौरव को आगे बढ़ायेंगे

बिहार दिवस: एक स्वर में उत्कर्ष

नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार एक बड़े परिवर्तन का साक्षी बना: नरेन्द्र मोदी

जन्मदिन पर झूमा पूरा बिहार

- पटना के गांधी मैदान में मुख्य समारोह शुरू, जिलों-प्रखंडों में भी रंगारंग कार्यक्रम
- गांधी मैदान में सरकारी विभागों ने स्टॉल लगाए, सशक्त बिहार की दिखी झलक

सीएम ने समृद्धि यात्रा के दौरान जहानाबाद और अरवल में जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया

राज्य के 50 लाख घरों पर जल्द लगेंगे सोलर: नीतीश

समृद्धि यात्रा: रोहतास और कैमूर जिले में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए मु

बिहार अगले पांच वर्षों में और तेज तरक्की करेगा: नीतीश

STATE GOVT EXPANDED QUOTA FOR WOMEN IN PANCHAYATI RAJ INSTITUTIONS TO 50% IN 2006

Sanitary pads, biogas and yoga: How women mukhiyas are quietly reshaping rural Bihar

Himanshu Harsh
Patna, March 8

A woman at work at the sanitary pad manufacturing unit in Bhojpur

AT DANWA village in Bihar's Bhojpur district, mornings begin with the hum of a machine inside a small production unit. Inside, a group of around nine women carefully operate the machine as it presses layers of cotton into sanitary pads. The packets, sold under the brand 'Sangini', are stacked neatly nearby, ready to be distributed to the local community.

The initiative, led by village mukhiya Sushumlata Kushwaha, was born out of a simple conversation over menstrual health in rural areas. "It was just before the Covid-19 pandemic... During a women's self-help group (SHG) meeting, we had a discussion on menstruation when someone had their period and was looking for some cloth. As the conversation unfolded, many of the women revealed they were still using cloth, or worse, cloth with ashes... I couldn't believe that even today, so many women were using cloth," says Kushwaha.

In response, she sought support from the then District Magistrate Roshan Kushwaha to inquire about establishing a unit that could produce affordable sanitary pads locally. "In about it, and we secured a fund of Rs 10 lakh," Kushwaha recalls.

Danwa's sanitary pad unit is one of several grassroots initiatives led by women mukhiyas across Bihar, where elected women leaders are increasingly shaping local governance through projects focused on health, livelihoods and environmental sustainability.

Bihar has one of the highest levels of women's participation in grassroots governance in India after the state government, under Chief Minister Nitish Kumar, expanded reservation for women in Panchayati Raj institutions to 50% in 2006. Today, around 4,200 women serve as mukhiyas and thou- with male relatives often seen as the real decision-makers. "In the villages, people are often reluctant to accept women in leadership roles... But things are moving in a positive direction. When I first became mukhiya in 2016, women weren't even attending village meetings. Today, they are much more involved than men about policies and governance," says Kushwaha.

The holder of a Master's in Social Work, she says that though the initial cost of setting up the unit exceeded the loan amount, she knew "this was something that needed to be done to help the women in her village and community".

"We started the unit with a between 4,000 and 4,500 pads a day, employing nine women in the process," says Kushwaha.

The sanitary pads are sold at Rs 23 per for a packet of six. "Usage is not to the level we expected, but it's growing with time... Women and girls who have used pads once are getting them regularly... We are continuously trying to make them more accessible to girls and women who might otherwise be forced to rely on unsanitary options," says Kushwaha, adding that support from the government would help speed up the process. "Local schools, SHGs and even nearby panchayats now distribute the pads, helping normalise the conversation about menstruation," she says.

A local schoolteacher adds, "I used to see so many girls in my class skipping school because they couldn't manage their periods. Now, many of them come to school everyday."

Meanwhile, in Samastipur district, another Mukhiya, Prema Devi, has focused on climate resilience and environmental sustainability. In her Motipur panchayat, initiatives such as biogas plants, water conservation efforts, and the creation of an "amrit sarovar" (a water conservation pond) are improving the village's in- leadership in 2016.

Today, three villages in the panchayat and more than 200 families who are involved in animal husbandry benefit from biogas plants, she says. "The villagers are now more aware of climate-related issues."

She adds that biogas plants have reduced families' dependence on firewood and expensive LPG gas. Prema also led the creation of a model Gramin Haat (rural market) in her panchayat, benefiting 380 families.

Her efforts have not gone unnoticed. "Motipur was awarded the Nanakji Deshmukh National Gramin Gaurav Award among many others," she says.

Similarly, in Lakhisarai district, mukhiya Julie Devi is encouraging teenage girls to take charge of the health and wellness of their community. In Nongarh panchayat, young girls conduct daily yoga sessions.

In Samastipur, another mukhiya, Baby Devi, has worked to ensure women's voices are heard in local governance. Through regular mahila sabhas (women's assemblies), she encourages women to discuss issues ranging from education to domestic violence, and to voice their opinions on policy matters.

A mother of three, including a nine-month-old baby, Kush-

CM launches projects worth ₹405cr in Jehanabad, Arwal

Madan.Kumar
@timesofindia.com

CM Nitish Kumar during his yatra in Jehanabad on Monday

Patna: CM Nitish Kumar on Monday launched development projects worth more than Rs 405 crore in Jehanabad and Arwal districts during his ongoing 'Samriddhi Yatra' and asked officials concerned to ensure speedy completion of all sanctioned works.

In Jehanabad, the CM inaugurated 88 projects worth Rs 70 crore and laid the foundation stone for 73 more projects estimated at Rs 182 crore. In neighbouring Arwal district, he inaugurated 250 projects worth around Rs 90 crore and laid the foundation stones for 22 new projects with an estimated cost of Rs 63 crore.

Addressing a 'Jan Samvad' programme at Gandhi Maidan in Jehanabad, Nitish Kumar said the district had witnessed major changes over the past two decades under the NDA govt. He contrasted the current development with the situation before 2005, saying the previous regime had failed to improve basic infrastructure and public services.

He said roads in and around Jehanabad were once in poor condition, making travel from Patna and movement within the district difficult and time-consuming. Electricity supply was also weak across the district. Since 2005, he said, his govt had focused on improving connectivity, education, healthcare and public infrastructure.

Highlighting key achievements, the chief minister said the Patna-Jehanabad-Gaya road had been widened to four lanes and the Jehanabad-Rajgir road had been constructed. He added that three major district roads had also been widened and upgraded. In the education

SAMRIDDHI YATRA

sector, he said an engineering college, a polytechnic institute, a women's ITI and ITIs in all subdivisions had been established. He also cited the setting up of a GNM institute, a paramedical institute, Karpoori hostel and two residential schools. Tourist facilities at the Barabar hills have also been developed, he said.

Nitish Kumar said that during his 'Pragati Yatra' between December 2024 and January-February 2025 had visited all districts, r ewed development w and approved plans to ress gaps. He said six jects were sanctioned fo hanabad during that ex se and work on them was gressing.

He said a medical co and hospital is under c ruction in Jehanabad, a with a road overbridge a ja Bazaar, new city road velopment works aroun Barabar caves, a s complex and four new b cum-circle office buildi

Under the 'Saat chay-3' programme for 2030, he announced pla establish model school degree colleges in all blocks, upgrade all community health ce into specialty hospital turn Jehanabad Sada spital into a super-spe hospital. A Centre of E lence for sports will al set up in the district, he

समृद्धि यात्रा. जिले में 1373 विकास योजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास

सीएम ने दी 1056 करोड़ की सौगात

संवाददाता, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को समृद्धि यात्रा के दौरान पटना जिले को 1056 करोड़ रुपये की सौगात दी. उन्होंने ज्ञान भवन में 473 करोड़ रुपये की 761 परियोजनाओं का उद्घाटन और 583 करोड़ रुपये की 612 परियोजनाओं का शिलान्यास किया. इस अवसर पर मौजूद जीविका दीदियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी बिहार के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं. आगे भी पूरे लगन एवं मेहनत से काम करते रहिए, सरकार हरसंभव आपकी मदद के लिए तैयार है. महिला सशक्तीकरण की दिशा में आपके द्वारा कई अनूठी पहल की गयी. अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है. इसका फायदा हम सभी महिलाओं को मिल रहा है. इसके लिए हम सभी आपके प्रति आभार व्यक्त करते हैं.

इससे पहले मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न विभागों के स्टॉलों का अवलोकन किया. मुख्यमंत्री ने 25,883 जीविका स्वयं सहायता समूहों के 2.07 लाख दीदियों के लिए 519.26 करोड़ रुपये के बैंक लोन का चेक दिया. साथ ही आयुष्मान कार्ड, समेकित बकरी एवं भेड़ विकास योजना का चेक, कुशल युवा कार्यक्रम का प्रशिक्षण प्रमाणपत्र, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड आदि लाभुकों को प्रदान किया.

जनसंवाद में सीएम ने कहा- पटना में विकास बहुत काम हुए : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनसंवाद कार्यक्रम में कहा कि पटना में विकास के कई कार्य कराये गये हैं. कई फ्लाइओवर, एलिवेटेड रोड, जेपी गंगा पथ, पाटली पथ, अटल पथ, मीठापुर महुली पथ, पटना-बाढ़-मोकामा पथ का निर्माण कराया गया है. गांधी सेतु, जेपी सेतु सहित गंगा नदी पर कई पुल एवं एप्रोच पथ बनाये गये हैं. यहां राष्ट्रीय स्तर के कई संस्थान और मीठापुर में शैक्षणिक संस्थाएं स्थापित की गयी हैं.

आंबेडकर आवासीय विद्यालय का निर्माण जून तक

डॉ भीमराव आंबेडकर आवासीय विद्यालय का निरीक्षण करते सीएम.

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन डॉ भीमराव आंबेडकर आवासीय विद्यालय, फुलवारीशरीफ, पटना का निरीक्षण किया. मुख्यमंत्री ने विद्यालय के प्रधानाचार्य कार्यालय, पुस्तकालय का जायजा लिया और निर्माण जल्द पूरा करने का निर्देश दिया. एससी-एसटी विद्यार्थियों के लिए 720 क्षमता वाले आवासीय सह-शिक्षा विद्यालय भवन का निर्माण हो रहा है. इसका निर्माण जून तक पूरा होगा. इस आवासीय विद्यालय परिसर में प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक भवन, बालक छात्रावास, बालिका छात्रावास, चतुर्थवर्गीय कर्मचारी भवन, शिक्षक आवास भवन का निर्माण कार्य शामिल है.

विद्युत शवदाह गृह का किया उद्घाटन

मुख्यमंत्री बांसघाट पर नवनिर्मित अत्याधुनिक शवदाहगृह का उद्घाटन किया. पटना स्मार्ट सिटी द्वारा 89.40 करोड़ की लागत से विकसित यह परिसर अब 4.5 एकड़ में फैला है, जो पुराने घाट से तीन गुना बड़ा है. यहां पारंपरिक ओवन के साथ-साथ इलेक्ट्रिकल व वुडेन शवदाह की आधुनिक सुविधा मिलेगी. वहीं, परिसर में परिजनों की सुविधा के लिए 4260 वर्गमीटर का सिटिंग शेड, दो वेटिंग हॉल, प्रार्थना कक्ष, कैंटीन और पार्किंग की व्यवस्था की गयी है. आस्था के प्रतीक के रूप में यहां 12 फुट ऊंची आदिशक्ति की प्रतिमा स्थापित की गयी है, जो गंगापथ से भी दिखाई देती है. साथ ही, अस्थि विसर्जन और स्नान के लिए अलग-अलग तालाबों का निर्माण किया गया है.

बिहटा-सरमेरा पथ के पास निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन एम्स गोलंबर-जानीपुर-पैनापुर-नेवा (बिहटा-सरमेरा-पटना रिंग रोड) सड़क का दो लेन चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया. साथ ही एम्स गोलंबर और बिहटा-सरमेरा पथ के पास स्थल निरीक्षण किया. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य बेहतर ढंग से निर्धारित समय-सीमा के अंदर पूरा कराएं. अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि एम्स गोलंबर-जानीपुर-पैनापुर-नेवा पथ का निर्माण तेजी से हो रहा है. अगले साल जनवरी तक इसका निर्माण कार्य पूरा हो जायेगा. यह सड़क एनएच-139 फोरलेन एम्स के पास से होकर बभनपुरा, जानीपुर, अकबरपुर, पुनपुन सुरक्षा बांध से होते हुए बिहटा-सरमेरा (सिक्सलेन) को जोड़ती है.

Samriddhi Yatra: Nitish lauds Modi for Bihar's development

Prasun K Mishra
htpatna@hindustantimes.com

Bihar CM Nitish Kumar and Deputy CM Samrat Choudhary during the Samriddhi Yatra in Kaimur on Tuesday. HTPHOTO

BHABUA/SASARAM: Chief minister Nitish Kumar while addressing public meetings during the fifth phase of his Samriddhi Yatra in Kaimur and Rohtas districts on Tuesday, repeatedly lauded Prime Minister Narendra Modi and the Central Government for their special contributions toward the all-round development of Bihar.

He said that, in its successive budgets, the central government has made special provisions for Bihar's infrastructure, healthcare, education, agriculture, electricity, drinking water, and all other essential amenities. The Prime Minister has visited Bihar on numerous occasions to lay the foundation stones and to inaugurate various vital projects. "For this, I pay my humble respects to the Honourable Prime Minister," Kumar said.

Characterizing the previous governments as ineffectual and ruinous to the state, Kumar detailed at length the historic development and welfare initiatives undertaken by his own administration since 2005.

He announced that, over the next five years, jobs and employment opportunities would be provided to 10 million unemployed individuals in Bihar. The average per capita income is set to be doubled. Industrial corridors will be established across all districts to attract major industries, and all defunct sugar mills will be revived.

In the field of renewable energy, the government has sanctioned installing of 50 lakh rooftop solar panels on people's houses and the all free of cost, he announced.

Marketing mechanisms will be put in place to boost agricultural productivity and improve the economic condition of farmers by providing them access to competitive markets. He further announced plans to establish a Model School and a degree college in every administrative block of the state. Additionally, he declared that district and block-level hospitals would be upgraded into specialized medical centers, and that the private practice of government doctors would be prohibited.

Earlier, Kumar inspected the under-construction 520-bed minority hostel at Naughada, the ancestral village of minority welfare minister Mohammad Zama Khan under Chainpur assembly constituency in Kaimur. The hostel will have an equal number of seats for boys and girls.

He also inspected the ambitious project underway at Anicut in Dehri, which aims to treat water from the Sone River and supply via pipelines to the Sasaram, Dehri, and Aurangabad towns. This project is scheduled for completion by March 2027, providing relief to the local population from severe drinking water crises during the summer months.

The CM inaugurated 161 projects and schemes worth ₹162 crore and laid the foundation of 43 schemes worth ₹47 crore in Kaimur. In Rohtas, he inaugurated 161 projects worth ₹158.6 crore and laid the foundation stone for 43 projects worth ₹46.88 crore. The projects include infrastructure, education, drinking water and other public welfare schemes.

Deputy CM Samrat Chaudhary announced the opening of a high security jail at Adhaura on Kaimur Hills where dreaded terrorists will be incarcerated.

Water Resource Development Minister Vijay Kumar Chaudhary mentioned the Sone-Kohira River Link project and Ganga Canal Project sanctioned in Kaimur to solve long standing irrigation and drinking water problems. Agriculture minister Ram Kripal Yadav and minority welfare minister Md Zama Khan lauded the role of CM in all-round development of Bihar.

BJP MLC Santosh Kumar Singh, MLAs Bharat Bind and Sangeeta Kumar, Kaimur DM Nitin Kumar Singh and Rohtas DM Udita Singh also participated in the programs.

CM launches 144 development projects worth more than ₹442cr in Bhagalpur

▶Continued from P 1

CM Nitish Kumar visits a stall during the inauguration of various development projects as part of his Samriddhi Yatra in Bhagalpur

"Our govt since 2005 worked on healthcare services with opening of new medical colleges and hospital in several districts, reforms in educational sectors, constructing networks of roads, bridges and culverts for connecting even remote villages to the cities by pucca roads," he said.

Earlier in the day, Kumar inaugurated and laid the foundation stones for 144 development schemes worth more than Rs 442 crore in the district. These included foundation stones for 56 projects worth Rs 271 crore and inauguration of 88 schemes worth Rs 171 crore.

During the visit, the CM also inspected the integrated development of a large pond at Baijani carried out under the Jal-Jeevan-Hariyali Abhiyan and laid the foundation stone of a marriage pavilion under the Chief Minister's Kanya Vivah Mandap scheme. He reviewed the progress of ongoing development and welfare schemes with district officials and directed them to complete projects within the stipulated timeframe.

Kumar also interacted with beneficiaries and visited stalls showcasing govt welfare initiatives for farmers, women, youths and disadvantaged sections.

Praising PM Narendra Modi, Kumar said the Centre had extended strong support to the state.

"The Centre under the leadership of PM Narendra Modi since 2014 had been and is continuously providing steady support to the NDA government in Bihar till date and would continue to do so for the benefit of the people of Bihar," he said.

Senior leaders and officials were present during the programme.

Anchor's 'faux pas' sparks political buzz

An unusual moment during CM Nitish Kumar's Samriddhi Yatra event in Bhagalpur on Tuesday drew attention after the anchor of the programme addressed deputy chief minister Samrat Choudhary as the "CM" while inviting him to the stage.

During the proceedings, the anchor invited Choudhary to the stage and referred to him as the "CM", asking the audience to welcome him with loud applause.

The remark immediately caught the attention of those present at the venue.

While some described the moment as a "slip of the tongue", the anchor neither expressed regret over the remark nor attempted to correct it during the programme. TNN

'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' ने संवारा भविष्य

पूजा शर्मा

मेरा नाम पूजा शर्मा है और मैं बिहार की उन लाखों बेटियों में से एक हूं जिनका भविष्य 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' ने संवारा है।

बिहार सरकार की इस दूरदर्शी योजना ने न केवल मेरी शिक्षा के मार्ग से वित्तीय बाधाओं को दूर किया, बल्कि मुझे समाज में आत्मनिर्भर बनने का साहस भी दिया। स्नातक पूरा करने पर मिलने वाली प्रोत्साहन राशि ने मुझे यह भरोसा दिलाया कि हमारी प्रगति अब किसी संसाधन की कमी के कारण नहीं रुकेगी।

यह योजना हम बेटियों को सशक्त बनाकर राज्य के विकास में भागीदार बना रही है। मैं बिहार सरकार और माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं, जिन्होंने हम बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इतनी महत्वपूर्ण और संवेदनशील पहल की है।

समरीन फरीदी-

मेरा नाम समरीन फरीदी है। हाल ही में मैंने पटना वीमेंस कॉलेज से 'जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन' में अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की है।

जब मुझे 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' के तहत प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई, तो वह केवल एक आर्थिक सहायता मात्र नहीं थी। उस पल मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे मेरी सालों की कड़ी मेहनत और मेरे माता-पिता के निस्वार्थ संघर्ष को एक सच्ची पहचान और सम्मान मिला है।

इस योजना ने न केवल वित्तीय बाधाओं को कम किया, बल्कि मेरे भीतर एक नया आत्मविश्वास भी जगाया। मैं इस निरंतर सहयोग और प्रोत्साहन के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और बिहार सरकार का तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं। मेरी बस यही कामना है कि मेरी तरह राज्य की और भी बेटियों को पढ़ने, बढ़ने और अपनी पहचान बनाने का ऐसा ही सुनहरा अवसर मिलता रहे।

सौम्या कुमारी

मेरा नाम सौम्या कुमारी है और मैंने पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की है. मुझे गर्व है कि मैं 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' की लाभार्थी रही हूं।

करियर बनाने के सफर में कई बार आर्थिक चुनौतियां सामने आईं, लेकिन इस योजना ने एक ढाल बनकर उन बाधाओं को दूर किया। स्नातक पूरा करने पर मिली प्रोत्साहन राशि ने न केवल मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया, बल्कि मुझे यह भरोसा भी दिलाया कि राज्य सरकार हमारे हर कदम पर साथ खड़ी है। इसी हौसले का परिणाम है कि आज मैं भारतीय स्टेट बैंक में 'जूनियर एसोसिएट' के पद पर कार्यरत हूं।

मैं जिस मुकाम पर हूं और जिस आत्मनिर्भरता के साथ अपने पैरों पर खड़ी हूं, उसमें 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' का अमूल्य योगदान है। यह योजना केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि हम बेटियों के सपनों में जान फूंकने वाला एक सशक्त माध्यम है। मैं बिहार सरकार और माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

स्मृति

मेरा नाम स्मृति है और मैंने पटना विश्वविद्यालय से अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। शिक्षा के इस सफर में कई बार ऐसी चुनौतियां आईं जब लगा कि शायद आर्थिक बाधाएं मेरे सपनों के आड़े आ जाएंगी। लेकिन 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' ने एक मजबूत संबल बनकर मेरा साथ दिया।

स्नातक की डिग्री पूरी करने पर मिलने वाली यह सहायता सिर्फ एक राशि नहीं, बल्कि बिहार सरकार का वह भरोसा है जो हम बेटियों को आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के लिए प्रेरित करता है।

मैं माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार और बिहार सरकार का हृदय से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने शिक्षा के दीप से हम बेटियों की राह को रोशन किया है और हमें अपने पैरों पर खड़े होने का सुनहरा अवसर प्रदान किया है।

सृष्टि

मेरा नाम सृष्टि है और मैं पटना की रहने वाली हूं। मैंने आर्केड बिजनेस कॉलेज (पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय) से अपनी स्नातक की पढ़ाई प्रथम श्रेणी के साथ पूरी की है। शिक्षा के इस सफर में सफलता हासिल करने के बाद, बिहार सरकार की 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' ने मेरे उत्साह को दोगुना कर दिया।

स्नातक उत्तीर्ण करने पर मुझे प्रोत्साहन राशि के रूप में ₹50,000 प्राप्त हुए। यह राशि केवल एक वित्तीय सहायता नहीं, बल्कि मेरे करियर को बेहतर बनाने और उच्च शिक्षा के संकल्प को मजबूती देने वाला एक बड़ा सहारा है। अक्सर आर्थिक तंगी उच्च शिक्षा के आड़े आ जाती है, लेकिन सरकार की इस सराहनीय पहल ने मेरे भविष्य की राह को आसान कर दिया है।

मैं इस सम्मान और प्रोत्साहन के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और बिहार सरकार का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।

स्नेहा कुमारी

मेरा नाम स्नेहा कुमारी है। मैंने सीएम आर्ट्स कॉलेज दरभंगा से वाणिज्य में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। करियर बनाने का सपना देखते हुए ऐसी चुनौतियां आईं, जब लगा कि शायद आर्थिक बाधाएं मेरे हौसलों की उड़ान को रोक देंगी। लेकिन ऐसे समय में मुझे साथ मिला 'मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना' का।

इस योजना के तहत मुझे ₹50,000 की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई। इस राशि ने न केवल मेरी वित्तीय चिंताओं को दूर किया, बल्कि मुझे बिना किसी रुकावट के अपने करियर के लक्ष्यों की ओर बढ़ने का साहस भी दिया। आज मैं गर्व के साथ कह सकती हूं कि मैं अपने पैरों पर खड़ी एक आत्मनिर्भर बिहार की बेटी हूं।

मेरी जैसी बिहार की लाखों बेटियों के सपनों को हकीकत में बदलने में इस योजना का महत्वपूर्ण योगदान है। मैं इस दूरदर्शी पहल के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और बिहार सरकार को तहे दिल से धन्यवाद देती हूं।

मुख्यमंत्री सचिवालय

बिहार सरकार के सात निश्चय-3 अन्तर्गत 7 वें निश्चय

"सबका सम्मान-जीवन आसान" (EASE OF LIVING)

के तहत

राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है कि

19 जनवरी 2026 से प्रत्येक सप्ताह में दो दिन सोमवार एवं शुक्रवार को ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल, जिला, प्रमंडल एवं राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में आमलोग अपनी शिकायतों के निष्पादन के लिए संबंधित पदाधिकारी से उनके निर्धारित कार्यालय कक्ष में मिल सकेंगे।

निर्धारित दोनों दिवसों पर सभी संबंधित पदाधिकारी अपने-अपने कार्यालय में उपस्थित होकर लोगों से सम्मानपूर्वक मिलेंगे और उनकी शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उसका त्वरित निराकरण करेंगे।

सभी सरकारी कार्यालयों में आगंतुकों को सम्मानपूर्वक बैठाने एवं मिलने के साथ-साथ उनके लिए जरूरी सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्था की जायेगी। आगंतुकों से प्राप्त शिकायतों की पंजी का संधारण किया जाएगा एवं शिकायतों के निष्पादन से सम्बन्धित सतत् अनुश्रवण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

वैसे पदाधिकारी जो एक से अधिक विभाग या कार्यालय के प्रभार में हैं, वे सोमवार/शुक्रवार को सुविधानुसार समय निर्धारित कर सभी कार्यालय में उपस्थित रहकर लोगों से मिलेंगे।

यदि सम्बन्धित पदाधिकारी सोमवार एवं शुक्रवार को किसी अपरिहार्य कारणवश कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते हैं तो उनके स्थान पर उनके द्वारा अधिकृत पदाधिकारी लोगों से मिलने के कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

इसके अतिरिक्त आम नागरिकों को दैनिक जीवन में आने वाली अन्य कठिनाईयों के निराकरण के लिए भी सरकार द्वारा निरंतर आवश्यक कदम उठाये जा रहे हैं।

सबकी हितैषी
बिहार सरकार

PR 022182/25-26(IPRD)D

खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग

बिहार सरकार

आम सूचना

तेल एवं प्राकृतिक गैस (LPG) की उत्पन्न समस्याओं के मद्देनजर आमजन को होने वाली कठिनाईयों के निदान हेतु खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, बिहार, पटना के अन्तर्गत एक नियंत्रण कक्ष (Control Room) की स्थापना की गई है, जो प्रतिदिन 7:00 बजे पूर्वाह्न से 9:00 बजे अपराह्न तक कार्य करेगा।

उक्त अवधि में आमजन अपनी समस्याओं या हो रही कठिनाईयों से उक्त नियंत्रण कक्ष (Control Room) के

दूरभाष संख्या : 0612-2233050

एवं राज्य के सभी जिलों में स्थापित नियंत्रण कक्ष (Control Room) के निम्न दूरभाष संख्या पर अवगत करा सकते हैं :-

- राज्य में घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस सिलेंडर की पर्याप्त उपलब्धता है, अनावश्यक भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें।
- गैस बुकिंग दर्ज होने के पश्चात दो से तीन दिनों के भीतर घरेलू गैस सिलेंडर की आपूर्ति पूर्व की भांति घर पर सुनिश्चित की जा रही है, उपभोक्ताओं को अनावश्यक रूप से गैस एजेंसियों के पास भीड़ लगाने की आवश्यकता नहीं है।

जिला	कोड	दूरभाष
पटना	0612	2219810
नालन्दा	06112	233168
भोजपुर	06182	248702
रोहतास	06184	226072 226093
बक्सर	06183	223333
कैमूर	06189	222080
गया	0631	2222253
नवादा	06324	212122
औरंगाबाद	06186	223168
जहानाबाद	06114	223013
अरवल	06337	228984 229494
मुंगेर	06344	299961
सुपौल	06473	224005

जिला	कोड	दूरभाष
जमुई	06345	222012 222001
लखीसराय	06346	233519
शेखपुरा	06341	223333 225169
बेगूसराय	06243	450626
खगड़िया	06244	222384 222326
भागलपुर	06412	402871
बांका	06424	223002
पूर्णियाँ	06454	242317 242320
कटिहार	06452	239025 239026
अररिया	06453	222309
किशनगंज	06456	225152
सहरसा	06478	222753

जिला	कोड	दूरभाष
मधेपुरा	06476	222220
मुजफ्फरपुर	0621	2212007
वैशाली	0622	4260233 4260234
सीतामढ़ी	06226	250316
शिवहर	06222	257060 257061
पूर्वी चम्पारण	06252	242418
पश्चिमी चम्पारण	06254	247002 247003
सारण	06152	245023
सिवान	06154	242000
गोपालगंज	06156	227007 227507
दरभंगा	06272	245055
मधुबनी	06276	222576
समस्तीपुर	06274	222300

PR_026608(Food)D.2025-26

गैस वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से शहरी क्षेत्र के घरेलू उपभोक्ताओं के अंतिम गैस सिलेंडर की डिलीवरी के 25 दिनों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के घरेलू उपभोक्ताओं के अंतिम गैस सिलेंडर की डिलीवरी के 45 दिनों के बाद नए गैस सिलेंडर की बुकिंग की अनुमति है।

सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग, बिहार

सूचना भवन, नेहरू पथ, पटना 800 015

☎ 0612-2224278, 2237835

✉ prdpatna@prdbihar.gov.in

🌐 https://state.bihar.gov.in/prdbihar

निबंधन संख्या : पीटी 52

आर एन आई संख्या : 3617